राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

स्वतंत्र प्रभात

जो लिखेगा, वही टिकेगा

स्वतंत्र प्रभात दैनिक अख़बार तथा ऑनलाइन चैनल से सीधा जुड़ने के लिए संपर्क करें........ 9511151254

@swatantraprabhatmedia | @swatantramedia | RNI.No. UPHIN/2019/79073 (epaper.swatantraprabhat.com) | @SwatantraPrabhatonline | news@swatantraprabhat.com

लखनऊ से प्रकाशित एंव अयोध्या ,प्रयागराज ,मिर्जापर ,गोरखपुर , बरेली ,बुंदेलखंड , उत्तराखंड , देहरादून

लखनऊ, मंगलवार, 28 अक्टूबर 2025

वर्ष 07, अंक 28, पृष्ट 12, मूल्य: 03 रुपया

www.swatantraprabhat.com

गाज़ियाबाद , दिल्ली , हरियाणा , चंडीगढ़ , झारखण्ड , बिहार , मध्य प्रदेश ,असम, तेलंगाना आदि जनपदो में प्रसारित

खेत में साफ-सफाई के दौरान मिला टूटा हुआ ड्रोन, महराजगंज में मचा हड़कंप; जांच का आश्वासन...03

जिला विद्यालय परिवहन यान समिति की बैठक सम्पन्न.....10

पाकिस्तान के पराली जलाने से उत्तर भारत में धुएं का संकट: AQI खतरनाक स्तर पर

● दिवाली की रोशनी बिखरने के बाद उत्तर भारत के आसमान पर फिर से स्मॉग का काला बादल छा गया है. पंजाब, हरियाणा और दिल्ली-एनसीआर के शहरों में सांस लेना मुश्किल होता जा रहा है.

● यहां AQI खतरनाक स्तर को पार कर चुका है. सरकारी आंकड़ों के मुताबिक, भारतीय पंजाब में पराली जलाने के मामले पिछले साल से 58% कम हुए हैं, लेकिन हकीकत कुछ और ही बयां कर रही है. सैटेलाइट डेटा से खुलासा हुआ है कि पाकिस्तान के पंजाब में भारतीय किसानों से 4-5 गुना ज्यादा पराली जलाई जा रही है.

पंजाब में पराली जलाने के मामलों में भले ही कमी आई हो लेकिन दिवाली के बाद से ही पंजाब, हरियाणा और दिल्ली-एनसीआर के कई इलाकों के लिए पराली का धुआं बड़ी मुसीबत बन चुका है. लेकिन ये पराली पंजाब-हरियाणा के किसानों के द्वारा उतनी संख्या में नहीं जलाई जा रही बल्कि हमारे किसानों से करीब 4 से 5 गुना पराली भारतीय सीमा से सटे पाकिस्तान के इलाकों में जलाई जा रही है. पाकिस्तान के पंजाब में लगातार पराली जलने के कारण पंजाब के कई शहरों की हवा की गुणवत्ता बेहद ही खराब हो गई है. पूरे उत्तर भारत पर इसका असर देखने को मिल रहा है क्योंकि पंजाब, हरियाणा और दिल्ली समेत समेत दूसरे राज्यों की वायु गुणवत्ता खराब होनी शुरू हो गई है।

पंजाब यूनिवर्सिटी (पीयू) और पोस्ट ग्रेजुएट इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल एजुकेशन एंड रिसर्च (पीजीआई) चंडीगढ़ की संयुक्त टीम की रिपोर्ट में इसका खुलासा हुआ है. रिपोर्ट के मुताबिक, आने वाले दिनों में हालात और खराब हो सकते हैं. अगले दो सप्ताह महत्वपूर्ण रहने वाले हैं क्योंकि धान की कटाई के साथ पराली जलाने के मामलों में बढ़ोतरी देखने को मिलेगी।

अब तक 5700 से ज्यादा मामले आए सामने

रिपोर्ट के अनुसार 1 सितंबर से 26 अक्टूबर तक पाकिस्तान के पंजाब में पराली जलाने के अब तक 5700 से अधिक मामले सामने आ चुके हैं. जबकि भारतीय पंजाब में सिर्फ 743 और हरियाणा में अब तक 300 से अधिक जगह पराली जली है. अगर पिछले साल से तुलना की जाए तो पंजाब में पराली जलाने के अब तक 58 प्रतिशत मामले कम हो गए हैं जबकि हरियाणा में 65 प्रतिशत कमी आई है।

अगर दिवाली के दिन की बात की जाए तो 20 अक्टबर को पाकिस्तान के पंजाब में 1750 जगह पराली जली है वहीं इसी दिन भारतीय पंजाब में 200 और हरियाणा में 61 जगह पराली जलाने के मामले पकड़ में आए हैं. हालांकि, रविवार को पंजाब में इस सीजन में सबसे ज्यादा पराली जलाने के मामले सामने आये हैं।

पराली जलाने में टॉपर जिला

रविवार को 122 नये मामलों के साथ भारतीय पंजाब में इस सीजन में पराली जलाने के कुल मामलों की संख्या 743 हो गई है। वहीं इसी बीते रविवार को पाकिस्तान में करीब 600 पराली जलाचने के मामले हुए हैं. भारतीय पंजाब के तरनतारन जिले में अब तक 224 मामले सामने आये हैं और ये जिला पराली जलाने में टॉप पर है. इसके बाद अमृतसर में अब तक कुल 154 मामले सामने आ चुके हैं।

भारतीय पंजाब में पराली जलाने वाले किसानों के खिलाफ अब तक 16 लाख 80 हजार रुपए का जुर्माना लगाया गया है. 266 मामलों में एफआईआर दर्ज की गई है और 296 मामलों में किसानों की जमीन के रेवेन्यू रिकॉर्ड में रेड एंट्री की गई है. भारतीय पंजाब में पिछले 6 दिन में ही पराली जलाने के कुल 328 मामले पंजाब में सामने आये हैं. आने वाले दिनों में धान की कटाई तेजी से होगी ऐसे में इन मामलों की संख्या और भी बढ़ सकती है. लगातार पराली जलाए जाने की वजह से पंजाब के कई शहरों का AQI बेहद खराब हुआ है. रविवार को जालंधर का AQI 439, बठिंडा का 321, लुधियाना का 260, अमृतसर का 257, पटियाला का 195 और मंडी गोबिंदगढ़ का AQI 153 रिकॉर्ड किया गया. पीजीआई की टीम सैटेलाइट से पराली जलाने की मामलों की निगरानी कर रही है. विभागीय टीम की पकड़ से जो मामले बच जाते हैं ये टीम उन मामलों पर भी नजर रख रही है।

एयर क्वालिटी पर असर

एक ही दिन में पराली जलाने के इतने मामले सामने आने के बाद ये साफ है कि आने वाले दिनों में पराली जलने के मामलों में बढ़ोतरी होगी जिसका सीधा असर वायु गुणवत्ता पर देखने को मिलेगा. अक्टूबर के अंतिम सप्ताह और नवंबर के पहले सप्ताह में हर बार ही AQI खतरनाक स्तर पर पहुंच जाता है. इस साल भी पंजाब, हरियाणा और दिल्ली के कई इलाकों में ऐसे ही हालात बने हुए हैं. पिछले कुछ दिनों से हवा का डायरेक्शन

इस तरह से है कि पाकिस्तान के पंजाब में जो पराली जलाई जा रही है उसका असर वहां के शहरों पर कम और पाकिस्तान से हवा का रुख हरियाणा, पंजाब और दिल्ली की तरफ होने के कारण भारत के इलाकों में ज्यादा नुकसान हो रहा है।

इसके अलावा पाकिस्तान में धड़ल्ले से जो पराली जल रही है उससे कई एयर शैड बन रहे हैं जोकि हवा के साथ भारतीय इलाके में आकर प्रदूषण की पूरी चादर आसमान में फैलाए हुए हैं. चंडीगढ़ पीजीआई से इस टीम का नेतृत्व सामुदायिक चिकित्सा विभाग के प्रोफेसर डॉ. रविंद्र खैवाल कर रहे हैं. खैवाल ने बताया कि आने वाले दिनों में पराली जलाने के मामलों में बढ़ोतरी देखने को मिलेगी क्योंकि धान की कटाई अब रफ्तार पकड़ेगी. पाक पंजाब में जल रही पराली का असर पूरे उत्तर भारत में अधिक देखने को मिल सकता है क्योंकि वहां पराली जलाने के मामलों में लगातार बढ़ोत्तरी होती जा रही है।

सैटेलाइट की ले रही हैं मदद

डॉ. खैवाल ने बताया कि हमारी टीम बीते दस वर्षो से लगातार पराली जलाने के मामलों पर निगरानी रखने के लिए सैटेलाइट की मदद ले रही हैं. पाकिस्तान के पंजाब में पराली जलाने से उत्तर भारत की हवा में प्रदूषण का स्तर बढ़ने की आशंका है. सैटेलाइट डाटा के अनुसार, पाकिस्तान में भारत के मुकाबले पराली जलाने के मामले बहुत अधिक हैं. पाकिस्तान के पंजाब प्रांत के खेतों में जल रही पराली की धुआं अब ना सिर्फ वहां के स्थानीय इलाकों की हवा को दूषित कर रही है, बल्कि उसका जहरीला असर हवा के रुख के कारण पाकिस्तान की सीमाओं को लांघकर पंजाब-हरियाणा से होकर दिल्ली तक पहुंचने लगा है।

सैटेलाइट तस्वीरों से भी साफ होता है कि पाकिस्तान में लगातार जो पराली जल रही है उन मामलों की संख्या भारतीय पंजाब और हरियाणा के इलाकों से कई गुना है. साथ ही इस मौसम में हवा का रुख हमारी तरफ होने के कारण भी पराली का धुआं पाकिस्तान के शहरों को उतना नुकसान नहीं पहुंचा रहा जितना हवा के साथ बहकर ये जहरीला धुआं भारतीय इलाकों को नुकसान पहुंचा रहा है. दिल्ली तक इसका असर दिखाई दे रहा है. एक्सपर्ट्स के मुताबिक, 10 नवंबर तक पाकिस्तान के पंजाब प्रांत और भारतीय पंजाब में पराली जलाने के मामले अपने पीक पर आ सकते हैं. जिससे प्रदूषण की ये समस्या और भी बढ़ सकती है. हालांकि, एक्सपर्ट्स के मुताबिक, इस नमी वाले मौसम में जो प्रदूषण के हालात बने हैं उसके लिए पराली जलने के अलावा अन्य भी कई कारण जिम्मेदार हैं।

कुत्तों के काटने की घटनाओं पर सुप्रीम कोर्ट नाराज, कहा- केंद्र समेत सभी राज्य सरकारों से मांगा जवाब

● कहा- विदेशों में देश की छवि हो रही खराब

देशभर में कुत्तों के काटने की घटनाओं पर सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि लगातार ऐसी घटनाएं हो रही हैं और विदेशों में देश की छवि ख़राब हो रही है. हम भी ख़बरें पढ़ रहे हैं. कोर्ट ने सभी राज्यो के मुख्य सचिव को 3 नवंबर को कोर्ट में मौजूद रहने का आदेश दिया है

कुत्तों पर नियंत्रण को लेकर सुप्रीम कोर्ट ने सुनवाई के दौरान केंद्र और राज्यों के वकीलों से कहा कि आप लोग ख़बरें नहीं देखते. सोशल मीडिया तो देखते होंगे. मजाक बना रखा है, लोग परेशान हैं. कोर्ट ने इस मामले में नाराजगी जाहिर की है. जस्टिस विक्रम नाथ ने कहा कि लगातार ऐसी घटनाएं हो रही हैं और विदेशों में देश की छवि ख़राब हो रही है. हम भी खबरें पढ़ रहे हैं।

आवारा कुत्तों के मामले में सुप्रीम कोर्ट ने सभी राज्यों के मुख्य सचिव को 3 नवंबर को कोर्ट में मौजूद रहने का आदेश दिया है. सुप्रीम कोर्ट ने पूछा कि कोर्ट के आदेश के बाद अभी तक क्यों नहीं जवाब दाखिल किया गया. सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र शासित प्रदेशों को भी नोटिस जारी कर जवाब मांगा है. कोर्ट ने केंद्र सरकार को भी फटकार लगाई है.

वहीं तेलंगाना, पश्चिम बंगाल और एमसीडी दिल्ली ने अपना जवाब दाखिल कर दिया है. मामले की सुनवाई के दौरान कोर्ट को एनजीओ को बताया कि वह इस मामले में पार्टी बनना चाहते हैं, जिसके लिए उन्होंने रजिस्ट्री में पैसा जमा करा दिया है.

सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को जारी किया नोटिस

सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि केवल तीन अनुपालन हलफनामे दाखिल किए गए हैं, लेकिन रिकॉर्ड में नहीं हैं वे तेलंगाना, पश्चिम बंगाल और एमसीडी हैं. सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को नोटिस जारी किए गए हैं।

सभी अगले सोमवार सुबह 10:30 बजे इस अदालत में उपस्थित हों और स्पष्टीकरण दें कि हलफनामे क्यों नहीं दाखिल किए गए और यहां उल्लिखित तीनों की ओर से कोई प्रतिनिधित्व भी क्यों नहीं किया गया।

वरिष्ठ अधिवक्ता सिद्धार्थ लूथरा ने कहा कि हाईकोर्ट से एक और मामला आया है. अब सभी मामले यहां हैं. न्यायमूर्ति विक्रम नाथ ने कहा कि हमारे पास किसी भी राज्य द्वारा अनुपालन हलफनामा नहीं है. एक वकील ने कहा कि एमसीडी (दिल्ली), तेलंगाना, पश्चिम बंगाल ने भी दायर किया है. लूथरा ने कहा कि हमें अभी तक कोई हलफनामा नहीं दिया गया है

संक्षिप्त ख़बरें

उत्तर प्रदेश के गाजीपुर में दो अलग-अलग घटनाओं में गंगा नदी में डूबने से एक महिला और बच्चे की मौत

उत्तर प्रदेश के गाजीपुर जिले में सोमवार को दो अलग-अलग घटनाओं में गंगा नदी में नहाते समय एक महिला और बच्चे की डूबकर मौत हो गई। पुलिस सूत्रों के अनुसार गहमर इलाके के गोविंद राय की रहने वाली पुष्पा देवी छठ पूजा के लिए वेदी बनाने गंगा घाट पर गई थी और उसकी बेटी गायत्री (12) तथा एक और बच्चा रोहन राजभर (11) उसके साथ था। सूत्रों ने कहा कि जब पुष्पा देवी वेदी बना रही थी, तो दोनों बच्चे नदी में नहाने चले गए और पानी के बहाव में बह गए। उन्होंने कहा कि मदद के लिए पुष्पा की चीखें सुनकर स्थानीय लोग और पुलिस मौके पर पहुंचे, गोताखोरों को लगाया गया। सूत्रों ने कहा कि काफी देर तक तलाश करने के बाद रोहन का शव बरामद किया गया। पुलिस थाना प्रभारी दीनदयाल पांडे ने कहा कि गायत्री को ढूंढने की कोशिशें जारी हैं। उन्होंने बताया कि एक अन्य घटना में कुतुबपुर गांव की रहने वाली चिंता देवी (40) गंगा में नहाते समय डूब गई। स्थानीय लोगों ने शोर मचाया, और नाविकों ने उन्हें बचाया। इसके बाद उन्हें अस्पताल ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।

इगलास में वेगनार कार से आए चोर और बड़ा से चुराकर ले गए 12 बकरियां

इगलास। कोतवाली क्षेत्र के गाँव कांका में एक किसान के घेर से चोरों ने रात के अंधेरे में 12 बकरियां चोरी कर लीं। चौंकाने वाली बात यह है कि चोर बकरियों को चुराकर ले जाने के लिए वेगनार कार का इस्तेमाल किया। कांका निवासी लाल सिंह पुत्र थूरे सिंह का कहना है कि शनिवार की रात करीब 2 बजे चोर उनके घेर में बंधे मवेशियों को चुराने के इरादे से घुसे। चोरों ने घेर में बंधी 12 बकरियों को वेगनार कार में लाद लिया और फरार हो गए। पीड़ित के मुताबिक चोर 02 बड़ी और 10 छोटी बकरियां ले गए हैं। पीड़ित ने अज्ञात चोरों के खिलाफ चोरी की रिपोर्ट दर्ज कराई है।

वाहन की टक्कर से बाइक सवार की हुई मौत बाइक के उड़े परखच्चे, बिसवां-महमूदाबाद रोड पर हुआ हादसा

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

सीतापुर जनपद सीतापुर के महमूदाबाद कोतवाली क्षेत्र में बिसवां-महमूदाबाद रोड पर सोमवार सुबह एक दर्दनाक सड़क हादसा हो गया खंता गांव के पास तेज रफ्तार अज्ञात वाहन ने बाइक सवार युवक को जोरदार टक्कर मार दी, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। हादसा इतना जबरदस्त था कि बाइक के परखच्चे उड़ गए घटना की सूचना मिलते ही आसपास के लोगों में अफरा-तफरी मच गई।

ग्रामीणों ने तत्काल पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुंची महमूदाबाद कोतवाली पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया वहीं, हादसे के बाद चालक वाहन सहित मौके से फरार हो गया मृतक की पहचान रोहित पुत्र राम इकबाल निवासी अमानाबाग, महमूदाबाद के रूप में हुई है बताया जा रहा है कि रोहित सोमवार सुबह बाइक से बिसवां की ओर जा रहा था। खंता गांव के पास सामने से आ रहे अज्ञात वाहन ने उसे टक्कर मार दी जिससे वह सड़क पर गिर पड़ा और उसकी मौके पर ही

मौत हो गई स्थानीय लोगों ने बताया कि सड़क पर अचानक सामने से आए वाहन ने तेज गति में बाइक को सीधा टक्कर मारी थी। हादसे के बाद वाहन चालक बिना रुके फरार हो गया। पुलिस ने घटनास्थल से साक्ष्य एकत्र कर जांच शुरू कर दी है कोतवाली प्रभारी ने बताया कि मृतक के परिजनों को सूचना दे दी गई है। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है और अज्ञात वाहन की तलाश की जा रही है पुलिस ने आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगालने की प्रक्रिया शुरू कर दी है, ताकि वाहन और चालक की पहचान की जा सके!!

घरेलू विवाद में महिला को पीटकर किया घायल, पुलिस ने किया मुकदमा दर्ज

● ......परिजनों पर गंभीर चोट पहुंचाने और धमकाने का आरोप- नगराम पुलिस ने शुरू की जांच।

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

नगराम (लखनऊ)। नगराम थाना क्षेत्र के पटवाखेड़ा मजरा समेसी गांव में घरेलू विवाद के चलते एक महिला के साथ मारपीट कर उसे गंभीर रूप से घायल कर दिया गया। पीड़िता ने अपने ही परिजनों पर हमला करने, गाली-गलौज करने और जान से मारने की धमकी देने का आरोप लगाया है। घटना के बाद घायल महिला को उपचार के लिए निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जबकि नगराम पुलिस ने पीड़िता की तहरीर पर मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, पटवाखेड़ा मजरा समेसी निवासी रजनी पत्नी स्व. रामलखन ने नगराम थाने में तहरीर देकर बताया कि बीते गुरुवार को किसी घरेलू मामले को लेकर उनकी देवरानी निर्मला पत्नी श्यामलाल, अर्चना पुत्री श्यामलाल, तथा श्यामलाल की दोनों बहुओं ने मिलकर उनसे विवाद किया। आरोप है कि विवाद बढ़ने पर सभी ने मिलकर उन्हें गाली-गलौज करते हुए लात-घूंसों और डंडों से बुरी तरह मारा-पीटा, जिससे वे गंभीर रूप से घायल हो गई। पीड़िता के अनुसार, मारपीट के दौरान उनके सीने की हड्डी फ्रैक्चर हो गई और जब उनका पुत्र रामफल उन्हें इलाज के लिए अस्पताल ले जाने लगा तो आरोपियों ने उसे भी धमकाते हुए इलाज कराने से रोकने का प्रयास किया।

सूचना मिलते ही परिजन घायल महिला को लेकर निजी अस्पताल पहुंचे, जहां उनका इलाज जारी है। इस बीच पीड़िता ने मामले की लिखित शिकायत नगराम पुलिस को दी, जिस पर थाना प्रभारी विवेक चौधरी ने बताया कि महिला की तहरीर के आधार पर आरोपियों के खिलाफ सुसंगत धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। उन्होंने कहा कि मामले की गंभीरता से जांच की जा रही है और दोषियों के खिलाफ विधिक कार्रवाई की जाएगी।

गांव के ग्रामीणों के मुताबिक, उक्त परिवार में जमीन के बंटवारे को लेकर लंबे समय से तनाव चला आ रहा था, जिसके चलते आए दिन आपसी विवाद होते रहते हैं। घटना की सूचना पर पुलिस टीम मौके पर पहुंची और स्थिति का जायजा लिया। फिलहाल गांव में माहौल शांत बताया जा रहा है, लेकिन घटना के बाद से पीड़ित परिवार में भय और आक्रोश व्याप्त है।

दिल्ली में UER-2 पर दर्दनाक हादसा, DTC की बस ने दो कारें समेत चार वाहनों को मारी टक्कर

बाहरी दिल्ली। बाहरी दिल्ली में यूइआर-2 स्थित बरवाला चौक पर डीटीसी की बस ने चार वाहनों को टक्कर मार दी। इस हादसे में एक पानी का टेंडर, दो कारें और एक ई-रिक्शा क्षतिग्रस्त हो गए। डीटीसी बस का अगला हिस्सा भी क्षतिग्रस्त हो गया है। गनीमत रही कि इस हादसे में किसी के हताहत होने की खबर नहीं है। स्थानीय आरडब्ल्यूए ने बरवाला रेडलाइट चौक पर स्पीड ब्रेकर बनाने को लेकर मांग की है। यह भी पढ़ें- सोनीपत में THAR का कहर, तेज स्पीड में टक्कर मारकर बाइक सवार को घसीटा

यूईआर-2 बरवाला गांव रेड लाइट चौक का 300 मीटर का हिस्सा एनएचएआइ के अधीन है। स्पीड ब्रेकर के निर्माण के लिए भी एनएचएआई से भी मांग की गई। इस मामले में पुलिस मामले की जांच कर रही है।

Umeed Portal: वक्फ प्रॉपर्टी रजिस्ट्रेशन पर सुप्रीम कोर्ट में कल होगी सुनवाई, ओवैसी ने दाखिल की है याचिका

● असदुद्दीन ओवैसी ने सुप्रीम कोर्ट में वक्फ संपत्तियों के उम्मीद पोर्टल पर पंजीकरण की समयसीमा बढ़ाने की याचिका दायर की है. केंद्र सरकार के 6 महीने के अनिवार्य पंजीकरण के नियम के खिलाफ यह याचिका है. बुधवार को इस अहम याचिका पर सुनवाई होगी।

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

एआईएमआईएम मुखिया असदुद्दीन ओवैसी ने वक्फ संपत्तियों के 'उम्मीद' पोर्टल पर रजिस्ट्रेशन की समयसीमा बढ़ाने की याचिका सुप्रीम कोर्ट में दाखिल कर रखी है. इस पर बुधवार को सुनवाई होगी. ये सुनवाई मुख्य मामले नहीं बल्कि ओवैसी की याचिका पर होनी है. केंद्र सरकार के जून नोटिफिकेशन के अनुसार सभी वक्फ संपत्तियों का 6 महीने में अनिवार्य पंजीकरण जरूरी है. इसे लेकर ही उन्होंने याचिका दाखिल की है।

पिछली सुनवाई में एआईएमआईएम मुखिया ओवैसी के वकील ने कहा था कि 6 में से 4 महीने फैसला आने का इंतजार करते हुए बीत गए. फैसला आने में 5 महीने लगे. अब आवेदन दाखिल करने के लिए बहुत कम समय बचा है. इस पर CJI बीआर गवई ने कहा था, ठीक है, हम इसे सूचीबद्ध करेंगे।

AIMPLB ने भी खटखटाया है सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा

इस मामले को लेकर ऑल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड ने भी सुप्रीम कोर्ट का रुख किया है. अक्तूबर में हुई बोर्ड की बैठक में उम्मीद पोर्टल पर वक्फ प्रॉपर्टी रजिस्ट्रेश की समस्याओं पर चर्चा हुई थी. इस दौरान बोर्ड की ओर से बताया गया कि पोर्टल की खामियों और समयसीमा बढ़ाने के लिए सुप्रीम कोर्ट में आवेदन किया गया है. बोर्ड की ओर से बताया गया है कि अलग-अलग राज्यों और वक्फ मुतवल्लियों से शिकायतें मिली हुई।

दस्तावेज अपलोड करने में 40-45 मिनट लगते हैं

बोर्ड की ओर से ये बताया गया था कि इन शिकायतों में कहा गया कि पोर्टल का उपयोग करना मुश्किल है. ये बार-बार क्रैश होता है. दस्तावेज अपलोड करने में 40-45 मिनट लगते हैं. बोर्ड ने पोर्टल की समय सीमा बढ़ाने और सिस्टम को सरल बनाने का अनुरोध करते हुए सर्वोच्च न्यायालय में आवेदन दायर किया. पोर्टल मुद्दे पर सुनवाई 28 अक्टूबर को होनी है।

कतर्नियाघाट में बाघ के हमले से युवक की मौत, इलाके में दहशत

● डीएफओ ने बताया कि घटनास्थल के आसपास बाघ की गतिविधियां देखी गयी हैं। शव पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है और परिजनों को आपदा कोष से आर्थिक सहायता प्रदान की जाएगी।

ग्रामीणों के अनुसार, सुजौली रेंज के तहत आने वाले रमपुरवा ग्राम पंचायत के मजरा मुखिया निवासी संजीत कुमार नहर किनारे अपने हल्दी के खेत में काम कर रहा था। इसी दौरान शाम करीब चार बजे जंगल से निकले बाघ ने उस पर हमला कर दिया। संजीत ने बचाव की कोशिश की लेकिन बाघ के सिर पर वार करने से उसकी मौके पर ही मौत हो गई। ग्रामीणों ने शोर मचाकर बाघ को भगाने की कोशिश की, जो करीब आधे घंटे तक खेत के आसपास दहाड़ता रहा और फिर जंगल की ओर लौट गया। कतर्नियाघाट वन्यजीव प्रभाग के प्रभागीय वनाधिकारी (डीएफओ) सूरज ने बताया कि प्रारंभिक जांच में यह बाघ के हमले

का मामला प्रतीत होता है। उन्होंने बताया कि संजीत जंगल के भीतर साइफन क्षेत्र की ओर घास लाने गया था, जहां संभवतः बाघ ने हमला किया। बाद में ग्रामीणों ने शव खेत में लाकर रखा और विभाग को शाम करीब साढ़े चार बजे इसकी सूचना दी। डीएफओ ने बताया कि घटनास्थल के आसपास बाघ की गतिविधियां देखी गयी हैं। शव पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है और परिजनों को आपदा कोष से आर्थिक सहायता प्रदान की जाएगी। इससे पहले, गत शुक्रवार को भी कतर्नियाघाट अभयारण्य के धर्मापुर रेंज के तिरमुहानी गांव में बाघ ने 40 वर्षीय महिला पर हमला कर उसे गंभीर रूप से घायल कर दिया था।

संक्षिप्त खबरें

छठ महापर्व का आयोजन आदर्श नगर पंचायत नगर में भव्य एवं ऐतिहासिक होगा

छठ महापर्व का आयोजन आदर्श नगर पंचायत नगर में भव्य एवं ऐतिहासिक होगा....

बस्ती। बस्ती जिले के आदर्श नगर पंचायत नगर के पौराणिक दुर्गा मंदिर के पोखरे में छठ पूजा के भव्य आयोजन की तैयारी की गयी है। अध्यक्ष नीलम सिंह राना और वरिष्ठ समाजसेवी पूर्व ब्लॉक प्रमुख बहादुरपुर राना दिनेश प्रताप सिंह के दिशा निर्देश पर तालाब की साफ सफाई, परिसर का सुंदरीकरण, जिले के जाने माने कलाकारों द्वारा संगीतमयी छठी मईया का जागरण,निः शुल्क चाय की व्यवस्था। श्रद्धालुओं को किसी भी प्रकार की असुविधा न हो उसके लिए युद्ध स्तर पर कार्य चल रहा हैं साथ ही उनके सहयोग में कर्मचारी और वॉलिंटियर की भी व्यवस्था की गई छठ पर्व पर छठ व्रती महिलाओं सहित भारी भीड़ बस्ती जनपद के विभिन्न घाटों पर लोगों काभीड़ बढ़ता गया छठ व्रती महिलाएं डूबते सूर्य को अर्घ्य देने के लिए नदी में खड़ी होकर कर रही है पूजा अर्चना सभी नदी घाटों पर नदी में बेरी कैटिंग की व्यवस्था प्रकाश सहित सुरक्षा का पुख्ता इंतजाम नगर पंचायत हरैया में मनोरमा नदी के सभी घाटों पर सीओ संजय सिंह खुद कर रहे हैं।

जिला प्रोबेशन एवं जनविकास केन्द्र ने संयुक्त रूप आयोजित किया जागरूकता कार्यक्रम

अम्बेडकर नगर। मिशन शक्ति अभियान के अन्तर्गत एक दिवसीय महिला सशक्तिकरण बैठक का आयोजन अकबरपुर विकासखंड के चंदनपुर न्याय पंचायत के अन्तर्गत ग्राम पंचायत चंदनपुर में आयोजित हुआ जहां पर 46 महिलाओं किशोरियों व पुरुषों ने भागीदारी कर महिलाओं एवं बालिकाओं की शिक्षा स्वास्थ्य सम्मान की सुरक्षा का संकल्प लिया। जिला प्रोबेशन कार्यालय अम्बेडकरनगर व जन विकास केन्द्र भितरीडीह द्वारा आयोजित बैठक को सम्बोधित करती हुई जिला बाल संरक्षण अधिकारी प्रीति ने कहा कि महिलाओं व बालिकाओं की सुरक्षा के लिए सरकार काफी प्रतिबद्ध है। जिसके लिए मिशन शक्ति एक महत्वपूर्ण टूल है। उन्होंने विभिन्न टालफ्री 181,108,102,1090,1098,1076 के प्रयोग एवं उससे मिलने वाली सहायता और घरेलू हिंसा कानून की जानकारी दिया। महिलाओं एवं बालिकाओं को सशक्त बनाने के लिए उन्होंने निराश्रित पेंशन, मुख्यमंत्री बाल सेवा योजना, कन्या सुमंगला योजना जैसी सरकारी योजनाओं व उसकी पात्रता पत्रक एवं प्रक्रिया के बारे में विशेष जानकारी दिया। बैठक में ह्यूमन राइट डिफेंडर मनोज कुमार ने लोगों श्रमिक योजना बालिका सुरक्षा योजना के साथ विभिन्न सरकारी योजनाओं व बाल अधिकार महिला अधिकार सहित आवश्यक कानूनों की जानकारी दिया। बैठक को सफल बनाने में निरकला, आदर्शमणि, गुलशन, छोटेलाल, कमाल टेलर्स आदि ने महत्वपूर्ण योगदान दिया।

बाइक पर स्टंटबाजी करने वाले दो युवकों को चेतावनी

बलरामपुर। गैसड़ी की एंटी रोमियो व मिशन शक्ति की टीम ने रविवार शाम करीब पांच बजे बाइक पर स्टंटबाजी करने वाले दो युवकों को पकड़ा। थानाध्यक्ष दुर्विजय ने बताया कि दोनों युवकों को लाल कार्ड देकर चेतावनी दी गई है। भविष्य में दोबारा ऐसा न करने की हिदायत दी गई है। एसपी विकास कुमार के निर्देश पर सड़क पर स्टंटबाजी करने वालों के खिलाफ कार्रवाई की जा रही है, ताकि सड़क हादसों में कमी लाई जा सके।

अनियंत्रित होकर तालाब में गिरी बैलगाड़ी पिता पुत्र की डूब कर मौत बैलों की भी निकली जान गांव में मचा कोहराम

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बलरामपुर हरैया सतघरवा/ बलरामपुर थाना ललिया क्षेत्र की मदरहवा गांव मे बैल गाड़ी से पुवाल भरने खेत जा रहे किसान की बैलगाड़ी अचानक तालाब में पलट गयी जिसमें दबने से किसान पिता - पुत्र तथा दोनों बैलों की भी डूबकर मौत हो गयी। घटना ललिया थाना क्षेत्र के मदरहवा गांव के निकट सोमवार करीब 6 बजे की है। पुलिस दोनों शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा है। थाना हरैय्या क्षेत्र के मोतीपुर गांव निवासी सहजराम जायसवाल अपने बेटे दीपक जायसवाल के साथ खेत में पुवाल लाने बैलगाड़ी से सोमवार सुबह करीब छह बजे मदरहवा गांव स्थित खेत में जा रहे थे कि गांव से लगभग दो सौ मीटर पूरब तरफ तालाब किनारे सकरा रास्ते से होकर बैलगाड़ी निकाल रहे थे अचानक बैलगाड़ी अनियंत्रित होकर तालाब के गहरे पानी में पलट गयी। धान की फसल सहेज रहे मदराहवा निवासी मुन्ना लाल व पत्नी रीता ने रस्सी के सहारे बचाने की कोशिश करते हुए हल्ला मचाने पर सहजराम जायसवाल 54 वर्ष व इनका बेटा दीपक जायसवाल 25 वर्ष भी बैलगाड़ी के नीचे दबकर पानी में डूब गया । जिससे दोनों की मृत्यु हो गयी ।वहीं दोनों बैल के कंधे से मजबूत रस्सी डनलप (बैलगाड़ी) में बंधी हुई थी। जिससे दोनों पशु की डूबने से मृत्यु हो गयी। आसपास के ग्रामीण भारी संख्या में मौके पर पहुंच गये। तथा घटना की जानकारी थाना ललिया पुलिस को ग्राम प्रधान प्रतिनिधि पटवारी यादव ने दूरभाष से दी। आनन-फानन में थाना ललिया निरीक्षक सत्येंद्र कुमार वर्मा तथा सर्किल सीओ डीके श्रीवास्तव मौके पर पहुंच गये ग्रामीणों के मदद से दोनों शव को तालाब से ढूंढ निकाला गया। और बैलगाड़ी व मृत दोनों पशु को तालाब से बाहर निकाला गया। मृतक सहजराम की पत्नी उषा देवी ,बहु संगीता दो नौनिहाल बच्चे सुनैना व शिवम का रो रो कर बुरा हाल है। ललिया थाना प्रभारी निरीक्षक सतेंद्र वर्मा ने बताया कि मृतक की पत्नी ऊषा देवी के सूचना पर दोनों शव का पंचनामा कराकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है ।वहीं हरैया पशुचिकित्साधिकारी अजय कुमार ने दोनों पशु का पोस्टमार्टम मौके पर आकर किये है। घटना स्थल का निरीक्षण सदर तहसीलदार विश्वदीपक त्रिपाठी ने किया है। उन्होंने कहा कि पीड़ित परिजनों को सरकारी अहेतुक सहायता राशि दिलाई जायेगी।

मिशन शक्ति के अंतर्गत श्रम विभाग द्वारा जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

अम्बेडकरनगर। श्रम विभाग द्वारा मिशन शक्ति योजना के अंतर्गत आज कार्यालय सहायक श्रमायुक्त, पुरानी तहसील परिसर, अकबरपुर में एक जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य ग्रामीण महिलाओं, मनरेगा श्रमिकों तथा अटल आवासीय विद्यालय के छात्र-छात्राओं को उनके श्रम संबंधी अधिकारों, विभागीय योजनाओं एवं महिला सशक्तिकरण से जुड़े विभिन्न अधिनियमों की जानकारी प्रदान करना था।

जनपद को बाल श्रम मुक्त बनाने में सहयोग की अपील

कार्यक्रम में श्रम प्रवर्तन अधिकारी कमलेश कुमार सिंह ने उत्तर प्रदेश भवन एवं अन्य सन्निर्माण कर्मकार कल्याण बोर्ड की योजनाओं – जैसे मातृत्व, शिशु एवं बालिका मदद योजना, कन्या विवाह सहायता योजना, संत रविदास शिक्षा सहायता एवं प्रोत्साहन योजना, निर्माण कामगार मृत्यु एवं दिव्यांगता योजना, महात्मा गांधी पेंशन योजना, अटल आवासीय विद्यालय योजना तथा श्रमिक पंजीयन एवं नवीनीकरण आदि पर विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने मिशन शक्ति के अंतर्गत महिला सुरक्षा, सम्मान एवं आत्मनिर्भरता पर भी प्रकाश डाला तथा वर्ष 2027 तक जनपद को बाल श्रम मुक्त बनाने के संकल्प हेतु सभी से सहयोग की अपील की।

बाल श्रम उन्मूलन एवं महिला सशक्तिकरण का आश्वाशन

कार्यक्रम में 100 से अधिक श्रमिकों, अटल आवासीय विद्यालय के छात्र/छात्राओं एवं स्थानीय जनमानस की सक्रिय सहभागिता रही। उपस्थित महिलाओं ने बाल श्रम उन्मूलन तथा महिला सशक्तिकरण के प्रयासों में सहयोग का आश्वासन दिया।

इनकी रही उपस्थिति

कार्यक्रम को सफल बनाने में जन विकास संस्थान के प्रोजेक्ट मैनेजर अवधेश कुमार यादव, जन शिक्षण संस्थान से विद्या देवी, खुशियाल सिद्दीकी, उमेश पाण्डेय सहित श्रम विभाग के समस्त कर्मचारीगण उपस्थित रहे।

समाज के हक हिस्सा के लिए संघर्ष तेज करें सुभासपा कार्यकर्ता-दूधराम

●सुभासपा के स्थापना दिवस पर सम्मानित किये गये कार्यकर्ता

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बस्ती । बस्ती जिले मेंसोमवार को सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी का 23 वां स्थापना दिवस प्रेस क्लब सभागार में मनाया गया। आयोजक जिलाध्यक्ष मनोज राजभर और जिला प्रमुख महासचिव राजेश राजभर ने पार्टी की विकास यात्रा पर विस्तार से प्रकाश डाला। मुख्य अतिथि विधायक दूधराम ने कहा कि 27 अक्टूबर 2002 को सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी की स्थापना किया गया। लगातार 23 वर्षो से शोषित, वंचित, पिछड़ों व दलितों व अन्य समाज के हक हिस्सा के लिए रात दिन संघर्ष का क्रम जारी है। उन्होने एकजुटता से आगे बढने पर जोर दिया। कार्यक्रम में कार्यकर्ताओं को सम्मानित कर उनका उत्साह बढाया गया। विशिष्ट अतिथि राष्ट्रीय सचिव विनोद राजभर, बौद्धिक प्रकोष्ठ प्रदेश अध्यक्ष के बृजभूषण मिश्र, प्रदेश अध्यक्ष पूर्वान्चल सुनील पाण्डेय, वरिष्ठ प्रदेश उपाध्यक्ष चर्तुभुजी पाण्डेय, प्रदेश उपाध्याय रितिक जायसवाल, मंत्री प्रतिनिधि अमन राजभर आदि ने कहा कि कार्यकर्ता अपने संगठन को मजबूत करने के लिए लग जायें और हर समाज के बीच जाकर राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं कैबिनेट मंत्री ओम प्रकाश राजभर के विचारों का प्रचार-प्रसार करें जिससे आगामी 2027 के विधानसभा चुनाव में कामयाबी का एक रास्ता प्रदर्शित हो। वक्ताओं ने कहा कि गरीब, शोषित, पिछड़ा व अन्य समाज की लड़ाई यदि कोई लड़ता है तो वह हैं ओम प्रकाश राजभर जिन्होंने हर समाज के गरीब की समस्या को सुनने का काम करते हैं। जिलाध्यक्ष मनोज राजभर व अमन राजभर मंत्री प्रतिनिधि ने कहा कि पार्टी कार्यकर्ता गांव-गांव चलकर जन चौपाल के माध्यम से नेता जी के विचारों का प्रचार-प्रसार करें। संचालन करते हुये राजेश राजभर ने सुभासपा के नीति, कार्य्रक्रमों की रूप रेखा पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम में मुख्य रूप से अरविंद उपाध्याय, लक्ष्मी देवी राजभर, प्रभावती राजभर, निशादेवी राजभर, गोला देवी, सुरेश राजभर, गीता वर्मा, उमेश राजभर, मनोज शुक्ला, शेषनारायण त्रिपाठी, फूलचंद श्रीवास्तव, सत्येंद्र शुक्ला , प्रमोद चौधरी, दीपक यादव, उमेश यादव, आशीष राजभर, अर्जुन राजभर, रामजीत राजभर, राहुल पांडे, दिनेश राजभर, दीनानाथ चौधरी, राम ललित राजभर, तुलसीराम डॉक्टर, अजय राजभर, विजय राजभर, रामकिशन राजभर, मनोज राजभर, अनु, सनी देओल राजभर, रामपाल राजभर, दिनेश राजभर, प्रदीप राजभर, पवन चौधरी, अनुज राजभर, केशव राजभर, राम जनक वर्मा के साथ् ाही सहित पार्टी के अनेक कार्यकर्ता व पदाधिकारी मौजूद रहे।

ग्राम सोनपुर धुतकहवा में दोहरी भुगतान की गड़बड़ी

●मनरेगा और ग्राम निधि दोनों से कराया गया एक ही पक्का कार्य, भ्रष्टाचार की बू से उठे सवाल

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बलरामपुर/तुलसीपुर। विकासखंड तुलसीपुर के ग्राम पंचायत सोनपुर धुतकहवा में ग्राम विकास के नाम पर बड़ा घोटाला सामने आया है। यहाँ एक ही कार्य के लिए दो बार भुगतान किए जाने का मामला प्रकाश में आया है, जिससे ग्राम पंचायत में व्याप्त भ्रष्टाचार की परतें खुलने लगी हैं। सूत्रों के अनुसार, अमर के घर से सरयू नहर तक इंटरलॉकिंग सड़क निर्माण का कार्य मार्च 2025 में कराया गया था, जिसका भुगतान मनरेगा योजना के अंतर्गत 13,44,000 (तेरह लाख चवालीस हजार रुपये) के रूप में किया गया। वहीं चौंकाने वाली बात यह है कि उसी मार्ग पर अमर के घर से सरयू नहर तक पुनः खड़ंजा निर्माण कार्य नवंबर 2025 में फिर से कराया गया, और इस बार इसका भुगतान ग्राम निधि से किया गया। नाम न छापने पर ब्लॉक की एक जिम्मेदार अधिकारी ने बताया ठीक ग्राम पंचायत में कराए गए कच्चे कर का काम से कम 3 साल हुआ पक्के कर कम से कम 5 वर्ष बाद ही उसे पर दोबारा कार्य/मरम्मत कराया जा सकता है ग्राम पंचायत के जिम्मेदारों पर आरोप है कि इस तरह एक ही कार्य को दो योजनाओं में दिखाकर सरकारी धन की दोहरी बंदरबांट की गई है। ग्रामीणों अजमल सोनू जायसवाल राकेश आदि ने यह भी आरोप लगाया है कि ग्राम प्रधान ने अपने सगे रिश्तेदार के नाम से चल रहे "मारूफ ट्रेडर्स एंड जनरल सप्लायर" नामक फर्म के माध्यम से सामग्री की आपूर्ति का फर्जी बिल लगाकर भुगतान कराया, जबकि उक्त दुकान पर कोई वास्तविक सामग्री उपलब्ध नहीं है। स्थानीय ग्रामीणों ने बताया कि कार्य स्थल पर घटिया निर्माण सामग्री का उपयोग किया गया है और गुणवत्ता मानकों की धज्जियाँ उड़ाई गई हैं। मनरेगा के तहत किए गए काम की पुनरावृत्ति कर सरकारी धन की बंदरबांट का यह मामला गंभीर वित्तीय अनियमितता की ओर इशारा करता है ग्रामीणों ने इस पूरे प्रकरण की जांच की मांग उच्च अधिकारियों से की है, ताकि दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई हो सके। अगर जांच निष्पक्ष हुई तो ग्राम पंचायत सोनपुर धुतकहवा में भ्रष्टाचार का बड़ा जाल उजागर हो सकता है। ग्राम सचिव और प्रधान से जब इस बाबत पूछताछ की गई तो उन्होंने कोई स्पष्ट जवाब नहीं दिया। प्रशासनिक स्तर पर अब निगाहें इस बात पर टिकी हैं कि क्या इस दोहरे भुगतान के घोटाले पर कार्रवाई होती है या मामला फाइलों में ही दबा दिया जाएगा।

वृहस्पतिवार को लगेगा जनपद स्तरीय मिलेट्स मेला

अम्बेडकरनगर। जिलाधिकारी अनुपम शुक्ला ने बताया कि उत्तर प्रदेश मिलेट्स पुनरोद्धार कार्यक्रम (श्री अन्न) योजनांतर्गत मिलेट्स रेसीपी उपभोक्ता जागरूकता व एक दिवसीय जनपद स्तरीय मिलेट्स मेला सह प्रदर्शनी का आयोजन 30 अक्टूबर 2025 को प्रातः 11 बजे से कृषि विज्ञान केंद्र, पॉती, अंबेडकरनगर में आयोजित किया जाएगा। मेले में खेती, कृषि रक्षा, भूमि संरक्षण, उद्यान, गन्ना, पशुपालन, बैंक, सिंचाई, मत्स्य आदि विभागों द्वारा अपने-अपने विभाग से संबंधित स्टॉल लगाई जाएगी।

गुमशुदा बालक को पुलिस ने ढूंढ़कर किया माता-पिता के सुपुर्द

चित्रकूट: गुमशुदा बच्चों की तलाश के लिए पुलिस द्वारा चलाए जा रहे ऑपरेशन मुस्कान के क्रम में सीतापुर पुलिस टीम द्वारा गुमशुदा बालक को दो घंटे के अन्दर सकुशल बरामद कर उसके माता-पिता के सुपुर्द किया गया। सीतापुर चौकी प्रभारी उपनिरीक्षक यदुवीर सिंह ने बताया कि सोमवार को एटा जनपद के देहात कोतवाली के उम्मेदपुर गांव निवासी जोगेंद्र सिंह ने चौकी में सूचना दी कि उनका पुत्र आदित्य (04) रामघाट के पास से खो गया है। इस सूचना पर वह तत्काल अपनी टीम आरक्षी अनुज यादव व रविशंकर के साथ तलाश करते हुए दो घंट के अंदर बालक को सुरक्षित बरामद कर उसके माता-पिता के सुपुर्द किया। जिस पर बालक के माता-पिता ने सीतापुर चौकी पुलिस टीम को धन्यवाद किया गया।

एनटीपीसी द्वारा अधिग्रहण में प्रभावित लोगों हेतु बुधवार को लगेगा समाधान कैम्प, होगा भुगतान

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

अम्बेडकरनगर। अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व डॉक्टर सदानंद गुप्ता ने बताया कि एनटीपीसी टाण्डा के द्वितीय चरण के विस्तारीकरण में प्रभावित ग्राम हुसेनपुर सुधाना, सलाहपुर रजौर व हासिमपुर के हितबद्ध व्यक्तियों द्वारा मा0 उच्चतम् न्यायालय में योजित याचिका खारिज होने के उपरान्त भूमि/परिसम्पत्तियों से स्वतः अपना कब्जा खाली कर दिया गया है। उपरोक्त ग्रामों के सभी प्रभावित व्यक्तियों, जिन्होंने अपना भुगतान अभी तक प्राप्त नही किया गया है, उनके सिंगल विण्डो समाधान के लिए तहसील सभागार टाण्डा, जनपद अम्बेडकरनगर में दिनांक 29-10-2025 को समय सुबह 10:00 बजे से दोपहर 2:00 बजे तक एक कैम्प का आयोजन किया जायेगा। जिन भूस्वामियों / मकान स्वामियों द्वारा अभी तक भुगतान प्राप्त नही किया गया है, वे लोग अपने समस्त अभिलेखों के साथ तहसील सभागार टाण्डा में नियत तिथि व समय पर उपस्थित होकर अपना भुगतान प्राप्त कर सकते है। आयोजित कैम्प में तहसील स्तरीय अधिकारी/कर्मचारी, एनटीपीसी टाण्डा के अधिकारी एवं कर्मचारी, लोक निर्माण विभाग, प्रान्तीय खण्ड के अधिशासी अभियन्ता, सहायक अभियन्ता/अवर अभियन्ता, विद्युत विभाग के अधिशासी अभियन्ता, उपखण्ड अधिकारी/ सहायक अभियन्ता/ अवर अभियन्ता, जिला पंचायत राज अधिकारी आदि अधिकारीगण एक साथ तहसील सभागार टाण्डा में उपस्थित रहकर प्रकरणों का समाधान करेंगे।

छठ पर्व की तैयारियों को लेकर जिलाधिकारी व पुलिस अधीक्षक ने किया घाटों का निरीक्षण, दिए आवश्यक दिशा-निर्देश

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

छठ पर्व की तैयारियों को लेकर जिलाधिकारी व पुलिस अधीक्षक ने किया घाटों का निरीक्षण, दिए आवश्यक दिशा-निर्देश

अंबेडकरनगर। जिलाधिकारी अनुपम शुक्ला ने पुलिस अधीक्षक अभिजीत आर. शंकर के साथ पावन पर्व छठ पूजा को सकुशल संपन्न कराए जाने के दृष्टिगत जनपद के विभिन्न घाटों का भ्रमण कर तैयारियों का जायजा लिया।

इस दौरान जिलाधिकारी ने तमसा नदी तट पर स्थित गायत्री मंदिर घाट, शिवाला घाट पांडा टोला, श्रवण क्षेत्र धाम घाट सहित प्रमुख स्थलों का भ्रमण कर तैयारियों का निरीक्षण किया।

उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि सभी घाटों पर सफाई व्यवस्था नियमित रूप से कराई जाए, प्रकाश व्यवस्था सुचारू रहे तथा श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की असुविधा न हो। साथ ही उन्होंने जल सुरक्षा के दृष्टि से नदी के किनारे उपयुक्त स्थलों पर जल बैरिकेडिंग कराने के निर्देश दिए, ताकि कोई अप्रिय घटना न घटे। जिलाधिकारी ने निर्देश दिया कि सभी घाटों पर महिलाओं के लिए पर्याप्त संख्या में चेंजिंग रूम, मोबाइल टॉयलेट तथा पेयजल की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। उन्होंने कहा कि छठ पर्व पर श्रद्धालुओं की संभावित भीड़ को ध्यान में रखते हुए यातायात एवं पार्किंग की समुचित व्यवस्था बनाई जाए। पुलिस अधीक्षक ने उपस्थित पुलिस अधिकारियों को निर्देशित किया कि सभी घाटों पर निरंतर गश्त व निगरानी रखी जाए तथा सुरक्षा व्यवस्था में किसी प्रकार की ढिलाई न बरती जाए।

अधिकारीद्वय ने छठ पर्व को सकुशल संपन्न कराए जाने हेतु ड्यूटी पर लगाए गए सभी संबंधित अधिकारियों को सजग रहते हुए अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन करने के निर्देश दिए। इस अवसर पर क्षेत्राधिकारी अकबरपुर, संबंधित खंड विकास अधिकारी सहित अन्य अधिकारीगण उपस्थित रहे।

छठ पूजा को सकुशल, सुरक्षित एवं व्यवस्थित ढंग से सम्पन्न कराने के उद्देश्य सेकिया बैठक

●क्षेत्राधिकारी सदर द्वारा द्वारा पुरानी बस्ती स्थित निर्मली कुण्ड व कोतवाली स्थित अमहट घाट पर की जा रही तैयारियों का निरीक्षण किया गया एवं सम्बंधित को आवश्यक दिशा निर्देश दिया गया-

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बस्ती। बस्ती जिले मेंलोकआस्था के महापर्व छठ पूजा को सकुशल, सुरक्षित एवं व्यवस्थित ढंग से सम्पन्न कराने के उद्देश्य से क्षेत्राधिकारी सदर श्री सत्येन्द्र भूषण तिवारी द्वारा आज दिनांक 27 अक्टूबर, 2025 को प्रातः पुरानी बस्ती स्थित निर्मली कुण्ड व थाना कोतवाली स्थिति अमहट घाट का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान घाट पर चल रहे सफाई कार्यों, अस्थायी चेंजिंग रूम, शौचालय, पेयजल व्यवस्था, विद्युत आपूर्ति, बैरिकेडिंग, गोताखोरों की तैनाती, चिकित्सा शिविर, पार्किंग व्यवस्था तथा सुरक्षा बलों की तैनाती का जायजा लिया। संबंधित अधिकारी/कर्मचारी को निर्देश दिए कि घाट पर किसी भी प्रकार की कमी न रहे तथा श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की असुविधा न हो। जिसमें घाट की गहराई चिन्हांकन एवं बैरिकेडिंग, गोताखोरों एवं मोटर बोट की तैनाती, चिकित्सा दल एवं एम्बुलेंस की स्थायी व्यवस्था, पर्याप्त पुलिस बल एवं पीएसी की तैनाती, घाट परिसर में सीसीटीवी कैमरे एवं पब्लिक एड्रेस सिस्टम, पार्किंग स्थल का चिन्हांकन एवं यातायात प्रबंधन की समीक्षा की गई । किसी को कोई किसी प्रकार की कठिनाई न होने पाए इसके लिए पुलिस बल सक्रिय रहेंगे किसी प्रकार की अप्रिय घटना न होने पाए इसके लिए पुलिस संचित व्यवस्था किया गया हैइस दौरान प्रभारी यातायात व अन्य अधिकारी कर्मचारीगण उपस्थित रहे।

जिले मेंदीपावली के दिन मनरेगा कार्य के नाम पर मनरेगा मजदूरों की लगी फर्जी हाजिरी के मस्टर रोल के भुगतान

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बस्ती। बस्ती जिले मेंदीपावली के दिन मनरेगा कार्य के नाम पर मनरेगा मजदूरों की लगी फर्जी हाजिरी के मस्टर रोल के भुगतान में जुटे कप्तानगंज ब्लाक के कुछ प्रधान और सेक्रेटरी जी जिनके सहयोग में वीडियो एडीओ पंचायत कप्तानगंज मिलकर फर्जी हाजरी और मस्टर्ड रोल जारी करके भुगतान किया गया है जिसकी जांच होना अति आवश्यक है ऐसे कर्मचारियों पर कार्रवाई होना चाहिए कार्रवाई होना चाहिए। भ्रष्टाचार दीपावली के दिन अपनी जड़े जमा रहा भ्रष्टाचार करने में अधिकारी और कर्मचारियों तथा प्रधान मिलकर दीपावली के दिन विकास का दिवाला और भ्रष्टाचारदीपावली मनाई गई जिससे पूरे साल भ्रष्टाचार बिना कार्य कराए भुगतान लिया जाए दीपावली के दिन मजदूरों की फर्जी हाजिरी तथा उनके नाम पर फर्जी पैसा ट्रांसफर हुआ विकासखंड कप्तानगंज में जिले में सबसे ज्यादा 520 मनरेगा मजदूरों की लगी फर्जी हाजिरी जिले के मशहूर भ्रष्टाचार में डू बे एडियो पंचायत द्वारा लंबी भ्रष्टाचार की हाजिरी लगवा कर भुगतान कराया गया इसकी उचित कार्यो द्वारा जांच होना चाहिए परशुरामपुर विकासखंड में तो हमेशा भ्रष्टाचार में डूबा रहता है फिर भी अधिकारी कार्रवाई करने से डरते हैं गौशाला में तो अपना नाम रोशन करते हैं खंड विकास अधिकारी लेकिन ग्रामीण क्षेत्रों में गंदगी नहीं दिखाई दे रहा है जिम्मेदार अधिकारियों कैसे होगा ग्रामीण क्षेत्र का विकास अजगर की तरह मनरेगा की फर्जी हाजिरी को निकाल रहे हैं प्रधान और सेक्रेटरी मिलकर बंदर बांट कर रहे हैं विकास के नाम पर कैसे होगा ग्रामीण क्षेत्र का विकास जब सिस्टम ही भ्रष्ट हो गया है। दूसरे स्थान पर विकासखंड हरैया खंड विकास अधिकारी तथा एडियो पंचायत एवं सेक्रेटरी रोजगार सेवक मेट में 326 एवं तीसरे स्थान पर 219 मनरेगा मजदूरों की लगी थी फर्जी हाजिरी बिना कार्य कराए फर्जी हाजी लगाकर भुगतान लिया गया और कुछ जगहों पर तो फर्जी है हाजी लगाकर मास्टर रोल जारी कर दिया गया जिसमें विकासखंड हरैया दीपावली भ्रष्टाचार जगाने में पीछे नहीं रहा । जैसे गीदड़ के मुख में खून की लत पड़ जाती है इस तरह विकास करो में भ्रष्टाचार की लत अधिकारी से लेकर के कर्मचारी और ग्राम प्रधान सचिव भ्रष्टाचार का खून से रंगीन दीपावली दीपावली मनाई गई ऐसे कर्मचारियों अधिकारियों के ऊपर कब होगी कार्रवाई इसके लिए जिले के जिम्मेदार अधिकारी और खंड विकास अधिकारी के ऊपर कार्रवाई होनी चाहिए इसी क्रम में विकासखंड रुधौली में जिले में सबसे कम मात्र 10 मनरेगा मजदूरों की लगी थी फर्जी हाजिरी जिसे जांच किया जा रहा है जांच में दोषी दोषी रोजगार सेवक मेट के ऊपर कारवाई की तलवार लटकी हैविकासखंड बहादुरपुर में 196, बस्ती सदर में 156, गौर - 154 ,विक्रमजोत में 103,रामनगर में 73, परशुरामपुर 72, कुदरहा में 69 , सल्टौवा गोपालपुर 27 ,दुबौलिया में 14, सांऊघाट में 14 में लगी थी मनरेगा मजदूरों की फर्जी हाजिरी। दीपावली के दिन जिले में बड़े पैमाने पर लगी मनरेगा मजदूरों की फर्जी हाजिरी का आनलाइन मस्टर रोल जीरो करना खंड विकास अधिकारी कप्तानगंज के लिए बना चुनौती कैसे करेंगे जीरो क्योंकि फर्जी मजदूरी में हिस्सा इनका कट जाएगा भ्रष्टाचार करने में नहीं क्यों कर रहे हैं वीडियोऔर एडिओ पंचायत फर्जी मजदूरों की हाजिरी लगाने तथा बिना काम किया मास्टर रोल जारी करने का काम तेजी से चल रहा है एक तरफ पूरा देश पूरे कर्मचारी छुट्टी में दीपावली मना रहे थे फर्जी मजदूरों की हाजिरी लगाकर ग्राम प्रधान सचिव और जेई रोजगार सेवक माते मेल करके फर्जी हाजिरी लगाने में मशहूर थे मजदूरी जिले के अन्तर्गत विकास खण्ड कप्तानगंज में दीपावली के दिन बड़े पैमाने पर मनरेगा मजदूरों की लगी फर्जी हाजिरी से जुड़ा मामला । इंडिया भ्रष्टाचार कब रुकेगा जिससे ग्रामीण क्षेत्र का विकास होगा यहां तक कप्तानगंज विकासखंड में 70% ग्राम पंचायत में दीपावली के दिन सफाई नहीं हुई एक-एक साल से ग्राम पंचायत में सफाई न होना बड़े दुख की बात है जबकि सफाई कर्मी ग्रामीण क्षेत्रों में नियुक्त है लेकिन अधिकारी कर्मचारी द्वारा कार्यालय में ड्यूटी लगाकर ग्रामीण क्षेत्र में गंदगी फैली हुई है इन अधिकारियों को देसी के कमरे में बैठकर के भ्रष्टाचार का विकास ग्रामीण क्षेत्रों में हो रहा है।

संक्षिप्त खबरें

दलित युवक से मारपीट, चार पर एससी-एसटी मामला दर्ज

लालगंज (रायबरेली)। कोतवाली क्षेत्र के मलपुरा गांव में मामूली विवाद के चलते एक दलित युवक की पिटाई कर दी गई। पीड़ित गोलू पासी ने बताया कि 22 अक्तूबर को गांव के ही आकाश, देवा, राजू और सुनील लोध ने उसे दरवाजे पर बुलाकर लाठी-डंडों से पीटा और जातिसूचक गालियां दीं। पीड़ित की तहरीर पर पुलिस ने चारों आरोपियों के खिलाफ मारपीट व एससी-एसटी एक्ट की धाराओं में मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। इंस्पेक्टर प्रमोद कुमार सिंह ने बताया कि मामले में कानूनी कार्रवाई की जा रही है।

अग्नि पीड़ित परिवार को युवा नेता विनय चौरसिया ने दी आर्थिक सहायता

लालगंज (रायबरेली)। पिलखा गांव में दीपावली की रात किराना व्यापारी अमित साहू के घर लगी भीषण आग में लाखों रुपये का सामान जलकर राख हो गया था। हादसे में व्यापारी की पत्नी और मासूम बेटा झुलस गए थे। घटना की जानकारी पर युवा नेता व डलमऊ प्रथम से भावी जिला पंचायत प्रत्याशी विनय कुमार चौरसिया मौके पर पहुंचे और पीड़ित परिवार को नकद आर्थिक सहायता प्रदान की। उन्होंने परिवार को हरसंभव मदद का भरोसा देते हुए कहा कि संकट की इस घड़ी में वह परिवार के साथ हैं।

नाबालिग बेटी को बहला-फुसलाकर ले जाने का आरोप

लालगंज (रायबरेली)। कोतवाली क्षेत्र के एक गांव की महिला ने एक युवक पर अपनी 15 वर्षीय बेटी को बहला-फुसलाकर भगा ले जाने का आरोप लगाया है। पीड़िता का कहना है कि अरबाज खान, निवासी पूरे जवाहर मजरे मधुकरपुर, उसकी बेटी को 22 अक्तूबर की दोपहर अपने साथ लेकर चला गया। परिजनों ने आसपास के इलाकों में काफी खोजबीन की, लेकिन लड़की का कुछ पता नहीं चला।मामले की सूचना पुलिस को दी गई, जिस पर प्रभारी निरीक्षक प्रमोद कुमार सिंह ने बताया कि आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया गया है और किशोरी की तलाश की जा रही है।

आरेडिका में छठ मैया गीतों की गूँज के साथ हुई सूर्य पूजा

लालगंज (रायबरेली): आधुनिक रेल डिब्बा कारखाना (आरेडिका) के आवासीय परिसर में छठ पूजा का पर्व श्रद्धा और उल्लास के साथ मनाया गया। महिलाओं व पुरुषों ने परिवार, समाज और देश की सुख-समृद्धि, स्वास्थ्य एवं शांति की कामना करते हुए निर्जला व्रत रखकर सूर्य देव की आराधना की।सुबह से ही परिसर छठ मैया के गीतों से गूंजता रहा। श्रद्धालुओं ने ठेकुआ, पकवान, गन्ना, फल और रंग-बिरंगे चावल से पूजा सामग्री तैयार की। शाम को डीजे और बैंड बाजों के साथ भक्तजन आरेडिका प्रशासन द्वारा निर्मित सरोवर पहुंचे और अस्ताचल सूर्य को अर्घ्य अर्पित किया।छठ पूजा के पौराणिक प्रसंगों का उल्लेख करते हुए बताया गया कि भगवान राम व सीता ने रावण वध के पश्चात, पांडवों ने साम्राज्य प्राप्ति हेतु तथा राजा हर्षवर्धन ने राज्य वैभव के लिए सूर्य देव की उपासना की थी। खगोलीय दृष्टि से भी यह पर्व महत्वपूर्ण माना गया, क्योंकि इस दिन सूर्य की पराबैंगनी किरणें पृथ्वी पर लाभकारी प्रभाव डालती हैं।लोक व्यवस्था बनाए रखने के लिए आरपीएफ और निगम के जवानों को सुरक्षा में लगाया गया। सरोवरों की साफ-सफाई व जलापूर्ति की समुचित व्यवस्था प्रशासन द्वारा की गई ताकि श्रद्धालु विधिवत पूजा कर सकें।कार्यक्रम में आरेडिका के महाप्रबंधक प्रशांत कुमार मिश्रा, अधिकारी, कर्मचारी, महिलाएँ, बच्चे एवं कर्मचारी यूनियनों के प्रतिनिधि बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

सीतापुर में दर्दनाक हादसाः डंपर से टकराया ट्रक, एक की मौत

सिधौली (सीतापुर)। अहमदपुर जट के पास हाईवे पर लखनऊ की ओर से जा रहे ट्रक ने सड़क किनारे खड़े मौरंग से भरे डंपर को रविवार सुबह पीछे से टक्कर मार दी। इसमें ट्रक के केबिन में बैठे एक व्यक्ति की मौत हो गई। वहीं, चालक गंभीर रूप से घायल हो गया। पुलिस ने ट्रक और डंपर को कब्जे में ले लिया है। हरदोई के गांव महामऊ के जमील ट्रक चलाकर लखनऊ जा रहे थे।

इसी जिले के लखिरियनखेड़ा गांव के तौकीम ट्रक के केबिन में थे। हादसे में दोनो गंभीर घायल हो गए। दोनों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र सिधौली ले जाया गया, जहां तौकीम को मृत घोषित कर दिया गया। वहीं, चालक को ट्रामा सेंटर लखनऊ रेफर कर दिया गया। कोतवालबलवंत शाही ने बताया कि ट्रक और डंपर को कब्जे में ले लिया गया है।

खेत में साफ-सफाई के दौरान मिला टूटा हुआ ड्रोन, महराजगंज में मचा हड़कंप; जांच का आश्वासन

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

महराजगंज: कोतवाली क्षेत्र के टूक मजरे ओथी गांव में सोमवार सुबह एक किसान के खेत में साफ-सफाई के दौरान एक टूटा हुआ ड्रोन मिलने से इलाके में हड़कंप मच गया। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और ड्रोन को कब्जे में लेकर जांच के लिए भेजने का आश्वासन दिया है।

साफ-सफाई के दौरान हुआ खुलासा

गांव निवासी किसान धर्मवीर सिंह उर्फ राजू सिंह के बेटे अभय सिंह सोमवार सुबह गांव के चार मजदूरों को साथ लेकर अपने खेत की मेड़ व नाली की साफ-सफाई करवा रहे थे। इसी दौरान, उनकी नज़र खेत में मिट्टी में धंसे एक इलेक्ट्रॉनिक डिवाइस पर पड़ी। मिट्टी हटाने पर पता चला कि वह एक ड्रोन है। हालांकि, जुताई के दौरान ड्रोन में लगे आठ मोटर, पंखुड़ियों सहित उसके कई अन्य पार्ट टूट चुके हैं।

जुताई के दौरान टूटने की आशंका

किसान के बेटे अभय सिंह ने बताया कि हाल ही में खेत में कम्पाइन मशीन से धान की कटाई हुई थी, जिसके बाद शुक्रवार को खेत की जुताई रोटावेटर से कराई गई थी। माना जा रहा है कि धान की पुवाल या फसल अवशेष में फंसा यह ड्रोन जुताई के दौरान ही टूट गया होगा और खेत में धंस गया।

खेत में मिले अज्ञात ड्रोन की सूचना पर क्षेत्र में तरह-तरह की चर्चाएं हो रही हैं। मामले की गंभीरता को देखते हुए क्षेत्राधिकारी प्रदीप कुमार ने बताया कि उन्हें खेत में ड्रोन मिलने की जानकारी प्राप्त हुई है। उन्होंने बताया कि किसान से मिले ड्रोन को उसके सभी टूटे हुए पार्ट सहित मंगा लिया गया है। इसे अब जांच के लिए भेजा जाएगा ताकि इसके स्रोत और उद्देश्य का पता लगाया जा सके। पुलिस मामले की गहनता से जांच कर रही है।

पुरानगंज मजरे तौली गांव में दबंगों का कब्ज़ा, प्रशासन मौन

महराजगंज (रायबरेली): तहसील व थाना क्षेत्र शिवगढ़ के अंतर्गत पुरानगंज मजरे तौली गांव में दबंग प्रतिपक्षी गढ़ रामराज पुत्र शंभू लाल द्वारा चिकित्सालय की सुरक्षित सरकारी भूमि पर जबरन कब्जा करने का मामला सामने आया है। ग्रामीणों का आरोप है कि दबंग पक्ष ने शटरिंग लगाकर स्लैब डालने की तैयारी शुरू कर दी है। ग्रामीणों ने इस अवैध कब्जे की शिकायत उपजिलाधिकारी (एसडीएम) गौतम सिंह से लिखित रूप में की है। इसके बावजूद राजस्व विभाग व पुलिस प्रशासन अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं कर पाए हैं। ग्रामीणों का कहना है कि प्रशासन की निष्क्रियता से दबंगों के हौसले बुलंद हैं और वे खुलेआम पुलिस व तहसील प्रशासन को चुनौती देते हुए निर्माण कार्य की तैयारी कर रहे हैं। पीड़ित धर्मेंद्र सिंह ने उप जिलाधिकारी को दिए गए शिकायती पत्र में बताया कि गांव के ही दबंग प्रतिपक्षी गढ़ रामराज पुत्र शंभू लाल उनकी तथा चिकित्सालय की सुरक्षित सरकारी भूमि पर गुंडागर्दी के बल पर निर्माण कार्य करा रहा है। धर्मेंद्र सिंह ने कहा कि कई बार शिकायत करने के बावजूद कोई कार्रवाई नहीं हुई है। उन्होंने चेतावनी दी है कि यदि जल्द प्रशासन ने कदम नहीं उठाया, तो वे जिलाधिकारी की चौखट पर धरना-प्रदर्शन करने को मजबूर होंगे। वहीं, इस संबंध में उप जिलाधिकारी गौतम सिंह ने बताया कि पीड़ित द्वारा शिकायती पत्र प्राप्त हुआ है। राजस्व निरीक्षक व पुलिस बल को मौके पर भेजकर जांच कराई जा रही है और दोषी पाए जाने पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

नवागत एसीपी विकास पांडे ने संभाली कमान, नगराम कस्बे का किया पैदल भ्रमण

● सुरक्षा व्यवस्था का लिया जायजा, पुलिस कर्मियों को सतर्कता और गश्त बढ़ाने के दिए सख्त निर्देश।

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

नगराम/लखनऊ। मोहनलालगंज सर्किल क्षेत्र के नवागत क्षेत्राधिकारी (एसीपी) विकास पांडे ने सोमवार को कार्यभार ग्रहण करने के बाद नगराम कस्बे का पैदल भ्रमण कर क्षेत्र की सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया। एसीपी विकास पांडे सबसे पहले नगराम थाने पहुंचे, जहां थाना प्रभारी विवेक कुमार चौधरी ने पुष्पगुच्छ भेंट कर उनका स्वागत किया।

थाने के निरीक्षण के दौरान एसीपी ने अभिलेखों, मालखाना, हवालात और बीट बुक की जानकारी ली तथा थाने की साफ-सफाई और रजिस्टरों के रख-रखाव की स्थिति का भी अवलोकन किया। उन्होंने पुलिस कर्मियों को निर्देशित किया कि क्षेत्र में हर स्थिति पर सतर्क दृष्टि बनाए रखें और नियमित गश्त बढ़ाई जाए, जिससे किसी भी प्रकार की अप्रिय घटना को रोका जा सके। इसके बाद एसीपी विकास पांडे नगर पंचायत क्षेत्र के मुख्य बाजार, बस स्टैंड, बैंकों और प्रमुख चौराहों का पैदल भ्रमण करते हुए सुरक्षा व्यवस्था की स्थिति को परखा। इस दौरान उन्होंने स्थानीय दुकानदारों और नागरिकों से संवाद स्थापित कर उनकी समस्याएं सुनीं और समाधान का भरोसा दिलाया। एसीपी ने कहा कि क्षेत्र में शांति व्यवस्था बनाये रखना उनकी सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने स्पष्ट कहा कि किसी भी प्रकार की अराजकता, गुंडागर्दी या असामाजिक गतिविधि को किसी भी हाल में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उन्होंने यह भी कहा कि कानून व्यवस्था को सुदृढ़ बनाए रखने के लिए पुलिस हर समय सक्रिय रहेगी और आम जनता को भी इसमें सहयोग करना चाहिए, ताकि क्षेत्र को सुरक्षित और अपराधमुक्त बनाया जा सके। इस अवसर पर वरिष्ठ उप निरीक्षक मोहम्मद नाजिम, थाना स्टाफ और पुलिस बल के जवान मौजूद रहे।

मां इन्द्रपरी माता मेले में उमड़ा आस्था का सैलाब

● ....हजारों श्रद्धालुओं ने किए दर्शन, संतान प्राप्ति के लिए महिलाओं ने मांगी मनोकामना- जयकारों से गूंजा कनकहा गढ़ी गांव।

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

मोहनलालगंज (लखनऊ)। विकास खंड मोहनलालगंज क्षेत्र के कनकहा गढ़ी गांव स्थित मां इन्द्रपरी माता मंदिर में सोमवार को दीपावली के बाद पहले रविवार को आयोजित भव्य वार्षिक मेले में आस्था का सैलाब उमड़ पड़ा। सुबह से ही श्रद्धालुओं की लंबी कतारें मंदिर परिसर में लगने लगीं और पूरे दिन माता के जयकारों से पूरा क्षेत्र भक्तिमय वातावरण में डूबा रहा। दूर-दूर से आए हजारों श्रद्धालुओं ने मां इन्द्रपरी माता के दर्शन कर प्रसाद अर्पित किया और अपने परिवार की सुख-समृद्धि की कामना की।

विशेष रूप से संतान प्राप्ति की इच्छा रखने वाली महिलाएं परंपरागत विधि से नारियल, चुनरी, फूल और प्रसाद लेकर मां के दरबार में पहुंचीं। उनका विश्वास है कि मां इन्द्रपरी माता के दर्शन मात्र से सभी मनोकामनाएं पूर्ण होती हैं और जो महिलाएं संतान की प्राप्ति की कामना लेकर यहां आती हैं, उन्हें संतान सुख प्राप्त होता है। ऐसी अनेक महिलाएं हैं जो मनोकामना पूरी होने के बाद हर वर्ष यहां आकर मां का आशीर्वाद लेने और कृतज्ञता प्रकट करने पहुंचती हैं।

मां इन्द्रपरी माता मंदिर ट्रस्ट के अध्यक्ष भारत लाल शर्मा ने बताया कि यह मेला कई दशकों से लगातार आयोजित होता आ रहा है। हमारे पूर्वजों और ग्रामवासियों द्वारा मां इन्द्रपरी माता की स्थापना की गई थी। तब से लेकर आज तक हर वर्ष दीपावली के बाद पहले रविवार को श्रद्धा और उत्साह के साथ मेले का आयोजन किया जाता है। उन्होंने बताया कि ग्रामीणों के सहयोग से यह धार्मिक परंपरा लगातार जीवंत बनी हुई है।

मेले में ट्रस्ट के अध्यक्ष भारत शर्मा, उपाध्यक्ष अभिषेक दुबे, कोषाध्यक्ष नितिन सिंह, सदस्य अनिल शर्मा, शुभम शर्मा, अवधेश द्विवेदी, रामलखन द्विवेदी, अमित रावत सहित ग्रामवासियों का विशेष योगदान रहा, जिनके प्रयास से मेला सकुशल संपन्न हुआ। सोमवार को जब मां इन्द्रपरी माता के जयकारों से कनकहा गढ़ी गांव गूंज उठा, तो श्रद्धा और विश्वास का अद्भुत संगम देखने को मिला। दर्शन के बाद श्रद्धालुओं ने मेले में लगी दुकानों से खरीदारी कर उत्सव का आनंद उठाया। पूरे दिन वातावरण में धार्मिक संगीत, भक्ति और उल्लास की धारा प्रवाहित होती रही। मां इन्द्रपरी माता के इस वार्षिक मेले ने एक बार फिर यह सिद्ध कर दिया कि आस्था जब परंपरा से मिलती है, तो गांव से लेकर जन-जन तक भक्ति का संदेश फैलता है।

किशोर ने पेड़ से फांसी लगाकर किया था सुसाइड पोस्टमार्टम रिपोर्ट में खुलासा, परिजनों ने लगाया था हत्या का आरोप

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

सीतापुर जनपद ऊके इमलिया सुल्तानपुर थाना क्षेत्र के के ग्राम जगना में शनिवार सुबह किशोर का पेड़ पर शव मिलने के मामले में पोस्टमार्टम रिपोर्ट में बड़ा खुलासा हुआ है पोस्टमार्टम रिपोर्ट ने परिजनों की आशंका को दरकिनार कर दिया है और किशोर की मौत की वजह हैंगिंग (आत्महत्या) किए जाने की बात सामने आई है। परिजनों ने उस वक्त अनहोनी की आशंका जताई थी परिजनों ने शव का अंतिम संस्कार कर दिया है मालूम हो कि एक 16 वर्षीय किशोर का शव गांव के बाहर नीम के पेड़ से लटकता मिला था। सूचना पाते ही परिजनों और ग्रामीणों में चीख-पुकार मच गई। जानकारी के अनुसार, मृतक की पहचान विनोद कुमार पुत्र रामू निवासी ग्राम जगना के रूप में हुई थी। बताया जा रहा है कि शनिवार सुबह जब वह घर से निकला, तो कुछ देर बाद ग्रामीणों ने खेतों की ओर एक नीम के पेड़ पर उसका शव लटकता देखा ग्रामीणों ने तत्काल घटना की सूचना पुलिस को दी सूचना मिलते ही थाना इमलिया सुल्तानपुर के प्रभारी निरीक्षक श्यामू कनौजिया पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। उनके साथ बिहार चौकी प्रभारी इंद्रजीत सिंह भी मौजूद रहे। फॉरेंसिक टीम ने मौके पर पहुंचकर साक्ष्य संकलित किए और घटना स्थल का बारीकी से निरीक्षण किया पुलिस ने शव को पेड़ से नीचे उतरवाकर पंचनामा भरने के बाद पोस्टमार्टम के लिए भेजकर तफ्तीश की वहीं, मृतक के परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। ग्रामीणों ने बताया कि विनोद पढ़ाई के साथ-साथ घर के कामों में हाथ बंटाता था और बीते कुछ दिनों से वह किसी बात को लेकर तनाव में था अचानक शव मिलने के बाद परिजन भी इसे स्वीकार नहीं कर पा रहे थे थाना प्रभारी श्यामू कनौजिया ने बताया कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आत्महत्या की बात सामने आई है पुलिस हर पहलू से जांच कर रही है इस दर्दनाक घटना से पूरे गांव में मातम पसरा हुआ है!!

सीमा विवाद में उलझा मांमला आवारा पसुओं से किसान काफी परेशान

मिश्रित सीतापुर/ आचार्य विनोबा भावे जन सेवा संस्थान के प्रदेश मुख्य सचिव रामकृपाल राठौर ने मुख्य मंत्री को संबोधित एक पत्र जिलाधिकारी को देकर निराश्रित गोवंशों से निजात दिलाए जाने की मांग की है। इस पत्र में कहा गया है कि वर्तमान समय ग्राम पंचायत हुमायूंपुर के मजरा दौलतपुर में निराश्रित गोवंशो का आतंक चल रहा है। किसान काफी परेशान चल रहे हैं। यह निराश्रित गोवंश पलक झपकते ही किसानों की फसलों को चट कर जाते हैं। किसानों के भगाने पर यह पासु मारने दौड़ पड़ते हैं। उनका आरोप है। कि प्रदेश के मुख्य मंत्री द्वारा प्रत्येक ग्राम पंचायत में अस्थाई गौशालयों का निर्माण कराया गया है। परंतु इन गौशालाओं के जिम्मेदार अधिकारी और कर्मचारी व ग्राम प्रधान तमांम जन शिकायतों के बाद भी इन गोवंशो को संरक्षित नहीं करा रहे हैं। आपको बता दें कि ग्राम पंचायत हुमायूंपुर मजरा दौलतपुर सीतापुर सदर तहसील और मिश्रित तहसील का आखिरी बार्डर है। जिससे हर समय सीमा विवाद में फंसा रहता है। तमांम जन सिकायतों के बावजूद भी न तो सदर तहसील सीतापुर जिम्मेदार और न ही मिश्रित तहसील के जिम्मेदार इनको संरक्षित नही करा रहे है। जिससे किसान काफी परेशान है। इस लिए सामाजिक संगठन के मुख्य सचिव ने जिला प्रशासन व प्रदेश शासन का ध्यान इस ओर आकर्षित कराते हुए इन निराश्रित गोवंशो से निजात दिलाए जाने की मांग की है।

एसडीएम सदर द्वारा साधन सहकारी समितियों का किया गया औचक निरीक्षण

प्रतापगढ़। जिलाधिकारी के निर्देश के क्रम में उपजिलाधिकारी सदर नैन्सी सिंह द्वारा साधन सहकारी समितियों का औचक निरीक्षण किया गया। उपजिलाधिकारी नैन्सी सिंह तथा नायब तहसीलदार दिनेश चन्द्र तिवारी द्वारा बी पैक्स रंजीतपुर चिलबिला, फेनहा महुली , कुसुमी व सगरा स्थिति समितियों की जांच की गई। बी पैक्स फेनहा महुली कुसुमी व सगरा बन्द पाई गई जिनकी रिपोर्ट जिलाधिकारी प्रतापगढ़ को प्रेषित की गई। बी पैक्स रंजीतपुर चिलबिला में सचिव आशीष सिंह मौके पर मिले। इनके अभिलेखों का परीक्षण किया गया। स्टॉक में 400 बोरी यूरिया 10 सितंबर को आमद दर्ज मिली जो गोदाम में रखी पाई गई। वितरण रजिस्टर में 04 सितंबर को 36 काश्तकारों को 80 बोरी यूरिया वितरण दर्ज पाया गया। मौके पर काश्तकार मोहन लाल सुरेश नारायण आदि खाद लेने हेतु उपस्थित थे जिन्हें उपजिलाधिकारी ने अपने सामने वितरण कराया। खाद ले गए काश्तकार बलीराम पुत्र कालू से दूरभाष द्वारा यूरिया के रेट के बारे में जानकारी लेकर रिपोर्ट जिलाधिकारी को प्रेषित करने हेतु कहा गया। उपजिलाधिकारी नैन्सी सिंह द्वारा बताया गया कि जो समितियां बन्द पाई गई हैं उनकी रिपोर्ट जिलाधिकारी को प्रेषित की जायेगी तथा प्रतिदिन इसी प्रकार जांच की जायेगी। काश्तकारों को खाद क्रय केंद्र पर कोई असुविधा नहीं होने दी जाएगी तथा उनकी आवश्यकता के अनुसार खाद उपलब्ध कराई जाएगी।

आस्था का पर्व छठ प्रथम अर्घ्य से शुरू तालाबों पर उमड़ा आस्था का सैलाब

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

गाजीपुर। तीन दिनों से चल रहे छठ पर्व का आज से प्रथम अर्घ्य शुरू हो गया जो अगले दिन मंगलवार को सुर्य उदय के साथ इस महा पर्व का समापन हो जायेगा। सोमवार को वर्ती महिलाएं अपने घर से छठी मईया जैसे सुमंगल गीत गाते हुए अपने घरों से जब निकलती और पीछे से पुरुष व बच्चे सिर पर डौरी व कंधे पर गन्ने लिए जब घरों से बाहर निकले तो आस्था का सैलाब सड़कों पर देखने लायक था । इसके साथ ही तालाबों व गंगा घाटों पर वर्ती महिलाओं का मनोरम दृश्य ऐसा लगता है की मानो स्वर्ग से सभी देवी देवता स्वर्ग से निचे उतर आये हो । गाजीपुर जनपद के बाराचवर गांव समेत मांका मोहम्मदपुर के तालाबों पर छठ के प्रथम अर्घ्य के समय मेले जैसा दृश्य बन गया था । तालाबों के चारों तरफ मंगल गीत से गुजमान हो रहा था । मान्यताओं के अनुसार माता सीता ने भी छठ का व्रता रखा और सूर्य की पूजा की थी। महाभारत में भी छठ पूजा का उल्लेख मिलता है। कहा जाता है कि द्रोपदी ने भी सूर्य की उपसना की थी। इसके अलावा स्वयं सूर्य पुत्र कर्ण भी गंगा स्नान के बाद घंटों कमर तक जल में खड़े रह कर सूर्य की उपासना करते थे। यह भी मान्यता है कि मगध नरेश जरासंध ने भी अपने कुष्ठ रोग को दूर करने के लिए ज्योतिषियों की सालाह पर गंगा के जल में खड़े रह कर सूर्य की पूजा किया करता था।

'अखिल भारतीय विज्ञान दल तथा नर्वदेश्वर ग्रुप आफ कॉलेजेज द्वारा देशभर के वैज्ञानिकों, कलाकारों और समाजसेवियों का हुआ सम्मान

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लखनऊ। राजधानी लखनऊ में अखिल भारतीय विज्ञान दल और नर्वदेश्वर ग्रुप ऑफ कॉलेज के संयुक्त तत्वावधान में "स्वर्गीय राधेश्याम शुक्ल-लीलावती देवी सम्मान समारोह" बड़े हर्षोल्लास के साथ संपन्न हुआ। यह कार्यक्रम अखिल भारतीय विज्ञान दल की संस्थापिका स्वर्गीय लीलावती देवी जी की छठवीं पुण्यतिथि की स्मृति में आयोजित किया गया।समारोह का आरंभ विज्ञान दल के अध्यक्ष डॉ0 मृदुल शुक्ल द्वारा माता-पिता की आरती से हुआ। मुख्य अतिथि के रूप में राज्यसभा के पूर्व सांसद पूर्व कैबिनेट मिनिस्टर डॉ0 अशोक बाजपेई, तथा विशिष्ट अतिथि के रूप में बीकेटी के विधायक योगेश शुक्ल, प्रसिद्ध मनकामेश्वर मंदिर, लखनऊ की महंत दिव्या गिरी महाराज, नर्वदेश्वर ग्रुप आफ कॉलेजेज के चेयरमैन प्रो. दुर्गेश मणि त्रिपाठी और संस्थापक प्रोफेसर नरेंद्र मणि त्रिपाठी उत्तर प्रदेश सरकार में डिप्टी इलेक्शन कमिश्नर डॉ0 अखिलेश मिश्र आई ए एस ने दीप प्रज्वलित कर उपस्थित सम्मान समारोह का उद्घाटन किया। समारोह में देश के विभिन्न क्षेत्रों से आए वैज्ञानिकों, शिक्षाविदों, कलाकारों, चिकित्सकों और समाजसेवियों को सम्मानित किया गया। स्वर्गीय राधेश्याम शुक्ल लीलावती देवी सम्मान पाने वालों में, डॉ0 मृदुल शुक्ल, डॉ0 संतोष कुमार शुक्ला वरिष्ठ वैज्ञानिक, अखिल भारतीय विज्ञान दल की उपाध्यक्ष रेनू शुक्ला, विश्व के 2 प्रतिशत वैज्ञानिकों में सुमार डॉ0 रुद्र देव त्रिपाठी, नोएडा मेडिकल कॉलेज के कमांडेंट डॉ यादवेंद्र सिंह यादव, लखनऊ विश्वविद्याल के डॉ. सौरभ मालवीय, दुर्गा कला केंद्र की श्रीमती अंजनी द्विवेदी, इनोवेटर आशुतोष पाठक, उत्तर प्रदेश सरकार की पूर्व प्लानिंग कमीशन की डायरेक्टर डॉ0 आनंदेश्वरी अवस्थी, वीर राघव भागवत संस्कृत महाविद्यालय की प्राचार्य मनोरमा देवी, दुर्गा कला केंद्र लखनऊ की प्रबंधक अंजनी द्विवेदी अखिल भारतीय विज्ञान दल की कोषाध्यक्ष विजयलक्ष्मी पांडे लखनऊ इनोवेटर सेल के प्रेसिडेंट तुमुल शुक्ल लखनऊ शहर के व्यवसाय और इंफ्रास्ट्रक्चर प्राइवेट लिमिटेड के अध्यक्ष रमेश मिश्रा लखनऊ विश्वविद्यालय के प्रोफेसर सौरव मालवीय विकलांग खिलाड़ियों के कोच हिमांशु मणि पैरालंपिक के अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी हर्षवर्धन मणि त्रिपाठी टेबल टेनिस एवं फुटबॉल खिलाड़ी यशवर्धन मणि त्रिपाठी राजकुमार त्रिपाठी सामाजिक कार्यकर्ता तथा प्रधानाचार्य सरस्वती विद्या मंदिर इंटर कॉलेज बाराबंकी लोक गायकी की क्षेत्र में जानवी पांडे बायोटेक पार्क के सलाहकार डॉ0 शिव पूजन शुक्ल केंद्रीय औषधि अनुसंधान संस्थान के मुख्य प्रधान वैज्ञानिक डॉ0 श्रीकांत रथ, देव प्रकाश मिश्र सिद्धार्थ तिवारी सामाजिक कार्यकर्ता अनीता तिवारी, शिक्षक मृत्युंजय प्रसाद मिश्र, सामाजिक कार्यकर्ता प्रशांत शुक्ल, योग गुरु प्रशांत शुक्ल डॉ0 किरण गुप्ता असिस्टेंट प्रोफेसर सिद्धार्थ विश्वविद्यालय कपिलवस्तु , सामाजिक कार्यकर्ता कृति पांडे सामाजिक कार्यकर्ता बृजेंद्र मिश्र, अंकित शुक्ल निकेत, सुषमा शुक्ला, प्रोफेसर अनुराग पांडे, सामाजिक कार्यकर्ता संदीप शाही, बाराबंकी के डॉ0 पी0के0 तिवारी लखनऊ विश्वविद्यालय के असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ0 सत्यभूषण वर्मा, दीप शिखा, काजल, सुखदा शर्मा, स्तुति यादव, सामाजिक कार्यकर्ता रेनू राय, फार्मासिस्ट राकेश पांडे, शिक्षक नम्रता पांडे, समेत अनेक प्रतिष्ठित नाम शामिल रहे। कार्यक्रम में काव्य-संध्या का आयोजन भी हुआ, जिसमें रितु श्रीवास्तव, पियूष योगी, गौरव गौरवान्वित और झमाझम बैशबारी ने अपनी उत्कृष्ट रचनाओं से उपस्थित जनसमूह को मंत्रमुग्ध कर दिया।

कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रो. दुर्गेश मणि त्रिपाठी ने की और संचालन डॉ. संतोष कुमार शुक्ला ने किया। सभी सम्मानित जनों को शाल, मोमेंटो और प्रमाणपत्र भेंट किए गए। मुख्य अतिथि राज्य सभा के पूर्व सदस्य डॉ अशोक बाजपेई ने कहा कि "भारत ने सदैव सीमित संसाधनों में भी अद्भुत वैज्ञानिक उपलब्धियाँ हासिल की हैं।" विधायक योगेश शुक्ला ने कहा कि "विज्ञान सोचने, सवाल करने और आगे बढ़ने की कला है।" डॉ0 मृदुल शुक्ला ने कहा कि विज्ञान दल भारतीय जीवनशैली में निहित वैज्ञानिक दृष्टिकोण को जन-जन तक पहुँचा रहा है।" प्रो0 दुर्गेश मणि त्रिपाठी ने अपने भाषण में कहा कि "विज्ञान और संस्कृति का संगम ही भारत की असली शक्ति है।" समापन अवसर पर सभी वक्ताओं ने युवा पीढ़ी से आह्वान किया कि वे विज्ञान को रोजगार नहीं, नवाचार का माध्यम बनाएं, जिससे भारत आत्मनिर्भर और प्रगतिशील बन सके।

असलहाधारी बदमाशों ने की कार सवार डांसरों से लूट लाखों के जेवर लूट कर बदमाश हुए फरार इलाके में फैली सनसनी

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

सीतापुर जनपद सीतापुर के सदरपुर थाना क्षेत्र में रविवार रात नृत्य कार्यक्रम में जा रही महिलाओं के साथ हुई रोड होल्डअप कर लूट की घटना से पूरे इलाके में सनसनी फैल गई असलहाधारी 4 बदमाशों ने कार सवार डांसरों का रास्ता रोककर सोने के जेवरात लूट लिए। बताया जा रहा है कि लूटे गए जेवरों की कीमत करीब पांच लाख रुपए से अधिक है हालांकि पुलिस अभी गहनों की लूट से इनकार कर रही है घटना सदरपुर थाना क्षेत्र के रूसहड़ गांव मार्ग पर हुई जानकारी के अनुसार, सरैया के बृजवासी मंडी क्षेत्र की चार नृतकी महिलाएं रविवार देर शाम एक कार से रूसहड़ गांव में आयोजित नृत्य कार्यक्रम में जा रही थीं बताया जाता है कि कार्यक्रम का आयोजन सागर पुत्र रामनरेश नामक युवक ने किया था, जिसने फोन पर नर्तकियों को बुक किया और लोकेशन भेजी थी बताया जाता है कि महिलाएं जब लोकेशन के अनुसार नहर पटरी मार्ग पर पहुंचीं, तो सड़क पर एक पेड़ की डाल पड़ी देखकर चालक ने कार रोक दी इसी बीच झाड़ियों में छिपे चार नकाबपोश बदमाश अचानक बाहर आए और असलहे के बल पर महिलाओं को धमकाते हुए उनसे सोने-चांदी के आभूषण लूट लिए वारदात को अंजाम देने के बाद बदमाश फरार हो गए घटना के बाद महिलाओं ने शोर मचाया तो आसपास के ग्रामीण मौके पर पहुंचे और पुलिस को सूचना दी खबर मिलते ही सदरपुर थाना पुलिस व क्षेत्राधिकारी महमूदाबाद घटनास्थल पर पहुंचे और जांच शुरू की पुलिस ने पूरे क्षेत्र की नाकाबंदी कर बदमाशों की तलाश शुरू कर दी है। सीओ महमूदाबाद वेद प्रकाश ने बताया कि पीड़िताओं के बयान दर्ज कर जांच पड़ताल की जा रही है गहनों के लूट की घटना की जांच की जा रही है घटना के खुलासे के लिए पुलिस की कई टीमें गठित की गई हैं इस वारदात से क्षेत्र में दहशत और आक्रोश का माहौल है!!

रेलवे लाइन पर मिला किशोरी का शव इलाके में मचा हड़कंप पुलिस जांच में जुटी, ट्रेन की चपेट में आने से मौत की आशंका

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

सीतापुर जनपद सीतापुर के सिधौली थाना क्षेत्र में उस समय हड़कंप मच गया जब रेलवे लाइन पर एक 17 वर्षीय किशोरी का शव मिला बताया जा रहा है कि किशोरी ट्रेन की चपेट में आने से मौके पर ही मौत हो गई घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस मौके पर पहुंची और जांच पड़ताल शुरू कर दी मृतका की पहचान परवीन बानो पुत्री अलीमुद्दीन निवासी ग्राम गोधना थाना अटरिया के रूप में हुई है। जानकारी के अनुसार, सोमवार की दोपहर करीब 1 बजे सिधौली क्षेत्र के मनवा हॉल्ट रेलवे ट्रैक के समीप खंभा नंबर 46/8 के पास एक युवती का शव पड़ा मिला आसपास मौजूद लोगों ने इसकी सूचना पुलिस को दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर जांच शुरू की बताया जा रहा है कि किशोरी किसी कारणवश ट्रेन की चपेट में आ गई, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई सूचना पाकर घटना स्थल पर परिजन भी पहुंचे और बेटी का शव देख परिजनों में कोहराम मच गया। पुलिस ने शव को कीट बैग में रखवाकर पोस्टमार्टम के लिए जिला मुख्यालय भेज दिया है फिलहाल पुलिस ने घटना को संदिग्ध मानते हुए जांच शुरू कर दी है स्थानीय लोगों का कहना है कि किशोरी किसी वजह से घर से बाहर निकली थी, लेकिन कैसे ट्रेन की चपेट में आई यह स्पष्ट नहीं हो सका है पुलिस सभी पहलुओं पर जांच कर रही है। प्रभारी निरीक्षक सिधौली के अनुसार, पंचायतनामा की कार्रवाई पूरी कर शव को पोस्टमार्टम हाउस भेज दिया गया है पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के वास्तविक कारणों का पता चल सकेगा!!

बिहार का 2025 विधानसभा चुनाव राजनीतिक अस्थिरता

बिहार का 2025 विधानसभा चुनाव राजनीतिक अस्थिरता, नए सिरे से बने गठबंधनों, और युवा बनाम अनुभवी नेतृत्व के बीच सीधे मुकाबले के कारण भारतीय राजनीति में एक महत्वपूर्ण मोड़ बन चुका है। यह चुनाव न केवल राज्य के शासन की दिशा तय करेगा, बल्कि राष्ट्रीय स्तर पर भी राजनीतिक समीकरणों को प्रभावित करने की क्षमता रखता है। इस बार का चुनावी परिदृश्य पिछले चुनावों से कई मायनों में अलग है, खासकर मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के बार-बार पाला बदलने ने इस जंग को और भी दिलचस्प बना दिया है। यह चुनाव मुख्यमंत्री नीतीश कुमार का राजनीतिक भविष्य भी तै करेगा। बिहार की राजनीति हमेशा से ही गठबंधनों के टूटने और बनने के लिए जानी जाती है, लेकिन 2025 के चुनाव से पहले का घटनाक्रम अभूतपूर्व रहा।जनवरी 2024 में, जनता दल (यूनाइटेड) के नीतीश कुमार ने राष्ट्रीय जनता दल (आरजेडी) के नेतृत्व वाले महागठबंधन को छोड़कर नौवीं बार मुख्यमंत्री पद की शपथ ली और एक बार फिर भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) के साथ मिलकर सरकार बनाई। इस बार एनडीए में प्रमुख रूप से बीजेपी, जदयू और जीतन राम मांझी की हिंदुस्तानी आवाम मोर्चा (एचएएम) शामिल हैं। एनडीए गठबंधन विकास और सुशासन के पुराने एजेंडे पर भरोसा कर रहा है, साथ ही प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का राष्ट्रीय चेहरा एक बड़ा फैक्टर है। हालांकि, नीतीश कुमार के दल-बदल से उपजी विश्वसनीयता का संकट एनडीए के लिए एक चुनौती है। सीट बंटवारे को लेकर कुछ छोटे सहयोगियों में असंतोष की खबरें और मगध जैसे कुछ क्षेत्रों में पिछले चुनाव में एनडीए का कमजोर प्रदर्शन इस गठबंधन के लिए चिंता का विषय है। नीतीश कुमार के एनडीए में लौटने के बाद, राष्ट्रीय जनता दल (आरजेडी) के युवा नेता तेजस्वी यादव महागठबंधन के एकमात्र और निर्विवाद नेता बन गए हैं। इस गठबंधन में आरजेडी, कांग्रेस, और वाम दल (CPI, CPI-ML) शामिल हैं। महागठबंधन का मुख्य फोकस तेजस्वी यादव के "रोजगार और विकास" के वादे पर है। तेजस्वी, अपने पिता लालू प्रसाद यादव के सामाजिक न्याय के आधार को आर्थिक न्याय के साथ जोड़कर एक नया राजनीतिक विमर्श बनाने की कोशिश कर रहे हैं। तेजस्वी यादव खुद को परिवर्तनकारी नेता के रूप में पेश कर रहे हैं, जो 'डबल इंजन' सरकार की कथित विफलता और पुराने जंगलराज के आरोपों का मुकाबला 'युवा और विजनरी' नेता की छवि से कर रहे हैं। बिहार की राजनीति में जातिगत समीकरण हमेशा से ही निर्णायक रहे हैं। इस चुनाव में भी '4 C' (कास्ट, कैंडिडेट, कैश और कोऑर्डिनेशन) फैक्टर महत्वपूर्ण साबित हो सकते हैं। जीतन राम मांझी (HAM) और मुकेश सहनी की विकासशील इंसान पार्टी (VIP) जैसे छोटे क्षेत्रीय दल, जो क्रमशः मुसहर और अत्यंत पिछड़ा वर्ग (EBC) के मतदाताओं पर प्रभाव रखते हैं, निर्णायक साबित हो सकते हैं। ड्डुक जो अब महागठबंधन में है, मिथिलांचल क्षेत्र में अपनी मजबूत पकड़ के कारण गठबंधन को मजबूती दे सकता है। यादव-मुस्लिम (MY) समीकरण ऋड्डइ का पारंपरिक आधार है, जबकि NDA कुर्मी-कोइरी के साथ मिलकर अगड़ी जातियों और दलितों के एक हिस्से को साधने की कोशिश कर रहा है। यह चुनाव केवल गठबंधन की राजनीति तक सीमित नहीं है, बल्कि यह जनहित के मुद्दों पर भी लड़ा जा रहा है। तेजस्वी यादव ने 10 लाख सरकारी नौकरियों का अपना पुराना वादा दोहराया है, जो राज्य के युवा मतदाताओं के बीच एक बड़ा चुनावी मुद्दा है। एनडीए 'जंगलराज' के आरोपों को फिर से हवा दे रहा है, लेकिन तेजस्वी यादव ने इस बार इसे 'डबल जंगलराज' कहकर पलटवार किया है। वे मौजूदा NDA सरकार पर कानून व्यवस्था बनाए रखने में विफल रहने का आरोप लगाया है। दोनों गठबंधन राज्य में शिक्षा, स्वास्थ्य और बुनियादी ढांचे के विकास पर अपने-अपने दावों के साथ मतदाताओं को लुभाने की कोशिश कर रहे हैं। शुरुआती सर्वे (2025 की शुरुआत में) NDA को बढ़त दिखाते रहे हैं, लेकिन तेजस्वी की ताबड़तोड़ रैलियों और महागठबंधन के जमीनी प्रचार ने मुकाबला काँटे की टक्कर में बदल दिया है। बिहार का चुनावी परिणाम बहुत हद तक काँटे की टक्कर में फंसा हुआ दिखता है, जहाँ जीत-हार का फैसला कुछ ही सौ वोटों के अंतर से हो सकता है (जैसा कि 2020 में हिल्सा जैसी सीटों पर हुआ था)।

तेजस्वी यादव के लिए यह चुनाव उनकी राजनीतिक परिपक्वता और नेतृत्व की क्षमता की सबसे बड़ी परीक्षा है। तो यह चुनाव नीतीश कुमार की राजनीतिक विरासत पर एक जनमत संग्रह भी होगा, जिनके बार-बार पाला बदलने की आलोचना हो रही है। एनडीए के भीतर, यह भाजपा की ताकत को भी परखेगा कि क्या वह अपने सहयोगियों पर निर्भरता कम करके खुद को राज्य की सबसे बड़ी पार्टी के रूप में स्थापित कर सकती है। इस बार के चुनाव में पहली बार 'जन सुराज पार्टी ' नामक एक नया राजनैतिक दल भी बिहार की राजनीति में अपनी ज़ोरदार उपस्थिति दर्ज करा रहा है।'जन सुराज पार्टी ' जैसे किसी नवगठित दल द्वारा अपने पहले ही चुनाव में राज्य की सभी 243 सीटों पर अपने उम्मीदवार खड़े करना ही अपने आप में बड़ी उपलब्धि है। बड़ी बात यह है कि इस पार्टी के लगभग सभी उम्मीदवार शिक्षित,बुद्धिजीवी,पूर्व नौकर शाह,पूर्व आई ए एस,आई पी एस,वैज्ञानिक,गणितज्ञ तथा शिक्षाविद हैं जबकि चुनाव मैदान में कूदे अन्य पारंपरिक राष्ट्रीय व क्षेत्रीय राजनैतिक दलों के उम्मीदवारों की शिक्षा,उनके आचरण, चरित्र व योग्यता के विषय में कुछ अधिक बताने की ज़रुरत ही नहीं। बहरहाल इस नये नवेले राजनैतिक दल 'जन सुराज पार्टी ' के संस्थापक व अकेले रणनीतिकार व स्टार प्रचारक वही प्रशांत किशोर हैं, जो नरेंद्र मोदी व भाजपा से लेकर देश के अधिकांश राजनैतिक दलों व नेताओं के लिये एक पेशेवर के रूप में चुनावी रणनीति तैयार करने के बारे में जाने जाते हैं। देश के विभिन्न राजनैतिक दलों को अपनी रणनीति का लोहा मनवाने के बाद मूल रूप से बिहार के ही रहने वाले प्रशांत किशोर ने अपनी योग्यता का प्रयोग सर्वप्रथम अपने ही राज्य के विकास के लिये करने का निर्णय लिया और 2022 में बिहार की जनता को जागरूक करने व उन्हें उनकी व पूरे राज्य की बदहाली के मूल कारणों से अवगत कराने के मक़सद से बिहार में 'जन सुराज अभियान' चलने की घोषणा की। इस घोषणा के बाद ही उन्होंने राज्य में लगभग 3,000 किलोमीटर की पदयात्रा भी की। देखना है कि बिहार की राजनीति में यह कितना परिवर्तन लाने में सफल होते हैं। संक्षेप में, बिहार 2025 का चुनाव स्थिरता बनाम परिवर्तन, अनुभव बनाम युवा ऊर्जा, और पुराने जातिगत आधार बनाम नए आर्थिक विमर्श के बीच का संघर्ष है। मतगणना के दिन तक, राज्य की 243 सीटों पर अनिश्चितता का माहौल बना रहेगा।

अशोक मधुप

श्रम से ही जीवन सार्थक एवं सफल सफलता का भावार्थ धन दौलत संग्रहण नहीं

ऋषि मुनियों ने कहा है श्रम से ही जीवन सार्थक होता है श्रम मनोबल संयम और तब जीवन के तत्व गुण हैं और इन्हीं से मनुष्य को मनुष्य होने का गौरव प्राप्त होता है। सफलता रातों रात नहीं मिलती,जो सफलता भाग्य से मिलती है वह जल्द ख़त्म भी हो सकती है। इसिलए निरंतर मेहनत,श्रम करने आदत होनी चाहिए,साथ में यदि उच्च मनोबल हो तो सोने पे सोहागा होती है,और इससे प्राप्त सफलता स्थाई और चिरंतर होती है,जीवन में अच्छे लक्ष्य को लेकर की गई मेहनत सार्थक होती है और कभी व्यर्थ जाया नहीं होती है। और और सफलता का भावार्थ धन संग्रहण अथवा दौलत प्राप्ति ही कभी नहीं हो सकती।सफलता का सदैव तात्पर्य एक अच्छा और संवेदनशील मनुष्य का होना ही है। वर्तमान के आपाधापी एवं कठिन जीवन शैली में हर व्यक्ति चाहता है कि उसे प्राथमिकता मिले और उसके सब कार्य तत्काल पूर्ण हो जाए। भारत की जनसंख्या के हिसाब से हर स्थान, हर जगह जबरदस्त प्रतियोगिता का वातावरण निर्मित हो चुका है। एक काम के लिए हजारों लोग लाइन में लगे हुए हैं, मूलत किसी पद को पाने के लिए इतनी ज्यादा प्रतियोगिता एवं प्रतिस्पर्धा है कि साधारण कद काठी एवं सामान्य व्यक्तित्व का व्यक्ति भीड़ में कहीं खो जाता है अपने निर्धारित लक्ष्य को प्राप्त करने से वंचित रह जाता है।असफलता के कारण मानसिक दबाव जिंदगी भर रहने लगता है, ऐसे व्यक्तित्व विकास मनुष्य के जीवन में एक कड़ी और चुनौतीपूर्ण जीवन रेखा है।

एसे में व्यक्ति को शानदार व्यक्तित्व बनाने के लिए बड़ी मेहनत एवं कठिन तपस्या की आवश्यकता होती है। तभी वह इस प्रतिस्पर्धात्मक जीवन शैली में अपने आप को सही और सटीक स्थापित कर पाता है। व्यक्तित्व विकास के साथ मनुष्य अपना जीवन दूसरों की तुलना में बेहतर तरीके से गुजार पाता है, ऐसे में लोगों एवं आप के संपर्क में आने वाले व्यक्तियों के मन में आपके प्रति सकारात्मक एवं अच्छे विचार आते हैं। आपका प्रभाव भी लोगों पर आपकी कार्यप्रणाली पर अच्छा होने लगता है। अच्छे व्यक्तित्व का मालिक अपने प्रतिदिन के काम में सर्वश्रेष्ठ ऊर्जा तथा शक्ति प्रदान कर पाता है और धीरे-धीरे वह लोगों से अलग दिखाई देने लगता है, आमजन उससे जुड़ना चाहते है, और आपकी तरह बनने के सपने देखने लगते हैं।

वर्तमान समय में शायद ऐसा ही कोई व्यक्ति होगा जो शानदार व्यक्तित्व का धनी एवं मालिक ना बनना चाहता होगा। यदि आपकी पर्सनैलिटी याने व्यक्तित्व साधारण एवं निम्न स्तर का है, तो आपको अपने व्यक्तित्व को निखारना ही होगा, तब जाकर आप किसी अच्छे पद,व्यवसाय किसी महान लक्ष्य को संचालित कर सकते ह। ऐसे में आप यदि नकारात्मक सोच के व्यक्ति हैं तो आपको अपने व्यक्तित्व निर्माण में काफी कठिनाई का सामना करना पड़ सकता है,। नकारात्मक सोच के व्यक्ति को हमेशा कार्यों में परेशानियों का सामना करना पड़ता है, और उसे इन्हीं परेशानियों का निदान भी सूझता नहीं है,पर जिनका का सकारात्मक रवैया होता है,उन्हें हर कठिनाई, परेशानी में निदान के उपाय एवं तरीके अपने सूझ बुझ से निकालने का फार्मूला मालूम होता है, ऐसे व्यक्तियों का काम कभी रुकता नहीं और वे निर्बाध गति से आगे बढ़ते जाते हैं। यह सर्वविदित सत्य है की आपका संव्यवहार आपके व्यक्तित्व का दर्पण होता है। हर कार्य के संचालन संपादन में आपके व्यक्तित्व की परछाई स्पष्ट परिलक्षित होती है, आपका व्यवहार आपके चरित्र तथा स्वभाव के बारे में सब कुछ बता देता है, और उसका इसका बड़ा व्यापक प्रभाव भी दृष्टिगोचर होता है, व्यक्तित्व विकास न सिर्फ आपकी निजी जिंदगी में प्रभाव डालता है वरन आपकी व्यवसाय और लक्ष्य में भी सकारात्मक एवं प्रभावकारी होता है।

जब आप एक अच्छे व्यक्तित्व और सकारात्मक विचार वान व्यक्ति होते हैं तो आप काफी उत्साही एवं आत्मविश्वास से भरपूर भी हो सकते हैं, और आत्मविश्वास से परिपूर्ण व्यक्ति जिंदगी में हर मुश्किल को पार कर एक सफल व्यक्तित्व का धनी हो जाता है। उसे हर जगह सफलता ही सफलता प्राप्त होती है। सफल व्यक्तित्व बनाने के लिए आप अपने व्यवहार को अत्यंत नम्र, शालीन और आत्मविश्वास से भरा ही रखें, किसी भी व्यक्ति से चाहे छोटा हो बड़ा हो अमीर हो गरीब हो मिलते समय उसका यथा योग्य अभिवादन शिष्टाचार पूर्वक अवश्य करें।

इससे आपकी पहुंच एवं प्रभाव का दायरा विस्तृत होने लगेगा, सफलता ही सफलता से आप आगे बढ़ने लगेंगे, किसी भी व्यक्ति से अशिष्टतापूर्वक व्यवहार न करें ,आपको यदि यह महसूस होता है कि सामने वाला कुछ गलती पर है या गलत कार्य कर रहा है तो उस पर नाराज ही जाए ना कर उसे बड़े ठंडे दिमाग से समझाई दीजिए, इससे आपका प्रभाव गलत ना होकर शानदार होने लगेगा। प्रभावशाली व्यक्तित्व के निर्माण में समय की प्रतिबद्धता एवं समय पर कार्य करने की अदम्य लालसा का बड़ा महत्व है। यदि आप सही समय पर सही कार्य करेंगे एवं अपने संपूर्ण कार्य समय पर प्रतिपादित करने की आदत डालेंगे, तो कार्यो की सफलता की एक तरह से संपूर्णता दिखाई देने लगती है यदि कहीं मीटिंग या किसी व्यक्ति को अपने समय दिया है तो आप वहां समय पर ही पहुंच कर मीटिंग का संपादन करें, आज के युग में किसी को किसी का इंतजार करना पसंद नहीं आता ह। ऐसे में काम की सफलता की

गुंजाइश कम हो जाती है। और किसी को किसी भी कार्य के लिए इंतजार करवाना अच्छे व्यक्तित्व के निर्माण के प्रतिकूल प्रभाव डालता है,। यदि आप नौकरी में हैं,व्यवसाय में हैं या जन प्रतिनिधि हैं, तो लोगों की बातें सुनने का आप में पर्याप्त संयम भी होना चाहिए, यदि आप किसी व्यक्ति की बातें धैर्य पूर्वक सुनते हैं तो उसे आपका व्यक्तित्व प्रभावशाली लगता है एवं कार्य की सफलता में संदेह नहीं रह जाता7 अनावश्यक किसी भी व्यक्ति से बिना उसकी बात सुने समझे बहस करने की थोड़ी भी गुंजाइश ना रखें, अन्यथा कार्य विपरीत स्वरूप भी ले सकता है7सामने वाला व्यक्ति यदि सचमुच गलत है तो ही अपनी बात आप रखें या बोले, इसमें महत्वपूर्ण बिंदु यह है कि आप अपनी शक्ति एवं दुर्बलताओं को अच्छे से पहचाने और जाने7 आपको जब अपनी शक्ति और क्षमता का पता होगा तो आप उस कार्य को अच्छे से कर पाएंगे एवं इससे आपके आत्मविश्वास में भी वृद्धि होगी, और अपनी कमजोरियों को सफलता के पीछे सुधार करने में सफल भी होंगे। आप प्रयास करें कि हमेशा मुस्कुराहट आपके चेहरे पर हो एवं आपका चेहरा चिड़चिड़ा या परेशान ना दिखाई दे, क्योंकि यह नकारात्मक ऊर्जा का एक बड़ा प्रतीक है।यह सफलता में कठिनाई पैदा करने वाला कारक माना जाता है। मुस्कुराते हुए चेहरे से लोग प्रसन्न होकर उसकी बात सुनना चाहेंगे और यही एक ऐसा तत्व है जो आपके आत्मविश्वास को कई गुना बढ़ा देगा और आपकी सफलता में कोई गुंजाइश नहीं रह जाएगी। मुस्कुराते हुए चेहरे के आचरण को लोग ज्यादा पसंद करते हैं अपना मित्र भी बनाना चाहेंगे।, आप जो भी कार्य करते हैं पढ़ते हैं नौकरी करते हैं, व्यवसाय या समाज सेवा करते हैं, उसके संबंध में आपके पास गहरी और संपूर्ण जानकारी होना चाहिए। अधूरा ज्ञान बहुत ही खतरनाक और असमंजस निर्माण करने वाला होता है और कार्य की सफलता में संदेह भी पैदा करता है।

क्योंकि अधूरी जानकारी आपके काम करने की प्रणाली पर सवालिया निशान लगा देती है इसमें आप फिर जवाब देने की स्थिति में भी नहीं रह पाएंगे7 अधूरा ज्ञान नकारात्मक होकर आपके आत्मविश्वास को भी डगमगा देता है आप फिर उस कार्य को करने में डरने लगेगे इसलिए किसी कार्य को करने के पूर्व उसके प्रति अच्छी जानकारी सम्यक रूप से होमवर्क की तरह कर ले। और सदैव कार्यों की प्राथमिकता तैयार रखें आसान एवं सरल कार्य पहले संपादित करें, जिससे आपके आत्मविश्वास में वृद्धि हो सके फिर काम के लिए आप अपनी तैयारियां पूर्ण कर सकेंगे, आपका आसान काम करने के बाद का आत्मविश्वास आपको कठिन कार्य करने के लिए उत्प्रेरित करेगा और कठिन कार्य करने में आप आसानी एवं सरलता महसूस करने लगेंगे। किसी भी कार्य को करने से पहले बिल्कुल भी किंचित मात्र भयभीत ना हो क्योंकि डर के कारण कई काम स्वतः बिगड़ जाते हैं।, अतः काम करने से पूर्व निडर होकर कार्य करें क्योंकि गलतियां तो इंसान से ही होती हैं, और जो ज्यादा काम करता है उससे ज्यादा गलती की संभावना होती है ।

ऐसे में किसी भी तरह के डर या चिंता से मुक्त रहकर अपने कार्य को निष्पादित करें, सफलता आपकी पर्सनालिटी को देखते हुए आपके सामने होगी। शानदार व्यक्तित्व के विकास में समय का उपयोग और अनुप्रयोग अत्यंत महत्वपूर्ण है। यदि आप समय का सदुपयोग अच्छे से करते हैं तो आधी सफलता आपके सामने होती है। संपूर्ण आत्मविश्वास के साथ इस कार्य को किस समय करना है, यह आपके समझ में जल्दी आ जाता है तो आपका सफलता का ग्राफ बहुत जल्दी ऊपर की ओर जाने लगेगा, क्योंकि समय की कीमत जो व्यक्ति जानता है समय उसकी इज्जत करता है। और उसे सफलता की सीढ़ियां चढ़ने से कोई रोक नहीं सकता, समय का अनुशासन सबसे बड़ा सबक है, काम को सही समय में करना एक तरह की बड़ी ईमानदारी मानी जाती है।

यदि आप समय के प्रति प्रतिबद्ध हैं एवं ईमानदारी से कार्य करने की हिमायती हैं तो आपको सफल व्यक्तित्व की श्रेणी में लाने से कोई रोक नहीं सकता,इसी तरह अप एक अच्छे राष्ट्र के निर्माण में योगदान भी कर सकते हैं,अच्छे व्यकितत्व के निर्माण से ही शक्तिशाली,विकसित राष्ट्र का निर्माण किया जासकता है,अपने व्यक्तिव्य के निर्माण के साथ शिक्षित संस्कारी देश को सर्वोपरि मान कर राष्ट्रिय हित में सर्वस्व त्यागना होगा, तब जाकर एक महँ राष्ट्र की नीव राखी जासकती है।

संजीव ठाकुर

संपादकीय

एनिमेशनः वह भाषा जो दिल से बोलती है

चित्रों में जीवन, रेखाओं में भावनाएँ: एनिमेशन का जादू
हर फ्रेम में एक दुनिया, हर रंग में एक कहानी

जब रंगों की लहरें स्क्रीन पर थिरकती हैं और सपनों की दुनिया सजीव हो उठती है, तब जन्म लेता है एनिमेशन का वह जादू, जो समय और स्थान की सारी सीमाएँ लाँघ जाता है। यह केवल चित्रों की गति नहीं, बल्कि भावनाओं, संस्कृतियों और मानवीय संवेदनाओं का एक ऐसा संगम है, जो बच्चों से लेकर बड़ों तक को मंत्रमुग्ध कर देता है। हर साल 28 अक्टूबर को विश्व एनिमेशन दिवस के रूप में मनाया जाता है, जो इस कला के प्रति जुनून, रचनात्मकता और सम्मान को उजागर करता है। 1892 में एमिल रेनॉड के थिएटर ऑप्टिक के पहले प्रदर्शन की याद में शुरू हुआ यह दिन, उस ऐतिहासिक क्षण को जीवंत करता है, जब गतिमान चित्रों ने दर्शकों को एक नई दुनिया की सैर कराई। यह कहानी 28 अक्टूबर 1892 से शुरू होती है, जब फ्रांसीसी आविष्कारक एमिल रेनॉड ने पेरिस के ग्रेविन म्यूजियम में अपनी रचना "पोव्र पियेरो"C को थिएटर ऑप्टिक के जरिए दुनिया के सामने पेश किया। यह विश्व का पहला एनिमेटेड फिल्म प्रदर्शन था, जिसने चलचित्रों के युग से पहले ही एनिमेशन को एक स्वतंत्र कला के रूप में स्थापित कर दिया। रेनॉड का यह नवाचार केवल तकनीक की जीत नहीं था, बल्कि मानव कल्पना की उड़ान थी, जिसने कागज की रेखाओं को जीवंत कर दिखाया। 20वीं सदी में एनिमेशन ने नई ऊँचाइयों को छुआ–1914 में विंसोर मैके की "गर्टी द डायनासॉर" ने कहानी कहने का नया आयाम जोड़ा, तो 1928 में वॉल्ट डिज़्नी की "स्टीमबोट विली" ने मिकी माउस के साथ ध्वनि युक्त एनिमेशन की शुरुआत की। इन मील के पत्थरों ने एनिमेशन को वैश्विक मंच पर एक प्रभावशाली माध्यम बनाया। 2002 में इंटरनेशनल एनिमेशन फिल्म एसोसिएशन (एएसआईएफए) द्वारा शुरू किया गया विश्व एनिमेशन दिवस, इस कला को बढ़ावा देने और इसके रचनाकारों को सम्मान देने का एक मंच है। यह दिन केवल एनिमेटर्स के लिए नहीं, बल्कि हर उस शख्स के लिए खास है, जो इस जादुई दुनिया से प्रेरित होता है। एनिमेशन केवल बच्चों का मनोरंजन नहीं; यह एक ऐसा माध्यम है, जो जटिल सामाजिक मुद्दों को सरलता और संवेदनशीलता से व्यक्त करता है। जापान की स्टूडियो घिबली की फिल्में, जैसे "स्पिरिटेड अवे" और "ग्रेव ऑफ़ द फायरफ्लाइज", युद्ध, पर्यावरण और मानवीय रिश्तों जैसे गंभीर विषयों को गहराई से पेश करती हैं। ये रचनाएँ न केवल मनोरंजन करती हैं, बल्कि दर्शकों को गहरे चिंतन के लिए प्रेरित भी करती हैं। एनिमेशन की दुनिया रंगों, रूपों और कल्पना का एक अनूठा उत्सव है। पारंपरिक 2-डी एनिमेशन, जैसे डिज़्नी की कालजयी कृति "स्नो व्हाइट एंड द सेवन ड्वार्फ़्स", ने इस कला को जन-जन तक पहुँचाया। फिर 1995 में पिक्सर की "टॉय स्टोरी" ने 3-डी एनिमेशन का युग शुरू किया, जो पहली पूर्ण 3-डी फिल्म के रूप में इतिहास रच गई। स्टॉप-मोशन की जादुई दुनिया, जैसे "वॉलेस एंड ग्रोमिट", ने मूर्तियों और मॉडल्स के जरिए अनोखा आकर्षण बिखेरा। आज, मोशन ग्राफिक्स और विजुअल इफेक्ट्स (वीएफएक्स) ने विज्ञापन, सिनेमा और गेमिंग में क्रांति ला दी है। भारत में "बाहुबली" और "आरआरआर" जैसी फिल्मों में वीएफएक्स का शानदार उपयोग इसकी ताकत का प्रतीक है। साथ ही, जापानी एनीमे और भारतीय एनिमेशन जैसे "छोटा भीम" ने सांस्कृतिक पहचान को वैश्विक मंच पर चमकाया, जो इस कला की असीम संभावनाओं को उजागर करता है। भारत में एनिमेशन उद्योग तेजी से उभर रहा है, लेकिन इसे और पंख लगाने की जरूरत है। "छोटा भीम", "मोटू-पतलू" और "हनुमान" जैसे शो ने भारतीय बच्चों के दिलों में जगह बनाई, मगर वैश्विक मंच पर भारतीय एनिमेशन की पहचान अभी उभर रही है। भारतीय स्टूडियो, जैसे टून बूम और माया एंटरटेनमेंट, ने "द लायन किंग" और "एवेंजर्स" जैसे हॉलीवुड प्रोजेक्ट्स में अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाया है। यह भारतीय रचनात्मकता की ताकत का सबूत है। फिर भी, शिक्षा, प्रशिक्षण और स्वतंत्र रचनाकारों को प्रोत्साहन के जरिए भारतीय एनिमेशन नई ऊँचाइयों को छू सकता है, जो वैश्विक स्तर पर देश की कहानियों को गूँजने का अवसर देगा। एनिमेशन केवल मनोरंजन नहीं, बल्कि सामाजिक बदलाव का एक सशक्त माध्यम है। "जूटोपिया" जैसी फिल्में नस्लवाद और भेदभाव जैसे जटिल मुद्दों को बच्चों के लिए सरल और प्रभावशाली ढंग से प्रस्तुत करती हैं। "कोको" और "मोआना" सांस्कृतिक विविधता का उत्सव मनाती हैं, तो "प्रिंसेस मोनोनोके"

पर्यावरण संरक्षण का गहरा संदेश देती है। भारत में, "छोटा भीम" जैसे एनिमेटेड शो बच्चों को नैतिक मूल्य और सांस्कृतिक गौरव सिखाते हैं, जो समाज को जोड़ने और प्रेरित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। यह कला न केवल मन को छूती है, बल्कि दिलों को बदलने की ताकत रखती है। एनिमेशन का भविष्य तकनीकी नवाचारों के साथ और भी चमकदार है। कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) और मशीन लर्निंग ने रचनात्मक प्रक्रिया को तीव्र और सुलभ बनाया है।

एआई-आधारित टूल्स, जैसे ऑटोमेटेड रेंडरिंग और रोटोस्कोपिंग, ने लागत घटाकर छोटे स्टूडियो और स्वतंत्र रचनाकारों के लिए नए द्वार खोले हैं। वर्चुअल रियलिटी (वीआर) और ऑगमेंटेड रियलिटी (एआर) ने एनिमेशन को इंटरैक्टिव बनाया, जहाँ दर्शक कहानी का हिस्सा बन जाते हैं। वीआर-आधारित अनुभव गेमिंग और शिक्षा में क्रांति ला रहे हैं, जबकि ओपन-सोर्स सॉफ्टवेयर जैसे ब्लेंडर ने रचनात्मकता को लोकतांत्रिक बनाया, जिससे हर कोई अपनी कहानी को स्क्रीन पर जीवंत कर सकता है। 28 अक्टूबर का विश्व एनिमेशन दिवस उस जादुई शक्ति का उत्सव है, जो सपनों को हकीकत में बदलती है। यह उन अनगिनत एनिमेटर्स, लेखकों और तकनीशियनों को श्रद्धांजलि है, जिनकी रचनाएँ हमें हँसाती, रुलाती और प्रेरित करती हैं। यह दिन हमें याद दिलाता है कि एनिमेशन केवल मनोरंजन नहीं, बल्कि एक ऐसी ताकत है जो समाज को जोड़ती और बदलती है। इस दिन रंगों और रेखाओं के उस जादू को सेलिब्रेट करें, जो हमें नई दुनियाओं की सैर कराता है। क्योंकि, जैसा कि एनिमेशन सिखाता है–सपने तब तक असंभव नहीं, जब तक आप उन्हें साकार करने की हिम्मत रखते हैं।

प्रो. आरके जैन

भारत में बेरोज़गारी का बढ़ता संकट

भारत में बेरोज़गारी आज के समय की सबसे गंभीर सामाजिक-आर्थिक समस्याओं में से एक है। यह समस्या न केवल आर्थिक विकास की गति को प्रभावित करती है, बल्कि समाज की स्थिरता, युवाओं के भविष्य और मानसिक स्वास्थ्य पर भी गहरा असर डालती है। बेरोज़गारी का अर्थ केवल नौकरी का न मिलना नहीं है, बल्कि उस व्यवस्था की विफलता भी है, जो देश के कार्यशील जनसंख्या को उपयोग में नहीं ला पा रही। एक ओर भारत विश्व की सबसे बड़ी युवा आबादी वाला देश है, तो दूसरी ओर यही युवा वर्ग रोजगार के अवसरों की कमी से सबसे अधिक प्रभावित है। राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय और आवधिक श्रम बल सर्वेक्षण (PLFS) की 2025 की रिपोर्ट के अनुसार भारत में कुल बेरोज़गारी दर लगभग 5.1% के आसपास है। ग्रामीण क्षेत्रों में यह दर 4.5% है, जबकि शहरी क्षेत्रों में यह 6.5% तक पहुँच जाती है। युवा वर्ग, विशेष रूप से 15 से 29 वर्ष के बीच के युवाओं में बेरोज़गारी दर लगभग 13.8% है, जिसमें महिलाओं की दर पुरुषों से थोड़ी अधिक है। महिलाओं के लिए यह आंकड़ा 14.4% है जबकि पुरुषों के लिए 13.6%। इन आंकड़ों से यह स्पष्ट होता है कि बेरोज़गारी अब भी भारत की अर्थव्यवस्था के लिए बड़ी चुनौती है, विशेषकर तब जब देश को विश्व की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की दिशा में तेजी से आगे बढ़ना चाहिए था। भारत में बेरोज़गारी के पीछे अनेक कारण हैं, जिनमें सबसे प्रमुख है जनसंख्या का अत्यधिक दबाव। देश की कार्यशील आयु वाली आबादी हर वर्ष करोड़ों की संख्या में श्रम बाजार में प्रवेश कर रही है, जबकि इतने बड़े पैमाने पर रोजगार के अवसर नहीं बन रहे। इस स्थिति ने प्रतिस्पर्धा को इतना तीव्र बना दिया है कि योग्य लोग भी नौकरी पाने में कठिनाई का सामना कर रहे हैं। दूसरा बड़ा कारण शिक्षा और कौशल में असंतुलन है। हमारे शिक्षा संस्थान अभी भी ऐसे पाठ्यक्रम चला रहे हैं जो औद्योगिक जरूरतों के अनुरूप नहीं हैं। विद्यार्थी डिग्री तो प्राप्त कर लेते हैं, पर उनके पास वह व्यावहारिक ज्ञान या तकनीकी दक्षता नहीं होती जिसकी मांग आधुनिक उद्योगों में है। यही कारण है कि स्नातक और परास्नातक युवाओं में बेरोज़गारी दर अपेक्षाकृत अधिक पाई जाती है। कृषि क्षेत्र में रोजगार का स्वरूप भी इस समस्या को बढ़ाता है। भारत की बड़ी आबादी अब भी कृषि पर निर्भर है, जो मौसमी और अस्थिर व्यवसाय है। फसल के बाद के महीनों में लाखों किसान और मजदूर बेरोज़गार हो जाते हैं। इसके अतिरिक्त, जलवायु परिवर्तन और मौसम की अनिश्चितता ने कृषि को और भी असुरक्षित बना दिया है। उद्योग और सेवा क्षेत्र भी उतनी तेजी से विस्तार नहीं कर पा रहे जितनी आवश्यकता है। विनिर्माण क्षेत्र में अपेक्षित वृद्धि नहीं होने से नए रोजगार सृजन की गति धीमी पड़ी है। तकनीकी प्रगति और ऑटोमेशन का प्रभाव भी इस संकट को गहरा कर रहा है। जहाँ मशीनें, रोबोटिक्स और कृत्रिम बुद्धिमत्ता पारंपरिक नौकरियों की जगह ले रही हैं, वहीं नयी पीढ़ी के पास उन तकनीकी कौशलों की कमी है जिनसे वे इन बदलते हालातों में खुद को ढाल सकें। यह ÷तकनीकी बेरोज़गारी÷ का नया रूप है, जो न केवल श्रमिक वर्ग बल्कि शिक्षित युवाओं को भी प्रभावित कर रहा है। महिलाओं के रोजगार की स्थिति भी चिंता का विषय है। यद्यपि शिक्षा के क्षेत्र में महिलाएँ लगातार आगे बढ़ रही हैं, फिर भी उनकी श्रम भागीदारी दर अब भी बहुत कम है। सामाजिक मानदंड, असुरक्षित कार्यस्थल और घरेलू जिम्मेदारियाँ उन्हें कार्यक्षेत्र से दूर रखती हैं। अप्रैल 2025 में महिलाओं की श्रम भागीदारी दर मात्र 26% थी, जबकि पुरुषों की लगभग 58%। यह अंतर न केवल लैंगिक असमानता को दर्शाता है, बल्कि राष्ट्रीय उत्पादकता के ह्रास का संकेत भी है। बेरोज़गारी के दुष्परिणाम बहुआयामी हैं। यह केवल आर्थिक हानि नहीं, बल्कि सामाजिक अस्थिरता का भी कारण है। जब युवा वर्ग रोजगार से वंचित रह जाता है, तो उसमें असंतोष, निराशा और हताशा जन्म लेती है। यह मानसिक तनाव, आत्महत्या और अपराध दर में वृद्धि का कारण बनता है। बेरोज़गारी सामाजिक असमानताओं को और गहरा करती है क्योंकि जिनके पास पूँजी और अवसर होते हैं, वे लाभान्वित होते रहते हैं, जबकि गरीब और पिछड़े वर्ग और अधिक हाशिये पर चले जाते हैं। पलायन, पारिवारिक विघटन और सामाजिक अशांति जैसी समस्याएँ इसी का परिणाम हैं। इन जटिल परिस्थितियों से निपटने के लिए बहुस्तरीय और समन्वित प्रयासों की आवश्यकता है। सबसे पहले शिक्षा और कौशल विकास को राष्ट्रीय प्राथमिकता बनाना होगा। तकनीकी शिक्षा, व्यावसायिक प्रशिक्षण और डिजिटल साक्षरता को व्यापक रूप से प्रोत्साहित करना होगा ताकि युवा बदलते रोजगार बाजार की जरूरतों के अनुरूप अपने आप को तैयार कर सकें। सरकार की "स्किल इंडिया" जैसी योजनाएँ इस दिशा में कारगर हो सकती हैं, यदि इन्हें ईमानदारी और पारदर्शिता के साथ लागू किया जाए। दूसरा महत्वपूर्ण कदम है– स्वरोजगार और उद्यमिता को बढ़ावा देना। केवल सरकारी नौकरियों पर निर्भर रहना संभव नहीं। यदि युवाओं को स्टार्टअप्स, लघु और कुटीर उद्योगों में प्रोत्साहन दिया जाए, तो वे स्वयं के साथ दूसरों के लिए भी रोजगार सृजित कर

सकते हैं। ग्रामीण क्षेत्रों में स्थानीय संसाधनों पर आधारित उद्योग, जैसे हस्तशिल्प, खाद्य प्रसंस्करण और कृषि-आधारित उद्यम, बड़ी संभावनाएँ रखते हैं। कृषि क्षेत्र में सुधार भी अत्यंत आवश्यक है। आधुनिक तकनीक, सिंचाई सुविधाएँ, फसल विविधीकरण और कृषि आधारित उद्योगों का विकास करके इस क्षेत्र को स्थायी रोजगार का स्रोत बनाया जा सकता है। साथ ही, औद्योगिक विकास को भी रोजगार-केंद्रित दृष्टिकोण से प्रोत्साहित करना होगा। विदेशी निवेश, विनिर्माण हब और नई औद्योगिक नीतियाँ तभी सार्थक होंगी जब वे रोजगार सृजन की दिशा में ठोस परिणाम दें। सरकारी रोजगार योजनाओं जैसे मनरेगा को भी और अधिक प्रभावी बनाना होगा। ग्रामीण इलाकों में यह योजना करोड़ों लोगों के लिए जीवनरेखा साबित हुई है, लेकिन इसमें पारदर्शिता और स्थायित्व का अभाव अब भी चुनौती बना हुआ है। तकनीकी बदलाव के साथ तालमेल बैठाने के लिए "री-स्किलिंग" और "अप-स्किलिंग" कार्यक्रम चलाए जाने चाहिए ताकि जो रोजगार ऑटोमेशन के कारण खत्म हो रहे हैं, उनके स्थान पर नए अवसर तैयार किए जा सकें। महिला रोजगार सशक्तिकरण इस पूरी प्रक्रिया का अभिन्न हिस्सा होना चाहिए। महिलाओं के लिए सुरक्षित और लचीले कार्यस्थल, समान वेतन और मातृत्व सुरक्षा जैसी नीतियाँ अनिवार्य हैं।

जब महिलाएँ आर्थिक रूप से सक्षम होंगी, तब न केवल उनके परिवार बल्कि पूरा समाज प्रगति करेगा। भारत में बेरोज़गारी की समस्या जटिल जरूर है, पर इसका समाधान असंभव नहीं। आवश्यकता है एक समग्र दृष्टिकोण की, जिसमें सरकार, निजी क्षेत्र, शिक्षा संस्थान और समाज सभी की सक्रिय भागीदारी हो। जब युवाओं को कौशल, अवसर और विश्वास मिलेगा, तब वे न केवल अपनी दिशा पाएँगे बल्कि देश को भी नई ऊँचाइयों तक ले जाएँगे। रोजगार केवल आय का माध्यम नहीं, बल्कि आत्मसम्मान और सामाजिक न्याय का आधार है। यदि भारत इस चुनौती को सामूहिक प्रयासों से सुलझा लेता है, तो वह न केवल आर्थिक रूप से सशक्त, बल्कि मानवीय दृष्टि से भी समृद्ध राष्ट्र बन सकता है।

महेन्द्र तिवारी

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक रवि कुमार अवस्थी द्वारा अनवर ऑफसेट एम्- 58, 59 बेसमेंट विकासदीप बिल्डिंग स्टेशन रोड लखनऊ से मुद्रित ई-4 सेक्टर-एम/29 अपोजिट उप्मान एन्क्लेव अलीगंज लखनऊ 226024 से प्रकाशित **संपादक-राजीव कुमार शुक्ल,** मो0- 7499472288
E-Mail: news@swatantraprabhat.com, RNI No: UPHIN/2019/79073 इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारो के चयन एवं संपादन हेतु पी आर बी एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। किसी भी कानूनी विवाद की स्थिति में निपटारा न्यायलय जनपद लखनऊ ही होगा।

संक्षिप्त खबरें

व्रती महिलाओं ने दिया अस्ताचलगामी सूर्य को अर्घ्य

-बथुआ रिवर फ्रंट पर रहा विहंगम दृश्य
-सुरक्षा में तैनात रहा प्रशासन

रूद्रपुर, देवरिया। सूर्य षष्ठी महापर्व पर व्रती महिलाओं ने अस्ताचलगामी सूर्य को अर्घ्य दिया। उपनगर के बथुआ रिवर फ्रंट पर विहंगम दृश्य देखा गया। समूचा प्रशासन सुरक्षा व्यवस्था में मुस्तैद रहा। वहीं नगर पंचायत के लोग व्रती महिलाओं व उपस्थित जन समुदाय की सुरक्षा में अनवरत लग रहे। अपर पुलिस अधीक्षक उत्तरी ने बथुआ रिवर फ्रंट का निरीक्षण किया। एसडीएम हरिशंकर लाल पुलिस उपाधीक्षक हरिराम यादव कोतवाल कल्याण सिंह सागर सहित राजस्व विभाग के कर्मचारी चिकित्सा विभाग व नगर पंचायत अध्यक्ष सुधा निगम उनके प्रतिनिधि छट्ठे लाल निगम सहित समस्त सभासद व कर्मचारी लोगों को सुरक्षात्मक दिशा निर्देश देने में व्यस्त रहे। छठ घाट पर महिलाओं के पहुंचने के बाद जैसे लगा सड़के सूनी हो गई। पुलिस प्रशासन ने गाड़ियों का आगमन रोक दिया और व्रती महिलाओं को रास्ता दिया। बथुआ रिवर फ्रंट के अलावा दूधेश्वर नाथ मंदिर स्थित पोखरे मां शीतला मंदिर स्थित पोखरे आदि पर व्रती महिलाओं ने पूछा की। भगवान भास्कर के अस्त होते ही व्रती महिलाओं व उनके परिजनों का काफिला घर की तरफ चल पड़ा। शहर से लेकर देहात तक छठ पर्व की घूम रही और लोग आस्था के सागर में गोते लगाते रहे।

देवरिया पुलिस की बड़ी पहल : सुरक्षा, संवाद और महिला सशक्तिकरण पर दिया बल

देवरिया। पुलिस अधीक्षक संजीव सुमन के निर्देशन में जनपद की पुलिस ने सोमवार को सुरक्षा, जनसंवाद और महिला सशक्तिकरण के क्षेत्र में उल्लेखनीय पहल करते हुए एक ही दिन तीन महत्वपूर्ण अभियान चलाए।मार्निंग वॉकर चेकिंग अभियान, बैंक चेकिंग अभियान और मिशन शक्ति फेज-5.0।

मार्निंग वॉकर चेकिंग अभियान

सुबह 5 बजे से 8 बजे तक पूरे जनपद में मॉर्निंग वॉकर अभियान के तहत पुलिस अधिकारियों ने आमजन से संवाद स्थापित कर सुरक्षा का भरोसा दिलाया। इस दौरान संदिग्ध व्यक्तियों और वाहनों की जांच की गई, नाबालिगों द्वारा वाहन चलाने, तीन सवारी, मॉडिफाइड साइलेंसर और अन्य नियम उल्लंघनों पर कार्रवाई की गई। कुल 16 स्थानों पर चेकिंग करते हुए 341 व्यक्तियों व 194 वाहनों की जांच की गई तथा 1 वाहन का चालान किया गया। जनसामान्य ने पुलिस की इस पहल की सराहना की और सुरक्षा व्यवस्था पर संतोष व्यक्त किया।

बैंक चेकिंग अभियान

सुरक्षा व्यवस्था को और मजबूत बनाने के उद्देश्य से देवरिया पुलिस ने सभी थानों की टीमों के माध्यम से जनपद के बैंकों, एटीएम, ग्राहक सेवा केंद्रों और पेट्रोल पंपों की व्यापक चेकिंग की। अभियान के दौरान सुरक्षा गार्डों की तैनाती, सीसीटीवी कैमरों की कार्यशीलता और बैंक परिसर में किसी भी असामाजिक गतिविधि की निगरानी की गई। इस पहल का उद्देश्य अपराधों की रोकथाम, जनता में सुरक्षा की भावना बढ़ाना और सतर्क पुलिसिंग के माध्यम से अपराधियों पर अंकुश लगाना रहा।

गोरखपुर-फैजाबाद खंड शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र की नामावली हेतु आवेदन आमंत्रित

देवरिया। अपर जिलाधिकारी (प्रशासन)/सहायक निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी ने बताया कि गोरखपुर- फैजाबाद खंड शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र की निर्वाचक नामावलियों के पुनः प्रकाशन के लिए पात्र अभ्यर्थियों से आवेदन मांगे गए हैं। इच्छुक अभ्यर्थी निर्धारित फार्म-19 में आवेदन 6 नवम्बर तक संबंधित कार्यालय में जमा कर सकते हैं। जो अभ्यर्थी ऑफलाइन आवेदन नहीं कर पा रहे हैं, वे www.ceouttarpradesh.nic.in वेबसाइट पर ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। अपर जिलाधिकारी ने अधिकारियों को समय से आवश्यक कार्रवाई का निर्देश दिया है।

गोला उपनगर में छठ पर्व पर मचा हड़कंप- केंद्रीय मंत्री के निरीक्षण से पहले अतिक्रमण हटाने में चली JCB, मचा अफरा-तफरी

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

ग़ोला बाजार (गोरखपुर) छठ महापर्व के अवसर पर गोला उपनगर में सोमवार को उस समय अफरा-तफरी मच गई जब केंद्रीय मंत्री के घाट निरीक्षण की सूचना मिलते ही नगर पंचायत प्रशासन हरकत में आ गया। चौराहे से लेकर पक्का घाट तक दोनों पटरियों पर सजी दुकानों को हटाने के लिए नगर पंचायत कर्मियों ने जेसीबी मशीन का सहारा लिया। कुछ ही पलों में सड़क पर सजी दुकानें उजड़ गई, वहीं खरीदार और दुकानदार दोनों सकते में आ गए। गोला उपनगर में छठ पर्व के दौरान तीन दिनों से बाजार की सड़कों पर जाम की स्थिति बनी हुई थी। चौराहों से लेकर घाट तक सड़क के दोनों ओर अस्थायी दुकानों की भरमार ने आमजन के आवागमन को पूरी तरह बाधित कर रखा था।

प्रशासनिक उदासीनता के चलते जाम की समस्या लगातार विकराल रूप लेती जा रही थी। स्थानीय नागरिकों का कहना है कि हर साल यही हाल रहता है, लेकिन प्रशासन की ओर से कभी भी स्थायी समाधान नहीं किया जाता। जानकारी के मुताबिक, सोमवार को केंद्रीय मंत्री के गोला पक्का घाट निरीक्षण कार्यक्रम की सूचना मिलते ही नगर पंचायत व पुलिस प्रशासन में हड़कंप मच गया। मंत्री के काफिले के सुगम मार्ग के लिए अचानक जेसीबी मशीन लगाकर सड़क पर लगे अतिक्रमण को हटाया जाने लगा।

इससे पहले न तो दुकानदारों को कोई पूर्व सूचना दी गई थी और न ही वैकल्पिक व्यवस्था उपलब्ध कराई गई। परिणामस्वरूप, बाजार में भगदड़ जैसी स्थिति बन गई। ग्राहकों और दुकानदारों में आक्रोश साफ देखने को मिला। लोगों का कहना था कि अगर यही कार्रवाई पहले कर दी जाती, तो न तो जाम लगता और न ही यह अव्यवस्था देखने को मिलती। "छठ पूजा पर हजारों की भीड़ उमड़ती है, प्रशासन को पहले से घाट और सड़कों पर व्यवस्था बनानी चाहिए थी," एक स्थानीय व्यापारी ने कहा।

स्थानीय निवासियों ने तंज कसते हुए कहा कि "काश हर हफ्ते कोई वीआईपी गोला आता, तो शायद यहां की व्यवस्था सुधर जाती।" लोगों ने प्रशासन से स्थायी रूप से अतिक्रमण मुक्त अभियान चलाने और यातायात व्यवस्था दुरुस्त करने की मांग की है। फिलहाल केंद्रीय मंत्री के आगमन के बाद नगर पंचायत ने पक्का घाट से लेकर मुख्य सड़क तक सफाई और प्रकाश व्यवस्था भी दुरुस्त कर दी है। लेकिन यह कार्रवाई केवल वीआईपी दौरे तक ही सीमित रहेगी या स्थायी सुधार की दिशा में कदम बढ़ेगा।

बैतालपुर चीनी मिल चलाने की मांग पर किसानों का धरना 293वें दिन जारी

देवरिया। चीनी मिल चलाओ संघर्ष समिति, संयुक्त पंचायत निकाय मोर्चा एवं संयुक्त महा मोर्चा के तत्वावधान में बैतालपुर चीनी मिल को चालू कराने की मांग को लेकर देवरिया कलेक्ट्रेट परिसर में चल रहा किसानों का धरना आज अपने 293वें दिन में प्रवेश कर गया। धरने की अध्यक्षता करते हुए समिति के अध्यक्ष विजेंद्र मणि त्रिपाठी ने कहा कि किसान हितों से जुड़ी 14 सूत्रीय मांगों को लेकर यह आंदोलन लगातार जारी है। उन्होंने कहा कि यह आंदोलन अब केवल किसानों का नहीं, बल्कि पूरे जनपद की अस्मिता का प्रतीक बन गया है। उन्होंने चेतावनी दी कि जब तक बैतालपुर चीनी मिल पुनः चालू नहीं की जाती, तब तक आंदोलन जारी रहेगा। उन्होंने यह भी कहा कि आंदोलन की गूंज अब पूरे प्रदेश में सुनाई दे रही है, फिर भी जिम्मेदार अधिकारी और शासन-प्रशासन मौन बने हुए हैं। धरने में विकास दुबे, पंडित वेद प्रकाश, संजीव शुक्ला, अशोक मालवीय, रत्नेश मिश्रा, राम इकबाल चौहान, नईम खान, मंजू चौहान, कलेक्टर शर्मा, दीनदयाल, वृद्धि चंद यादव, जितेंद्र कुशवाहा, रामचरित कनौजिया सहित अनेक किसान व समाजसेवी उपस्थित रहे।

गोरखपुरः छठ पर्व को लेकर पुलिस प्रशासन अलर्ट, DIG व SSP ने किया गोरखपुर के प्रमुख घाटों का निरीक्षण

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

गोरखपुर। छठ महापर्व के अवसर पर जनपद में सुरक्षा व्यवस्था चाक-चौबंद रखने के उद्देश्य से पुलिस प्रशासन पूरी तरह से अलर्ट मोड में है। आज सोमवार को पुलिस उपमहानिरीक्षक (छ्ढ्ढत्र) गोरखपुर परिक्षेत्र तथा वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (स्स्क्क) राज करन नय्यर ने संयुक्त रूप से शहर के प्रमुख घाटों – गोरक्षनाथ घाट, राम घाट एवं सूरजकुंड घाट – का स्थलीय निरीक्षण किया। दोनों अधिकारियों ने घाटों की व्यवस्थाओं का बारीकी से निरीक्षण करते हुए साफ-सफाई, बैरिकेडिंग, जल स्तर, प्रकाश व्यवस्था और सुरक्षा की दृष्टि से पुलिस की तैनाती की समीक्षा की।

इस दौरान छ्ढ्ढत्र व स्स्क्क ने राप्ती नदी में स्टीमर नाव पर सवार होकर घाटों की स्थिति का प्रत्यक्ष अवलोकन किया। उन्होंने संबंधित थानाध्यक्षों और क्षेत्राधिकारियों को निर्देशित किया कि श्रद्धालुओं की भीड़ को देखते हुए किसी भी स्तर पर लापरवाही न बरती जाए। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक राज करन नय्यर ने कहा कि छठ महापर्व पर लाखों श्रद्धालु घाटों पर एकत्रित होते हैं, इसलिए सुरक्षा, ट्रैफिक नियंत्रण और महिला श्रद्धालुओं की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता दी गई है। उन्होंने स्पष्ट कहा कि किसी भी प्रकार की अनहोनी को रोकने के लिए पुलिस फोर्स, गोताखोर दल, जल पुलिस एवं एनडीआरएफ की टीम को अलर्ट मोड पर रखा गया है। साथ ही हर घाट पर पर्याप्त प्रकाश व्यवस्था एवं बैरिकेडिंग सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं। DIG गोरखपुर ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि घाटों पर आने-जाने वाले मार्गों पर यातायात व्यवस्था सुचारू रखी जाए ताकि श्रद्धालुओं को कोई असुविधा न हो। उन्होंने कहा कि नदी किनारे खतरनाक स्थलों को चिन्हित कर वहां बैरिकेडिंग व सुरक्षा कर्मियों की तैनाती की जाए। निरीक्षण के दौरान पुलिस अधीक्षक नगर अभिनव त्यागी, क्षेत्राधिकारी कोतवाली, थाना राजघाट, गीडा और तिवारीपुर के प्रभारी निरीक्षक समेत अन्य अधिकारी और पुलिसकर्मी मौजूद रहे। प्रशासन की ओर से यह सुनिश्चित किया गया है कि छठ पर्व शांतिपूर्ण, सुरक्षित और श्रद्धामय वातावरण में संपन्न हो। गोरखपुर पुलिस प्रशासन की मुस्तैदी और चौकसी से यह साफ है कि छठ महापर्व के दौरान किसी भी प्रकार की सुरक्षा चूक की गुंजाइश नहीं छोड़ी जाएगी।

पडरौना नगर में छठ घाट श्रद्धालुओं के लिए बना आकर्षण का केंद

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

कुशीनगर। आगामी छठ महापर्व को लेकर पडरौना नगर के छठ घाटो को सजाने सवारने में सप्ताह भर से चल रही तैयारियाँ सोमवार को श्रद्धालुओं के बीच स्वच्छ वातावरण के माहौल के रूप में दिखाई दी। बता दें कि श्रद्धालुओं की सुविधा और पर्व के सुचारु आयोजन के लिए नगरपालिका परिषद पडरौना द्वारा लगातार तैयारियां की जा रही थी। नगरपालिका परिषद पडरौना के अध्यक्ष विनय जायसवाल ने नगर के बावली चौक छठ घाट, अम्बे चौक छठ घाट, जंगल चौरिया छठ घाट, छावनी पोखरा, आवास विकास कॉलोनी छठ घाट, सहित विभिन्न छठ घाटों का भ्रमण और निरीक्षण किया। इसी क्रम में पालिकाध्यक्ष ने सोमवार को रामकोला रोड स्थित नवनिर्मित महंत दिग्विजय नाथ महाराज छठ घाट पर व्रती माताओं बहनों से आशीर्वाद लिया और उनका कुशलक्षेम पूछा। निरीक्षण के दौरान अध्यक्ष जायसवाल ने घाटों पर साफ-सफाई, प्रकाश व्यवस्था, पेयजल आपूर्ति, सुरक्षा प्रबंधन और सजावट की स्थिति का बारीकी से जायजा लिया। उन्होंने कहा कि छठ पर्व आस्था, श्रद्धा और स्वच्छता का प्रतीक है। नगरवासियों की धार्मिक भावनाओं का सम्मान करते हुए सभी घाटों को स्वच्छ, आकर्षक और सुरक्षित बनाया जाना हमारी प्राथमिकता रही है। उन्होंने यह भी कहा कि घाटों तक पहुंचने वाले रास्तों की मरम्मत और समतलीकरण पर विशेष ध्यान दिया गया है साथ ही व्रती माताओं बहनों को विभिन्न छठ घाट पहुंचाने के लिए 100 की संख्या में निःशुल्क ई रिक्शा का प्रबंध किया गया है ताकि श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की असुविधा न हो। अध्यक्ष जायसवाल ने निरीक्षण के दौरान घाटों पर उपस्थित स्थानीय लोगों और श्रद्धालुओं से भी बातचीत की। उन्होंने कर्मचारियों को निर्देशित किया कि घाटों पर पर्याप्त रोशनी की व्यवस्था, पेयजल टैंकरों की तैनाती, और कचरा निस्तारण की सतत व्यवस्था बनी रहे। नपाध्यक्ष श्री जायसवाल ने बताया कि छठ पर्व पूरी श्रद्धा, भक्ति और सौहार्द के वातावरण में सम्पन्न कराने के लिए नगरपालिका प्रतिबद्ध है। निरीक्षण के दौरान उनके साथ प्रतिनिधि मनीष बुलबुल जायसवाल, सभासद प्रमोद श्रीवास्तव, राजेश कुशवाहा, ब्रजेश शर्मा, सन्नी मिश्रा, राधे यादव, रामु पाण्डेय, सोनू यादव, शुभम वर्मा, सागर जायसवाल, संतोष चौरसिया, सिदार्थ जायसवाल, रोहित चौरसिया सहित अन्य उपस्थित रहे।

मिशन शक्ति फेज-5.0 और 'शक्ति दीदी' अभियान

महिलाओं एवं बालिकाओं की सुरक्षा और सशक्तिकरण के लिए चलाए जा रहे मिशन शक्ति फेज-5.0 और 'शक्ति दीदी' अभियान के तहत जनपद के सभी थानों की मिशन शक्ति/एंटी रोमियो टीमों ने क्षेत्र में जागरूकता अभियान चलाया। पुलिस टीमों ने कस्बों, विद्यालयों और सार्वजनिक स्थलों पर पम्पलेट वितरित कर हेल्पलाइन नम्बरों – 112, 181, 1090, 1098, 1076, 102, 108, 1930 आदि – की जानकारी दी तथा महिलाओं को आत्मरक्षा और कानूनी अधिकारों के प्रति जागरूक किया। पुलिस अधीक्षक संजीव सुमन ने कहा कि देवरिया पुलिस का उद्देश्य न केवल अपराध नियंत्रण है, बल्कि जनता के बीच विश्वास, सुरक्षा और सहभागिता की भावना को मजबूत करना भी है। ऐसे अभियानों से पुलिस और जनता के बीच संवाद और भरोसे का रिश्ता और सशक्त होता है।

गोरखपुर : घर से कॉलेज के लिए निकली छात्रा रहस्यमय तरीके से लापता, भाई की तहरीर पर मुकदमा दर्ज – गोला पुलिस ने शुरू की जांच

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

गोरखपुर । गोला थाना क्षेत्र के ग्राम जिगनी बुजुर्ग की एक 17 वर्षीय छात्रा रहस्यमय परिस्थितियों में लापता हो गई है। घर से कॉलेज जाने निकली छात्रा संजना प्रजापति, पुत्री रामजतन प्रजापति, बीते 25 अक्टूबर की सुबह से अब तक घर नहीं लौटी है। घटना से परिवार में हड़कंप मचा हुआ है। छात्रा के भाई राजवीर प्रजापति की लिखित तहरीर पर गोला पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। परिवार के मुताबिक, संजना सुबह करीब 7:30 बजे अपने घर से पार्वती महिला डिग्री कॉलेज के लिए निकली थी। उसने बताया था कि कॉलेज जाकर परीक्षा फॉर्म भरना है और फीस जमा करनी है। इसी उद्देश्य से वह अपने साथ 1500 रुपये लेकर गई थी। परिवारजन बताते हैं कि सुबह लगभग 10:30 बजे उसकी अपने भाई राजवीर से बात हुई थी। लेकिन दोबारा 1:30 बजे जब राजवीर ने फोन किया, तो मोबाइल स्विच ऑफ मिला। इसके बाद परिवार ने पूरा दिन तलाश की – रिश्तेदारों, सहेलियों और कॉलेज में भी पूछताछ की, लेकिन संजना का कोई सुराग नहीं मिला। राजवीर प्रजापति ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि संजना का एक युवक विकास चौधरी से मोबाइल पर अक्सर संपर्क रहता था। भाई को संदेह है कि उसी युवक ने उसकी बहन को बहला-फुसलाकर गायब कर दिया है। राजवीर ने आरोपी के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है। मामले पर थाना प्रभारी राहुल शुक्ला ने बताया कि, "परिवार की तहरीर पर आरोपी युवक के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता (BNS) की धारा 137(2) के तहत मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। पुलिस की टीमें छात्रा की खोजबीन में जुटी हैं और संदिग्ध मोबाइल नंबरों की कॉल डिटेल्स खंगाली जा रही हैं।" थाना प्रभारी ने यह भी कहा कि जांच में तकनीकी सहायता ली जा रही है और जल्द ही लापता छात्रा का पता लगा लिया जाएगा। वहीं, गांव में इस घटना के बाद दहशत और आक्रोश का माहौल है। लोगों का कहना है कि कॉलेज जाते समय युवतियों की सुरक्षा के लिए पुलिस को अधिक गश्त करनी चाहिए। परिवारजन अब अपनी बेटी के सकुशल लौट आने की दुआ कर रहे हैं, जबकि गोला पुलिस ने घटना को गंभीरता से लेते हुए सघन जांच शुरू कर दी है।

लोक आस्था एवं सूर्योपासना के महा पर्व सूर्य षष्ठी पर अस्ताचलगामी सूर्य को अर्घ्य देकर महिलाओं ने पति और पुत्र के दीर्घायु की कामना की

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

खजनी गोरखपुर- नगर पंचायत उनवल सात स्थानों पर लोक आस्था एवं सूर्योपासना का पर्व सूर्य षष्ठी पर महिलाओं को अस्ताचलगामी सूर्य को अर्घ्य देने की मुकम्मल व्यवस्था नगर प्रशासन द्वारा की गई है परंतु वार्ड नंबर चार में स्थित प्राचीन व ऐतिहासिक शिव मंदिर परिसर में स्थित तीन एकड़ से अधिक रकबे में फैला विशाल जलाशय पर आस्था का जन सैलाब उमड़ पड़ा था तथा वार्ड नंबर तीन में स्थित प्राचीन झारखंडी शिव लिंग के बगल में स्थित जलाशय पर भी काफी भीड़ थी व्रती महिलाएं जलाशय में खड़ी होकर अस्ताचलगामी सूर्य की तरफ मुंह करके भगवान भास्कर को अर्घ्य देने के बाद जलाशय से बाहर निकल कर अपने अपने घरों को प्रस्थान किया।

सामाजिक सौहार्द, सद्भावना,शांति, समृद्धि,समरसता एवं सादगी के महापर्व सूर्य छठ के शुभ अवसर पर क्षेत्र व जवार के गणमान्य लोगों के अलावा दूर,दराज से भी लोग सत्रहवीं शताब्दी में निर्मित शिव मंदिर व जलाशय पर पहुंच कर देवाधिदेव महादेव भगवान शिव एवं राम दरबार पर मथा टेका और पूजन अर्चन किया नगर पंचायत के अधिशासी अधिकारी संजय कुमार सरोज एवं नगर पंचायत अध्यक्ष उनवल एडवोकेट महेश कुमार दूबे व मंदिर के शर्वराकार गौरीशंकर वर्मा,सभासद योगेश वर्मा, उमेश दूबे प्रतिनिधि नगर पंचायत अध्यक्ष उनवल मनोज साहनी, योगेन्द्र साहनी सभासद,प्रभुनाम यादव सभासद तथा चौकी प्रभारी उनवल राजीव कुमार तिवारी मय हमराहियों तथा महिला कांस्टेबल जलाशय के चारों तरफ बने पथ पर भ्रमणशील रहे तथा असामाजिक तत्वों पर पैनी नजर लगाए हुए थे।

वही खजनी, वरीवन्दुआरी, रुद्रपुर, भरोहिया, वसडीला झुडियां, सतुआभार, केवटली सहित सभी गाँव सभाओ के जलाशय सजे रहे आस्था का जनशैलाब, से पुरा क्षेत्र भक्ती मय रहा।

सपा नेता रईश अहमद बने प्रदेश सचिव, स्वागत समारोह में उमड़ा जनसैलाब

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

मनकापुर गोण्डाः सामाजवादी पार्टी ने अपने कद्दावर नेता रईश अहमद उर्फ बब्बू प्रधान को प्रदेश सचिव की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी सौंपकर पार्टी संगठन को और मजबूती प्रदान की है। इस नियुक्ति के साथ ही पार्टी में गुटबाजी की आशंकाओं पर भी विराम लगता दिख रहा है। रईश अहमद के प्रदेश सचिव बनने पर समाजवादी पार्टी के नेताओं और कार्यकर्ताओं में उत्साह का माहौल है। उनकी आवास पर लगातार जिले और परदेश के तमाम नेताओं ने पहुँचक कर बधाई दी उनके आवास पर सपा गौरा के वरिष्ठ नेता हफ़ीज़ मालिक और अमर यदव जिला पंचायत ने बधाई दी इसी क्रम में 301 गौरा विधानसभा में तुलसी नगर चौराहा कूक नगर में मोहन यादव जिला सचिव समाजवादी पार्टी द्वारा और नरेंद्र यादव द्वारा रईस अहमद का स्वागत सम्मान समारोह का कार्यक्रम आयोजित किया गया सामाजवादी पार्टी ने अपने कद्दावर नेता रईश अहमद उर्फ बब्बू प्रधान को प्रदेश सचिव की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी सौंपकर पार्टी संगठन को और मजबूती प्रदान की है। इस नियुक्ति के साथ ही पार्टी में गुटबाजी की आशंकाओं पर भी विराम लगता दिख रहा है। रईश अहमद के प्रदेश सचिव बनने पर समाजवादी पार्टी के नेताओं और कार्यकर्ताओं में उत्साह का माहौल है। एक भव्य स्वागत एवं सम्मान समारोह का आयोजन गौरा विधानसभा क्षेत्र के तुलसी नगर चौराहे पर किया गया। कार्यक्रम में सपा के वरिष्ठ नेता व पूर्व विधानसभा प्रत्याशी संजय विद्यार्थी, विधानसभा अध्यक्ष इस्लाम चौधरी, लोहिया वाहिनी के राष्ट्रीय सचिव विजय यादव, युवजन सभा के प्रदेश सचिव राहुल यादव, पिछड़ा प्रकोष्ठ के जिला उपाध्यक्ष संतोष यादव, पूर्व प्रदेश सचिव युवजन सभा शकील अहमद, ब्लॉक अध्यक्ष गुरु बख्श राजभर, महिला सभा की विधानसभा अध्यक्ष प्रतिभा यादव, किशनलाल पासवान, बसंत यादव, दिलीप वर्मा, इरशाद खान, श्रवण वर्मा, विनय यादव, महेश वर्मा, मुलायम यादव, रामशंकर यादव, अरविंद यादव, रामजीत निडर, बुन्ने प्रधान, शकील चौधरी, पप्पू यादव, राकेश यादव सहित तमाम नेताओं ने रईश अहमद का फूल-माला पहनाकर जोरदार स्वागत किया और उन्हें बधाई दी। इससे पहले रईश अहमद के आवास पर सपा नेता हफीज मलिक और जिला पंचायत सदस्य अमर यादव तथा जिला एवं प्रदेश सहित सैकड़ों नेताओं ने भी पहुंचकर उन्हें प्रदेश सचिव बनने पर शुभकामनाएं दीं। कार्यक्रम का संचालन पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष मोहनलाल यादव ने किया। रईश अहमद की इस नई जिम्मेदारी को पार्टी कार्यकर्ताओं ने एकता और संगठनात्मक मजबूती की दिशा में महत्वपूर्ण कदम बताया। इस नियुक्ति से समाजवादी पार्टी के कार्यकर्ताओं में नई ऊर्जा का संचार हुआ है, और माना जा रहा है कि रईश अहमद के नेतृत्व में पार्टी और अधिक सक्रियता से जनहित के मुद्दों को उठाएगी।

कार्यक्रम में दिखी सपा की एकजुटता

स्वागत समारोह में नेताओं और कार्यकर्ताओं की भारी भीड़ ने सपा की एकजुटता को दर्शाया। सभी ने रईश अहमद के नेतृत्व में पार्टी को नई ऊंचाइयों तक ले जाने का संकल्प लिया। यह आयोजन न केवल रईश अहमद के लिए सम्मान का क्षण था, बल्कि समाजवादी पार्टी की संगठनात्मक ताकत का भी प्रदर्शन रहा। इस अवसर पर सपा नेता मोहनलाल यादव और नरेंद्र यादव की अगुवाई में एक भव्य स्वागत एवं सम्मान समारोह का आयोजन गौरा विधानसभा क्षेत्र के तुलसी नगर चौराहे पर किया गया। कार्यक्रम में सपा के वरिष्ठ नेता व पूर्व विधानसभा प्रत्याशी संजय विद्यार्थी, विधानसभा अध्यक्ष इस्लाम चौधरी, लोहिया वाहिनी के राष्ट्रीय सचिव विजय यादव, युवजन सभा के प्रदेश सचिव राहुल यादव, पिछड़ा प्रकोष्ठ के जिला उपाध्यक्ष संतोष यादव, पूर्व प्रदेश सचिव युवजन सभा शकील अहमद, ब्लॉक अध्यक्ष गुरु बख्श राजभर, महिला सभा की विधानसभा अध्यक्ष प्रतिभा यादव, मुलायम यूथ ब्रिगेड के जिला उपाध्यक्ष राम जीत निडर लोहिया वाहिनी के विधानसभा अध्यक्ष किशनलाल पासवान, पिछड़ा प्रकोष्ठ के जिला सचिव बसंत यादव, दिलीप वर्मा, इरशाद खान, श्रवण वर्मा, विनय राजेश गौतम राम पुरन , दुर्गेश यादव मनोज यादव महेश वर्मा, मुलायम यादव, रामशंकर यादव, अरविंद यादव, , बुन्ने प्रधान, शकील चौधरी, पप्पू यादव, राकेश यादव आशुतोष वर्मा शिवनाथ प्रजापति सहित तमाम नेताओं ने रईश अहमद का फूल-माला पहनाकर जोरदार स्वागत किया और उन्हें बधाई दी। इस अवसर पर सभी नेताओं ने अपने-अपने विचार रखें कार्यक्रम का संचालन जिला सचिव मोहनलाल यादव ने किया।

धूमधाम से मनाया गया छठ पूजा

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

मनकापुर (गोंडा): क्षेत्र में लोकआस्था का महापर्व छठ पूजा सोमवार की शाम बड़े ही धूमधाम और श्रद्धा के साथ मनाया गया। ग्राम पंचायत बुककनपुर स्थित अमृत सरोवर घाट पर सैकड़ों महिलाएँ और पुरुष एकत्र होकर छठी मइया का पूजन करते दिखाई दिए। व्रत रखकर सभी श्रद्धालुओं ने सूर्य देवता को अर्घ्य अर्पित किया और परिवार की सुख-समृद्धि की कामना की। इस अवसर पर ग्राम पंचायत बुककनपुर के प्रधान कन्हैय्या बख्श सिंह के नेतृत्व में पूरे उत्साह के साथ आयोजन संपन्न हुआ। प्रधान के साथ बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित रहे। प्रधान ने बताया कि "अमृत सरोवर पर छठ पूजा का आयोजन हमारे गांव की धार्मिक और सांस्कृतिक पहचान बन चुका है। इस अवसर पर हम सब मिलकर छठी मइया की पूजा-अर्चना करते हैं, जिससे समाज में एकता और सहयोग की भावना को बल मिलता है।" पूजन कार्यक्रम से पूर्व प्रधान कन्हैय्या बख्श सिंह और स्थानीय लोगों द्वारा घाट की साफ-सफाई एवं सुरक्षा व्यवस्था का विशेष ध्यान रखा गया। घाट पर दीपों की श्रृंखला और पारंपरिक गीतों से वातावरण भक्ति और उत्साह से भर उठा। छठ पूजा के दौरान श्रद्धालु व्रत रखकर सूर्यास्त और सूर्योदय के समय जल में खड़े होकर सूर्य देवता की आराधना करते हैं। यह पर्व प्राकृतिक तत्वों – सूर्य, जल और धरती – के प्रति आभार व्यक्त करने का प्रतीक है, जो जीवन में सकारात्मक ऊर्जा और उत्तम स्वास्थ्य का संदेश देता है। इस पावन अवसर पर सैकड़ों महिला-पुरुषों ने भाग लिया। सभी ने विधि-विधान से अमृत सरोवर पर छठी मइया की पूजा की और परंपरागत लोकगीतों के साथ भक्तिमय वातावरण का आनंद लिया।

चाचा को रिसीव करने जा रहे भतीजे की मौत, एंबुलेंस और बाइक की टक्कर से हुआ हादसा

गोंडा। परसपुर-भौरीगंज मार्ग स्थित पसका मोड़ पर एंबुलेंस व बाइक की आमने-सामने टक्कर हो गई। बाइक सवार मधईपुर कुर्मी के पूर्व प्रधान आदित्य वर्मा के पौत्र अंकित वर्मा की मौके पर ही मौत हो गई है। स्वजनों का रो-रोकर हाल बेहाल है। पुलिस जांच कर रही है। मधईपुर कुर्मी के रहने वाले अजय वर्मा कानपुर से छठ पर्व पर घर वापस आए थे। उनका भतीजा अंकित बाइक से लेकर उन्हें लेने परसपुर आ रहा था। घर से आधा किलोमीटर दूर परसपुर-भौरीगंज मार्ग स्थित पसका मोड़ पर सामने से आ रही एंबुलेंस से बाइक की टक्कर हो गई। टक्कर इतनी तेज थी कि अंकित की मौके पर ही मौत हो गई। बाइक व एंबुलेंस के आगे का हिस्सा क्षतिग्रस्त हो गया। दुर्घटना के बाद एंबुलेंस चालक मौके से फरार हो गया। मृतक दो भाइयों में बड़ा था और स्नातक का छात्र था। पिता सुनील वर्मा ने बताया कि उनका बेटा पढ़ाई में बहुत अच्छा था। वह प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी कर रहा था। दुर्घटना ने सबकुछ छीन लिया। अधीक्षक डा. लवकेश शुक्ल ने बताया कि एंबुलेंस चालक को काल किया गया था। उसका मोबाइल नंबर बंद बता रहा है। थानाध्यक्ष अनुज त्रिपाठी ने बताया कि एंबुलेंस को कब्जे में ले लिया गया है। अभी तहरीर नहीं मिली है। तहरीर मिलने पर मुकदमा किया जाएगा।

जिलाधिकारी प्रियंका निरंजन ने बाल प्रतिभा रुद्र प्रताप साहू को किया सम्मानित

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

गोंडा। इटियाथोक विकासखंड क्षेत्र के परसिया बहोरीपुर निवासी पांच वर्षीय बालक रुद्र प्रताप साहू ने अपनी असाधारण प्रतिभा से सबका ध्यान आकर्षित किया है। सोमवार को गोंडा की जिलाधिकारी प्रियंका निरंजन ने इस नन्हे प्रतिभाशाली बालक को सम्मानित कर उसका उत्साहवर्धन किया। रुद्र प्रताप साहू की विशेष प्रतिभा यह है कि वह कुछ ही मिनटों में उत्तर प्रदेश के सभी जिलों, देश के सभी राज्यों और उनके मुख्यमंत्रियों के नाम एकदम सटीक बता देता है। इतनी कम उम्र में इतनी गहरी स्मरण शक्ति देखकर प्रशासनिक अधिकारियों और स्थानीय लोगों ने उसकी प्रशंसा की। इससे पहले भी रुद्र प्रताप को कई बार सम्मान मिल चुका है। साहू समाज ट्रस्ट के अध्यक्ष बी. आर. साहू और पुलिस अधीक्षक गोंडा विनीत जायसवाल द्वारा भी उन्हें सम्मानित किया जा चुका है। डीएम प्रियंका निरंजन ने रुद्र की प्रतिभा की सराहना करते हुए कहा कि "ऐसे बालक हमारे जिले का गौरव हैं। यह हमारे समाज के लिए प्रेरणास्रोत हैं और भविष्य में निश्चित रूप से बड़ी उपलब्धियाँ हासिल करेंगे।" सम्मान समारोह के अवसर पर अश्वनी साहू, धर्मेंद्र साहू सहित साहू समाज के अनेक सदस्य मौजूद रहे। सभी ने रुद्र प्रताप के उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

संक्षिप्त खबरें

धौरहरा वन रेंज में हरे-भरे पेड़ों पर चल रहा आरा, वन विभाग की मिलीभगत के आरोप

धौरहरा लखीमपुर खीरी- जहां एक ओर सरकार पर्यावरण संरक्षण के लिए बड़े पैमाने पर वृक्षारोपण अभियान चला रही है, वहीं दूसरी ओर वन विभाग की मिलीभगत से हरे-भरे पेड़ों पर आरा चलाया जा रहा है मामला जनपद लखीमपुर खीरी के वन रेंज धौरहरा क्षेत्र का है, जहां ईसानगर के हसनपुर कटौली इलाके में ठेकेदारों द्वारा हरे पेड़ों आम गुलर नीम की अवैध कटान की जा रही है। स्थानीय ग्रामीणों के अनुसार, यह सब वन विभाग की बड़ी मिलीभगत से संभव हो पा रहा है सूत्रों के मुताबिक, रात के समय ट्रैक्टर-ट्रॉलियों में लकड़ी ढोई जाती है और विभाग के कुछ कर्मी इस पर आंखें मूंदे रहते हैं जब इस बारे में वन रेंजर धौरहरा से जानकारी मांगी गई, तो उन्होंने कहा मामला हमारे संज्ञान में नहीं है, टीम भेजकर जांच कराई जाएगी। हालांकि ग्रामीणों का कहना है कि यह कटान लंबे समय से जारी है और अधिकारियों की अनदेखी के चलते हरियाली लगातार खत्म हो रही है। अब देखना यह होगा कि खबर के प्रकाशन के बाद उच्च अधिकारी इस पूरे प्रकरण में क्या कार्रवाई करते हैं और क्या हरे पेड़ों की अवैध कटान पर लगाम लग पाती है।

नदी में वही मिली लाश भुता क्षेत्र के इमामुद्दीन की पत्नी आमना की निकली

बरेली/क्यों लड़िया थाना क्षेत्र के गांव ज्योति जागीर नदी में एक अज्ञात सब बरामद हुआ सूचना पर पहुंची क्यों लड़िया पुलिस ने शव बाहर निकलवाया इसकी सूचना भुता पुलिस को भी दी गई इसकी जानकारी मिलने पर दोनों थानों की पुलिस मौके पर पहुंची। परंतु भुता थाना क्षेत्र के गांव परेवा नवदिया के इमामुद्दीन की सूचना 24 अक्टूबर 25 को दोपहर 12:00 बजे घर से आमनाबेगम बिना बताए गायब हो गई थी जिसकी मानसिक संतुलन ठीक नहीं होने का प्रार्थना पत्र दिया गया था जिसकी भुता पुलिस ने आमना बेगम की गुमशुदगी दर्ज कर ली थी। नदी शव मिला इसकी सूचना आमना बेगम के घर वालों में इमामुद्दीन को दी गई तो वह मौके पर पहुंचे और उन्होंने नदी में मिली लाश की निशाकत कर पहचान की गई तो यह शव आमना बेगम के रूप में की गई वह नदी में मिली लाश को ले गए जिससे नदी में मिली लाश का मामला निस्तारित हो गया जिसको लेकर क्षेत्र में तरह-तरह की चर्चाएं हो रही थी।

प्रेमी के साथ चली गई पत्नी, पति ने जहर खाकर दी जान

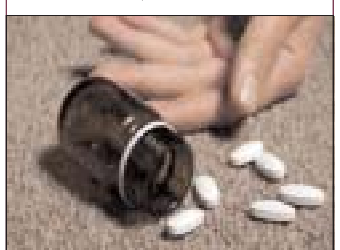

बरेली। कैंट के चनहेटी निवासी अधिवक्ता कमल कुमार सागर की पत्नी तीन माह पहले प्रेमी के साथ चली गई। इससे आहत उन्होंने रविवार देर रात जहर खा लिया। उपचार के दौरान उनकी मौत हो गई। जहर खाने से पहले कमल में एक सुसाइड नोट भी लिखा, जिसमें उन्होंने पत्नी, उसके प्रेमी और ससुराल वालों पर आरोप लगाया है। स्वजन के मुताबिक, वर्ष 2017 में कमल की शादी रामपुर के मिलक निवासी कोमल से हुई थी। शुरुआत में सब अच्छा चला, उनके दो बच्चे भी है। पिछले करीब डेढ़ साल से कोमल का इंस्टाग्राम के माध्यम से शामली निवासी विशाल से संपर्क हुआ तो दोनों के बीच नजदीकियां बढ़ने लगी। करीब तीन माह पहले कोमल पति और अपने दो बच्चों को छोड़कर प्रेमी के साथ चली है। पत्नी के जाने बाद कमल अवसाद में रहने लगे। सुसाइड नोट में कमल ने आरोप लगाया कि पत्नी और उसका प्रेमी उन्हें झूठे केस में फंसाने की भी धमकी दे रहा था जिसके बाद उन्होंने रविवार रात जहर खा लिया। स्वजन ने आनन फानन में अस्पताल में भर्ती कराया जहां उपचार के दौरान उनकी मौत हो गई।

मुस्तफाबाद का नाम होगा 'कबीरधाम', सीएम योगी ने विपक्ष के 'सेक्युलरवाद' को बताया 'पाखंड'

● मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने लखीमपुर खीरी स्थित कबीरधाम आश्रम में दिया राष्ट्रभक्ति और विरासत के सम्मान का संदेश

सभी समस्याओं का समाधान है राष्ट्रभक्ति : मुख्यमंत्री

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लखीमपुर खीरी। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ सोमवार को लखीमपुर खीरी के मुस्तफाबाद स्थित विश्व कल्याण आश्रम पहुंचे, जहां उन्होंने 'स्मृति प्राकट्योत्सव मेला-2025' में भाग लिया और पूज्य संतों को नमन किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि डबल इंजन की सरकार में प्रदेश के धार्मिक स्थलों का पुनरुद्धार और सौंदर्यीकरण का कार्य किया जा रहा है, जबकि पहले यही पैसा कब्रिस्तान की बाउंड्री बनाने में लगता था। उन्होंने मुस्तफाबाद का नाम बदलकर कबीरधाम रखने की घोषणा की और कहा कि पिछली सरकारों में अयोध्या को फैजाबाद, प्रयागराज को इलाहाबाद और कबीरधाम को मुस्तफाबाद बनाया गया था। हमने इन स्थलों की पहचान वापस लौटाने का कार्य किया है। उन्होंने कहा कि विपक्ष इसे सेक्युलरिज्म के नाम पर करता था, जबकि यह पाखंड है।संत कबीरदास जी की वाणी आज भी समाज का मार्गदर्शन कर रही कबीरधाम आश्रम में आयोजित इस भव्य आयोजन में मुख्यमंत्री ने राष्ट्रभक्ति, सनातन परंपरा, विरासत के सम्मान, और विकास की दिशा में सरकार की उपलब्धियों पर विस्तृत रूप से प्रकाश डाला। मुख्यमंत्री ने कहा कि संत कबीरदास जी की वाणी आज भी समाज का मार्गदर्शन कर रही है। उन्होंने निर्गुण भक्ति की वह धारा प्रवाहित की जो समाज की विसंगतियों को तोड़कर आत्मा और परमात्मा का संबंध सरल शब्दों में आमजन को समझाने में सफल रही। मुख्यमंत्री ने कहा कि 'गुरु गोविंद दोनों खड़े काके लागूं पांव...' यह दोहा आज भी हमें गुरु के महत्व का स्मरण कराता है। योगी आदित्यनाथ ने कहा कि संतों की वाणी आज भी उतनी ही प्रासंगिक है जितनी सैकड़ों वर्ष पूर्व थी।

उन्होंने कहा कि 'कबीरदास जी ने उस दौर में समाज की जातीय विषमताओं पर प्रहार कर कहा था, 'जाति पाति पूछे न कोई, हरि को भजे सो हरि का होई।' यह वाणी हमारे समाज की एकता और अखंडता की आधारशिला है। देश की एकता को तोड़ने वाली शक्तियों से सावधान रहने की आवश्यकता !मुख्यमंत्री ने कहा कि देश की एकता को तोड़ने वाली शक्तियों से सावधान रहने की आवश्यकता है। आज भी समाज विरोधी ताकतें आस्था पर प्रहार करने और जाति के नाम पर विभाजन करने की कोशिश कर रही हैं। उन्होंने कहा कि अगर हम समय रहते अपनी कमजोरियों को नहीं पहचानेंगे तो ये बीमारियां कैंसर की तरह समाज को खोखला कर देंगी। सीएम योगी ने कहा कि राष्ट्रभक्ति ही सभी समस्याओं का समाधान है। उन्होंने कहा कि ÷माता भूमि पुत्रोहम्...÷ यह भूमि केवल मिट्टी का टुकड़ा नहीं, हमारी मातृभूमि और पितृभूमि है। इस धरती की सेवा ही सच्ची उपासना है।कुछ ही माह में दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी आर्थिक महाशक्ति बनेगा भारतमुख्यमंत्री ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में हुए परिवर्तन की चर्चा करते हुए कहा कि 2014 से पहले देश पहचान के संकट से जूझ रहा था। भ्रष्टाचार, आतंकवाद और विभाजनकारी राजनीति चरम पर थी। मोदी जी के नेतृत्व में भारत दुनिया की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बना है और कुछ ही माह में यह तीसरी सबसे बड़ी आर्थिक महाशक्ति बनने जा रहा है।धार्मिक स्थलों के पुनरोद्धार से आस्था और पर्यटन दोनों को बल मिला उन्होंने कहा कि लखीमपुर खीरी जैसे सीमावर्ती जिलों में भी विकास की नई धारा बह रही है। गांव-गांव सड़कें बन रही हैं, मेडिकल कॉलेज की स्थापना हो रही है, एयरपोर्ट का विस्तार किया जा रहा है और ईको-टूरिज्म को बढ़ावा दिया जा रहा है। मुख्यमंत्री ने बताया कि गोला गोकर्णनाथ धाम और कबीरधाम जैसे धार्मिक स्थलों के पुनरोद्धार से आस्था और पर्यटन दोनों को बल मिल रहा है।गो-सेवा और नेचुरल फार्मिंग पर भी दिया जोर मुख्यमंत्री ने संत असंगदेव जी महाराज के कार्यों की सराहना करते हुए कहा कि वे धर्म, नशा मुक्ति और राष्ट्र चेतना का अद्भुत कार्य कर रहे हैं। उन्होंने नशा मुक्ति पर बोलते हुए कहा कि नशा नाश का कारण है। विदेशी ताकतें हमारे युवाओं को बर्बाद करने की साजिश रच रही हैं। फोन का इस्तेमाल सीमित करें और आत्मविकास पर ध्यान दें। सीएम योगी ने गो सेवा और नेचुरल फार्मिंग पर भी जोर दिया। उन्होंने कहा कि हर गाय के लिए सरकार 1500 रुपये प्रतिमाह दे रही है। गोमाता के संरक्षण के लिए जनप्रतिनिधियों को गोशालाओं की देखरेख करनी चाहिए। रासायनिक खेती से जमीन ऊसर हो रही है, इसलिए नेचुरल फार्मिंग अपनाएं। एक गाय 30 एकड़ भूमि के लिए पर्याप्त जैविक खाद देती है।

यही सच्ची राष्ट्रभक्ति है। उन्होंने कहा कि जल संसाधनों का संरक्षण, खेती की रक्षा और नशा मुक्ति, यही राष्ट्र की सच्ची सेवा है।कार्यक्रम के अंत में मुख्यमंत्री ने प्रदेश और देशवासियों को छठ महापर्व की शुभकामनाएं दीं। इससे पूर्व उन्होंने सद्गुरु कबीर पूज्य श्री असंगदेव जी धर्मशला का भूमि पूजन किया। इस अवसर पर असंग देव जी महाराज, प्रदेश सरकार में मंत्री राकेश सचान, नितिन अग्रवाल, मन्नूलाल कोरी, विधायक अमन गिरी, रोमी साहनी, लोकेंद्र प्रताप सिंह, शशांक वर्मा, योगेश वर्मा, विनोद शंकर अवस्थी, मंजू त्यागी, सौरभ सिंह सोनू, महामंडलेश्वर प्रवक्तानंद, क्षेत्रीय अध्यक्ष कमलेश मिश्रा, भाजपा जिलाध्यक्ष सुनील सिंह सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु और संतजन उपस्थित रहे।

सनातन अन्य किसी धर्म पर अत्याचार करना नहीं सिखाता : प्रशांत प्रभु

● जंगबहादुरगंज में शुरू हुई श्री शिव महापुराण कथा

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बरवर खीरी :- श्री शिव महापुराण कथा के पहले दिन व्यासपीठ से प्रशांत प्रभु महाराज ने कहा सनातन कभी नहीं सिखाता है कि अन्य किसी धर्म पर अत्याचार करो। हमारी परंपरा में विश्व कल्याण की भाव है। उन्होंने शिवालय में विभिन्न प्रकार के ध्वजारोहण के विषय में जानकारी दी ताकि विधि पूर्वक पूजन करके अपने मनोकामना से जुड़े ध्वज को शिवालय के शिखर पर लगाया जाए। धर्म की रक्षा करता है धर्म भी उसकी रक्षा करता है। विदेशी भारत की संस्कृति से जुड़ रहे है जबकि हम अपने सनातन धर्म से दूर हो रहे है। जिन्होंने शास्त्र पढ़ा वह सनातन स्वीकार कर रहे है। यहाँ पहली रोटी गाय और आखिरी कुत्ते की निकाली जाती। हमारा धर्म कहता खुद को जानो अपने आप को पहचानों। धर्म ग्रन्थों को पढ़ो उनके अनुसार जीवन जीना शुरू करो। जब मित्र व राष्ट्र पर संकट आता तो मंत्री का कर्तव्य है वह सुरक्षा करे। मित्र व स्त्री संकट के समय पहचान में आते है। राष्ट्रधर्म, वेद,गाय व ऋषि-मुनियों की रक्षा के लिए मरना भी पड़े तो स्वीकार होना चाहिए। उन्होंने कहा कि शिव करुणा के अवतार हैं। कपूर की तरह गोरे हैं । करुणा शिव के हृदय में है इसीलिए वे भोलेनाथ कहलाते हैं।पहले दिन की कथा व्यास परमपूज्य प्रशान्त प्रभु जी महाराज ने श्रद्धालुओं को शिव कथा सुनाई । उन्होंने कहा कि स्त्रियों को भी नौ मुखी रुद्राक्ष धारण करना चाहिए । प्रशांत प्रभु जी ने कथा सुनाते हुए कहा कि सूत जी महाराज ने समस्त देवताओं की वंदना करने के उपरांत भगवान शिव के चरित्र को सोनक आदि ऋषियों के सम्मुख कहना प्रारंभ किया। देवदत्त ने अकारण ही शिव पुराण महाकथा सुन ली जिसे जीवन भर जो पाप, दुष्चरित्र , कुमार्ग पर चला । उसने अनिच्छा पूर्वक भगवान शिव की कथा सुन ली। कथा के प्रभाव से ही जब उसे मृत्यु आयी तब उसे शिव के गण शिव के पावन शिव लोक धाम ले गए । सूत जी महाराज ने कहा समुद्र क्षेत्र के दक्षिण भाग में एक चंचले नाम की ब्राह्मणी निवास करती थी । उसके पति के सनातन धर्म और कुल की परंपरा का त्याग करके घोर अनाचार और पाप कर्म करना प्रारंभ कर दिया । गलत संगति में पड़कर शराब के नशे में घर पहुंचने लगा तथा पत्नी के साथ मारपीट आदि करने लगा । एक दिन अधिक धन के लालच में अपनी पत्नी चंचले को देह व्यापार करने पर मजबूर कर दिया । पति के दबाब में उसने ऐसा कुकृत्य करना शुरू कर दिया लेकिन बाद में स्वेच्छा से करने लगी । अधिक भोग विलास में पड़ने से उसके पति को गम्भीर रोगों ने जकड़ लिया । चंचले अपने पति के अत्यधिक पीड़ा व दुख न सहन कर सकी और इसके निदान के लिए शिव धाम काशी पहुंच गयी। उसने अपने पापों का पश्च्याताप करते हुए पति के साथ शिव महाकथा सुनी । चंचले व उसके पति उम्र पूरी होने के बाद मृत्यु हुई तो इस यमदूत के साथ शिव के लोक से शिव के गण भी उसे लेने आये ।

पावर हाउस खीरी टाउन के जेई विमल रावत चार साल से सेवा, समर्पण और तत्परता की मिसाल

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

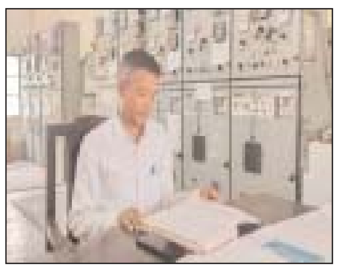

खीरी टाउन खीरी। जहाँ आमतौर पर बिजली विभाग को लेकर शिकायतें सुनने को मिलती हैं, वहीं खीरी टाउन पावर हाउस के जेई विमल रावत ने अपने काम और तत्परता से विभाग की छवि को एक नया आयाम दिया है।लगभग चार साल से पावर हाउस का चार्ज संभाल रहे विमल रावत अपनी जिम्मेदारी को जिस मुस्तैदी से निभा रहे हैं, वह काबिले तारीफ है।ब्रेकडाउन या लाइन फॉल्ट तुरंत एक्शन मोड में जेई विमल रावत नज़र आते है।स्थानीय लोगों के अनुसार, चाहे लाइन फॉल्ट हो, ब्रेकडाउन हो या ट्रांसफार्मर फुक जाए,जेई विमल रावत हर बार खुद मौके पर पहुँचकर तत्काल कार्य सही करवाते हैं।उनकी यही फुर्ती और जिम्मेदारी का भाव ही है कि खीरी टाउन क्षेत्र में बिजली व्यवस्था अन्य जगहों की तुलना में अधिक स्थिर रही है। हमेशा ऑन-ड्यूटी जनता की सुविधा पहले विमल रावत की पहचान ऐसे अधिकारी के रूप में बनी है जो किसी भी समय फोन उठाने और मदद करने से पीछे नहीं हटते।रात हो या दिन, उनका एक ही मंत्र जनता को परेशानी न हो।उनकी कार्यशैली ने न केवल स्थानीय नागरिकों बल्कि विभाग के अन्य कर्मचारियों को भी प्रेरित किया है।विभाग और जनता दोनों का विश्वास विमल रावत की टीम भावना, ईमानदारी और तत्परता के चलतेपावर हाउस खीरी टाउन आज एक सकारात्मक उदाहरण बन गया है।

दो पक्षों में जमकर हुई मारपीट, पुलिस ने दर्ज किया क्रॉस केस

सिंगाही खीरी। थाना क्षेत्र के मसुरहा गांव में घूरे (कूड़े) के विवाद को लेकर दो पक्षों से मारपीट हो गई। घटना में दोनों पक्षों के पांच लोग चोटिल हो गए। पुलिस ने मामला दर्ज कर सभी घायलों को इलाज के लिए निघासन भेजा है।सोमवार को ग्राम पंचायत भेड़ौरा के मजरा मसुरहा निवासी सोनू और अवतार विपक्षी संजय और सटकल्ली मे घुरा डालने को लेकर मारपीट लाठी डंडा से मारपीट हो गई। दोनो तरफ से हुई मारपीट में सोनू की उंगलियां मे चोट लगी है पुलिस ने दोनों पक्षो की तहरीर पर मारपीट करने का क्रास केश दर्ज कर उन्हें इलाज के लिए भेज दिया।

गन्ना भुगतान को लेकर किसानों का आक्रोश फूटा तहसील प्रांगण में धरना जारी पैनी नजर की सुनीता गंगवार के साथ

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बरेली/नवाबगंज की ओसवाल चीनी मिल ने किसानों का 2 वर्ष का गान्ना भुगतान न देने पर किसानों का आक्रोश फूटा पैनी नजर संस्था की प्रदेश अध्यक्ष सुनीता गंगवार की अध्यक्षता में आज सैकड़ो किसानों ने एकत्रित होकर तहसील प्रांगण में धरना दिया धरना को खत्म कराने के लिए नायब तहसीलदार दिवाकर सिंह ने किसानों को समझने का प्रयास किया।

परंतु धरना दे रहे किसानों ने उनकी बात को नहीं माना वह चाहते थे हमारा भुगतान दिलाया जाए इस मौके पर गन्ना समिति सचिव मेधा जोशी ने चीनी मिल के विरुद्ध की गई कार्यवाही का पत्र दिखाया इस पर पैनी नजर की प्रदेश अध्यक्ष सुनीता गंगवार ने तंज करते हुए कहा इस पत्र से किसानों का क्या भला हुआ उन्होंने जोर देते हुए कहा किसानों के गन्ने का जो भी भुगतान है उसका 2 वर्ष का ब्याज सहित भुगतान कराया जाए।

इसका किसी के पास कोई जवाब नहीं था उन्होंने जोड़ देकर पूछा किसानों ने जो बैंक से कर्ज लिया या गन्ना समिति से कर्ज लिया क्या उस पर किसानों से ब्याज नहीं वसूला गया तो समिति सचिव ने बताया चीनी मिल के विरुद्ध एफआईआर कराई गई इस पर सुनीता गंगवार ने पूछा एफ आई आर के तहत किसी को थाने में बंद किया गया तों कोई भी जबाब नहीं दिया गया इस के बाद एसडीएम उदित पवार ने भी धरना । स्थल पर जाकर बात की परन्तु कोई भी मानी नहीं गई तहसील प्रांगण में सैकड़ो की संख्या में किसान धरने पर बैठे थे सभी की एक ही मांग थी प्रशासन यह बताएं किसानों का गन्ना भुगतान का पैसा कब प्राप्त होगा किसानों ने गन्ना समिति पर भी आरोप लगाए कहा समिति द्वारा हमको खाद नहीं दी गई इसका मुख्य कारण यही था की ओसवाल चीनी मिलाने गन्ने का भुगतान नहीं किया है इस कारण गन्ना समिति ने किसानों को कर्ज में खाद नहीं दी।

इसके जवाब में भी गन्ना समिति सचिव कोई उत्तर नहीं दे सकी यहां पर उपस्थित पाती राम मनोज कुमार हरपाल सिंह प्रभु दयाल रविंद्र कुमार छोटेलाल भैरव प्रसाद बालक राम प्रेमपाल रतनलाल भगवान दास सुखलाल नरेश चंद कृष्ण पाल अजय कुमार महेश चंद मंगल सेन नंदकिशोर चंद्रसेन धनपाल तोताराम आदि सैकड़ो किसान उपस्थित थे एसडीम नवाबगंज उदित पवार ने स्वतंत्र प्रभात से बात करते हुए कहा चीनी मिल के नीलामी की प्रक्रिया चल रही है जिसकी चार सदस्य टीम बनी हुई है जिसमें एडीएम एसडीम समेत चार लोगों की टीम है ।

जिसके तहत लोक निर्माण के जे ई चीनी मिल मूल्यांकन कर रहे हैं मूल्यांकन पूर्ण होने के बाद चीनी मिल को नीलाम कर किसानों का गन्ना भुगतान दिया जाएगा गन्ना समिति सचिव मेधा जोशी ने बताया उनके द्वारा चीनी मिल के विरुद्ध उच्चअधिकारियों को लिखकर भेज दिया गया है जिसके तहत कार्यवाही हो रही है ओसवाल चीनी मिल के सभी गन्ना सेंटर अन्य चीनी मिलों को विभाजित कर दिए गए हैं । परंतु गन्ना आयुक्त द्वारा एक नम्बर चीनी मिल को पूर्ण भुगतान करने का निर्देश दिया गया है यदि नहीं किया तो सभी सेन्टर काट दिये जायेगेओसवाल चीनी मिल के वरिष्ठ गाना प्रबंधक बीएन मिश्रा ने बताया मिल चलने की पूर्ण संभावना है गन्ना किसानों के भुगतान के लिए भी उच्च स्तरीय कार्यवाही चल रही है परंतु अभी स्पष्ट नहीं किया जा सकता जब तक कोई फाइनल निर्देश प्राप्त नहीं होता है समाचार लिखे जाने तक प्रदर्शनकारियों का तहसील प्रांगण में धरना जारी था।

शादीशुदा महिला की प्रेम कहानी का खौफनाक अंत........

● छः लाख के जेवर बने जान के दुश्मन, प्रेमी ने 25 वर्षीय महिला को उतारा मौत के घाट

धौरहरा पुलिस ने 6 घण्टे में किया खुलासा,हत्यारोपी गिरफ्तार

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

धौरहरा खीरी। कोतवाली धौरहरा क्षेत्र के सरसवा के निकट मिले 25 वर्षीय महिला के शव के मामले में कोतवाली प्रभारी निरीक्षक धौरहरा शिवाजी दुबे व उनकी टीम ने महज 6 घंटे के अंदर सनसनीखेज खुलासा करते हुए हत्यारोपी को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया। गत शनिवार की सुबह कोतवाली क्षेत्र के वाली गांव निवासी श्याम की 25 वर्षीय पत्नी नीलम का शव सरसवा स्थित एलिमेंट्री स्कूल के निकट पाया गया था। घटना की सूचना पर पहुंची धौरहरा पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर जहां पीएम के लिए भेज दिया था वहीं गले पर कटे का निशान होने के कारण हत्या की आशंका व्यक्त करते हुए पुलिस ने जांच तेज कर दी और महज 6 घंटे के अंदर कोतवाली प्रभारी निरीक्षक शिवाजी दुबे एवं उनकी टीम ने हत्याकांड का खुलासा करने में सफलता प्राप्त की। कोतवाली प्रभारी निरीक्षक शिवाजी दुबे ने बताया नीलम की हत्या 6 लाख रुपए के जेवरों के लालच में की गई थी। हत्या करने वाले मृतका के प्रेमी अनिल कुमार यादव पुत्र सुरेश निवासी ग्राम सलारपुर थाना लहरपुर जिला सीतापुर को रेहुआ धौरहरा जाने वाले मार्ग के रसूलपुर मोड़ के पास से गिरफ्तार किया गया है वहीं अभियुक्त के कब्जे से करीब 6 लाख रुपए के सोने चांदी के जेवर एक बाइक यूपी 34 ए आर 2009 एच एफ डीलक्स के साथ आला कत्ल ब्लेड वाला लोहे का तार जिससे मृतका का गला काटा गया था,बरामद किया गया है। गिरफ्तार करने वाली टीम में कोतवाली प्रभारी निरीक्षक शिवाजी दुबे के साथ उपनिरीक्षक विनोद द्विवेदी आरक्षी सनी यादव लक्ष्मीकांत महिला आरक्षी स्वामी सोम शामिल रही।

विद्या निकेतन का छात्र PSC द्वारा जिओ केमिस्ट पद पर चयनित

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

गोला गोकर्णनाथ खीरी। स्थानीय विद्यालय विद्या कुँवरि स्मारक सरस्वती विद्या निकेतन इण्टर कॉलेज के पूर्व छात्र सुशान्त सिंह ने यू0पी0एस0सी0 द्वारा आयोजित संयुक्त भूवैज्ञानिक परीक्षा 2025 उत्तीर्ण कर भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण (Geological Survey of India) में जिओ केमिस्ट पद पर चयनित होकर अपनी मेधा, लगन और कठिन परिश्रम का शानदार प्रदर्शन किया है। सुशान्त सिंह 26 नवंबर 2025 को पद भार ग्रहण करेंगे ।मेधावी छात्र सुशान्त सिंह कक्षा 6 से इण्टरमीडिएट तक वि0कुँ0स्मा0 सरस्वती विद्या निकेतन इण्टर कॉलेज, गोला गोकर्णनाथ-खीरी के नियमित छात्र रहें हैं। इन्होने हाई स्कूल परीक्षा वर्ष 2016 में 93.8% अंक प्राप्त कर जनपद में प्रथम स्थान प्राप्त किया तथा इण्टरमीडिएट परीक्षा वर्ष 2018 में 89% अंक प्राप्त कर जनपद में चतुर्थ स्थान प्राप्त कर इंस्पायर छात्रवृत्ति के पात्र बने जिससे इनको शिक्षा-संबंधी खर्चों को पूरा करने के लिये केंद्र सरकार द्वारा रूस्र. तक प्रतिवर्ष 80000/- रूपये प्राप्त हुये। इन्होने वर्ष 2021 में केमिस्ट्री ऑनर्स में दिल्ली यूनिवर्सिटी से स्नातक की परीक्षा उत्तीर्ण कर वर्ष 2023 में आई0आई0टी0 बॉम्बे से केमिस्ट्री में एम0एस0सी0 की उपाधि प्राप्त की ।ज्ञात हो कि सुशान्त सिंह संघ लोक सेवा आयोग द्वारा आयोजित भू वैज्ञानिक परीक्षा उत्तीर्ण कर चुके हैं तथा वर्तमान में ढ्रस्त्र विक्रम साराभाई अंतरिक्ष केंद्र, तिरुवनंतपुरम में साइंटिस्ट हैं।

इनकी बहन भावना सिंह जो इसी विद्यालय की छात्रा रहीं है सहायक अनुभाग अधिकारी पद पर, केन्द्रीय सचिवालय में कार्यरत हैं।ग्रामीण पृष्ठभूमि के सुशान्त सिंह के पिता गिरेन्द्र पाल सिंह राठौर ग्राम मोहरैना-सिसनौर में कृषक एवं माता श्रीमती मंजू सिंह शिक्षा मित्र हैं । विद्यालय के प्राचार्य महेन्द्र कुमार त्रिपाठी एवं बालिका विभाग की प्राचार्या श्रीमती मधु त्रिपाठी ने छात्र को चांदी का मेडल देकर असाधारण बुद्धिमत्ता, निरंतर प्रयास और कड़ी मेहनत की सराहना तथा उज्ज्वल भविष्य की कामना की है।

युवक का शव बरामद, हत्या की आशंका

● मृतक की बहन ने मिलावटी डीजल का वीडियो बताया घटना का कारण,

पम्प मैनेजर समेत पम्प के दो अन्य कर्मी पर नामजद तहरीर

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

मैगलगंज खीरी। भट्ठा मोहल्ला के पास खाली पड़ी जमीन पर एक युवक का क्षत विक्षत अवस्था मे शव पड़े होने की सूचना क्षेत्र में आग की तरह फैल गई। मृतक युवक की पहचान मैगलगंज थाना क्षेत्र के रहजनिया गांव निवासी दो दिन पूर्व गायब हुए युवक ओमजी यादव के रूप में हुई। रहजनिया गांव निवासी ओमजी यादव पुत्र मानसिंह उम्र लगभग 28 वर्ष पास के एक पेट्रोल पंप पर सेल्समैन का कार्य करता था। जो 25 तारीख से शाम 3 बजे घर से लापता हुआ। परिजनों के अनुसार ओमजी यादव ने परिजनों को बताया कि जिस पेट्रोल पंप पर वह काम करता था,वहां उसका विवाद हुआ है। मैनेजर व दो अन्य स्टाफ उसको बुला रहा है। इतना कहकर वह घर से चला गया। उसके बाद वह घर नहीं पहुंचा। बीती 26 तारीख को घटना स्थल के कुछ दूरी के पास लावारिश अवस्था में मृतक युवक की बाइक बरामद हुई। जिसे पुलिस ने हिरासत में ले लिया। किसी अनहोनी की आशंका पर देर सुबह परिजनों को जिस स्थान पर लावारिस बाइक मिली थी। उसके आसपास क्षेत्र में तलाश शुरू कर दी। जिससे झाड़ियों के बीच क्षत विक्षत अवस्था में शव मिला। सूचना के बाद मैगलगंज पुलिस ने शव को कब्जे में ले लिया।

मृतक की बहन ने बताया कि मृतक युवक के द्वारा पेट्रोल पंप पर सेल्समैन के कार्य के दौरान सेल्स कर्मियों का डीजल चोरी करते हुए एक वीडियो बना लिया गया था। जिसको लेकर मैनेजर व दो अन्य स्टाफ के द्वारा वीडियो डिलीट करने को बराबर दबाव बनाया जा रहा था। जिसकी वजह से ही पेट्रोल पंप के लोगों पर हत्या किया जाने का आरोप भी लगाया।मृतक युवक की डेढ़ साल पूर्व शादी हुई थी। फिलहाल पुलिस इस मामले में अभी कुछ कहने से बच रही है, पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही स्थिति स्पष्ट होगी। मृतक की बहन सरिता देवी ने पंप के मैनेजर समेत दो अन्य पर नामजद तहरीर पुलिस को दी।घटनास्थल के पास पुलिस को कुछ खाली बोतलें व ढक्कन जिन पर स्कैनर चिपका हुआ था। वह मिले, पुलिस सारे सबूत इकट्ठे कर इस ओर भी कार्य करेगी।

वर्जन- इस बाबत इंस्पेक्टर मैगलगंज रविंद्र पांडे का कहना है कि परिजनों की तरफ से तहरीर मिली है शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। जांच की जा रही है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद स्थिति स्पष्ट होगी।

संक्षिप्त खबरें

डाला छठ पर्व को लेकर नगर पंचायत सुरियावा की तरफ से नगर स्थित तालाबों पर पूजन के लिए की गई व्यवस्था

भदोही/सुरियावां डाला छठ पर्व को देखते हुए नगर पंचायत सुरियावा में स्थित तालाबों पर नगर पंचायत की ओर से महिलाओं को डाला छठ पर्व पर पूजन करने हेतु व्यापक बंदोबस्त किया गया है स्नान के लिए तालाबों पर बैरिकेडिंग वस्त्र बदलने के लिएचेंजिंग रूम पीने की पानी के लिए वॉटर टैंकर ब्लीचिंग हुआ चुना का छिड़काव रोड एवंप्रकाश व्यवस्था किया गया है ताकि श्रद्धालु महिलाओं को किसी भी प्रकार के अव्यवस्थाओं का शिकार ना होना पड़े जिसके लिए अधिशासी अधिकारी सुरियावां सुजीत कुमार द्वारा मौके का निरीक्षण किया गया तथा नगर पंचायत कर्मियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिया।

चौरी बाजार रामलीला मंचन का 70वां वर्ष शुभारंभ

नारद मोह व मुकुट पूजा के साथ 6 दिवसीय कार्यक्रम शुरू

चौरी बाजार, भदोही। प्रगति परिषद एवं रामलीला परिषद के तत्वाधान में चौरी बाजार के ऐतिहासिक रामलीला मंचन का 70वां वर्ष रविवार, 26 अक्टूबर 2025 को हर्षोल्लास के साथ प्रारंभ हुआ। पहले दिन नारद मोह एवं मुकुट पूजा का भव्य मंचन किया गया, जिसे देखने के लिए भारी संख्या में श्रद्धालु व दर्शक उपस्थित रहे। उद्घाटन समारोह के मुख्य अतिथि पूर्व ब्लाक प्रमुख श्री विकास यादव एडवोकेट एवं उनकी धर्मपत्नी पूर्व ब्लाक प्रमुख श्रीमती सुनीता यादव रहीं, जिन्होंने दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। इस अवसर पर प्रगति परिषद एवं रामलीला परिषद के पदाधिकारी श्यामबिहारी पटेल, मुन्ना वर्मा सहित सभी सदस्यगण मौजूद रहे। रामलीला छह दिन तक प्रतिदिन विभिन्न लीलाओं के मंचन के साथ संचालित की जाएगी। आयोजन समिति के अनुसार 1 नवंबर 2025, शनिवार को प्रबोधिनी एकादशी के पावन अवसर पर चौरी बाजार का ऐतिहासिक भरत मिलाप मेला धूमधाम से सम्पन्न होगा।

जिला निर्वाचन अधिकारी ने ई0वी0एम0 व वीवीपैट स्ट्रांग रूम का किया मासिक निरीक्षण

सीसीटीवी कैमरा में विगत दिवसो के रिकॉर्डिंग की चेकिंग, फायर सेफ्टी उपकरण की वैलेडिटी तिथि, सुरक्षाकर्मियों को पूरी जिम्मेदारी व मुस्तैदी के साथ ड्यूटी करने का दिया निर्देश

भदोही:- जिला निर्वाचन अधिकारी शैलेष कुमार ने कलेक्ट्रेट परिसर स्थित ई0वी0एम0 व वीवीपैट स्ट्रांग रूम का मासिक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान ई0वी0एम0 के रख-रखाव, रजिस्टर तथा गेट पर सील लॉकर का निरीक्षण करते हुये ड्यूटी पर तैनात गार्डो आदि व्यवस्था के बारे में जानकारी प्राप्त करते हुये आवश्यक दिशा निर्देश दिया। उन्होंने सीसी टीवी कैमरा में विगत दिवसो की रिकॉर्डिंग की चेकिंग, फायर सेफ्टी उपकरण की वैलेडिटी तिथि आदि बिंदुओं का भी अवलोकन किया। उन्होंने सुरक्षा कर्मियों के उपस्थिति पंजिका को चेक करते हुए निर्देशित किया कि ड्यूटीरत सुरक्षाकर्मी पूरी जिम्मेदारी व मुस्तैदी के साथ देखरेख करें। सुरक्षा व्यवस्था में किसी भी स्तर पर ढिलाई बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

इस अवसर पर अपर जिलाधिकारी कुंवर वीरेंद्र मौर्य, जिला सूचना अधिकारी डॉ. पंकज कुमार, सहायक चकबंदी अधिकारी, सहायक जिला निर्वाचन अधिकारी संजय श्रीवास्तव व अन्य उपस्थित रहें।

"टीबी हारेगा, देश जीतेगा"- नवंबर तक भदोही को बनाया जाएगा टीबी मुक्त जिला : जिलाधिकारी

● 500 टीवी मरीजों को वितरित किया गया पोषण पोटली

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

भदोही 27 अक्टूबर 2025/ राष्ट्रीय क्षय रोग उन्मूलन कार्यक्रम के तहत स्वास्थ्य विभाग एवं सर्वम सेवा संस्था के सहयोग से 500 टीबी (क्षय रोग) रोगियों को पोषण पोटली वितरण कार्यक्रम का आयोजन चित्रांगन लॉन, ज्ञानपुर में किया गया। इस कार्यक्रम का शुभारंभ जिलाधिकारी शैलेष कुमार, जिला पंचायत अध्यक्ष अनिरुद्ध त्रिपाठी एवं जिला अध्यक्ष दीपक मिश्रा द्वारा संयुक्त रूप से वितरित किया गया। राष्ट्रीय छह रोग उन्मूलन कार्यक्रम में उत्कृष्ट योगदान देने वाले सर्वम सेवा संस्था के संजय भट्टाचार्य एवं सतीश शंकर यादव डीपीपीएमसी मिर्जापुर को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर जिलाधिकारी शैलेष कुमार ने कहा कि प्रधानमंत्री के संकल्प ÷टीबी मुक्त भारत÷ को साकार करने हेतु जिला प्रशासन दृढ़ संकल्पित है। उन्होंने कहा कि ÷टीबी हारेगा, देश जीतेगा÷ के संकल्प के साथ मा. मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी द्वारा जिला भदोही को नवंबर माह तक टीबी मुक्त बनाने का लक्ष्य रखा गया है। जिलाधिकारी ने सर्वम सेवा संस्था द्वारा जनस्वास्थ्य एवं सामाजिक क्षेत्र में किए जा रहे सराहनीय प्रयासों की प्रशंसा की और समाज के सभी वर्गों से इस मुहिम में सहयोग की अपील की।

सर्वम सेवा संस्था के संस्थापक मीनाक्षी भट्टाचार्य एवं संयोजक संजय भट्टाचार्य द्वारा बताया गया कि उनकी संस्था द्वारा जनपद भदोही सहित वाराणसी ,मिर्जापुर व अन्य जनपदों के टीबी के हजारों रोगियों को पोषण पोटली वितरण किया गया है। जनपद भदोही में 500 टीवी मरीजों को पोषण पोटली वितरण के बाद पुनः जल्द ही अन्य लोगों को भी वितरित किया जाएगा।

कार्यक्रम में उपस्थित मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. संतोष कुमार चक ने बताया कि निक्षय पोषण योजना के अंतर्गत समस्त चिन्हित एवं उपचाराधीन क्षय रोगियों को उपचार प्रारंभ होने पर ?3000 तथा उपचार के 84 दिन बाद 3000 की धनराशि दी जाती है। उन्होंने कहा कि सभी टीबी मरीज इस सुविधा का लाभ उठाने हेतु अपने बैंक खाता संख्या एवं आधार कार्ड के साथ निकटतम आयुष्मान आरोग्य मंदिर या चिकित्सालय में संपर्क करें।

जिला क्षय रोग अधिकारी डॉ. विवेक श्रीवास्तव ने टीबी के संभावित लक्षणों की जानकारी देते हुए बताया कि–बुखार, लगातार खांसी, थकान, भूख न लगना, रात में पसीना आना, वजन कम होना, सांस लेने में तकलीफ, सीने में दर्द, गर्दन में गांठें या अन्य ई.पी. लक्षण दिखाई देने पर तुरंत जांच कराना चाहिए।

उन्होंने कहा कि टीबी पूरी तरह से उपचार योग्य रोग है और समय पर जांच व नियमित दवा लेने से रोगी पूर्णतः स्वस्थ हो सकता है। कार्यक्रम में एसीएमओ डॉ ओपी शुक्ला, जिला सूचना अधिकारी डॉ पंकज कुमार, जिला मलेरिया अधिकारी राम आसरे, सर्वम सेवा संस्था के हिमांशु त्रिपाठी, सतीश शंकर यादव, अखिलेश कुमार व एवं लाभार्थी बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

एनपीपी भदोही में पंचम राज्य वित्त आयोग के अन्तर्गत सिविल व विद्युत के प्रस्तावित 22 कार्यो के कार्ययोजना पर हुई बैठक

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

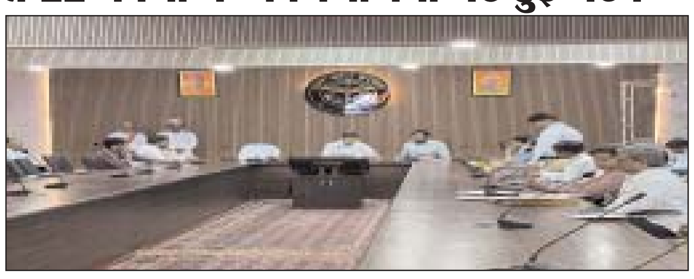

भदोही 27 अक्टूबर, 2025:- पंचम राज्य वित्त आयोग के अन्तर्गत नगर पालिका परिषद भदोही को प्राप्त धनराशि से कराये जाने वाले विकास कार्यो (सिविल व विद्युत) की कार्ययोजना की स्वीकृति हेतु जिलाधिकारी शैलेष कुमार की अध्यक्षता में कलेक्टेऊ्ट सभागार में आहूत की गयी। बैठक में नगर पालिका परिषद भदोही में राज्य वित्त मद के अन्तर्गत प्राप्त धनराशि के सापेक्ष कुल 28 वार्डो के अन्तर्गत प्रस्तावित 22 कार्यो के कार्ययोजना की भौतिक सत्यापन के पश्चात् प्रशासकीय एवं वित्तीय स्वीकृति प्रदान की जायेगी।

जिलाधिकारी ने लोक निर्माण विभाग के सहायक अभियंता सुभाष चन्द्र को निर्देशित किया कि प्रस्तावित सभी कार्यो का भौतिक सत्यापन इस पुष्टि के साथ करें कि पूर्व में ये कार्य नही हुए है। उन्होंने अधिशासी अधिकारी धर्मराज सिंह को निर्देशित किया कि सभी कार्य नियमानुसार व गुणवत्तापूर्ण ढंग से कराना सुनिश्चित करें।

भदोही नगर पालिका परिषद में इन्दिरापुल व गजियापुल के नीचे वेडिंग जोन पर लॉटरी से दुकाने आवंटित करने का जिलाधिकारी ने निर्देश दिया। प्रस्तावित 22 कार्य ज्यादातर भूमिगत नाला, अण्डरग्राउण्ड नाली व सी0सी0 मार्ग का निर्माण कार्य, इण्टरलाकिंग सड़क का निर्माण कार्य इत्यादि है। बैठक में अपर जिलाधिकारी वि0/रा0 कुंवर वीरेन्द्र मौर्य, नगर पालिका परिषद भदोही के जेई व अन्य अधिकारी व कर्मचारी उपस्थित रहे।

अस्त होते सूर्य को व्रती महिलाओं ने दिया अर्घ्य

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

चुनार मिर्जापुर। कार्तिक शुक्ल चतुर्थी से सप्तमी तक चलने वाले सूर्य उपासना का महापर्व का शुभारंभ शनिवार को नहाय खाय से शुरू हुआ। ब्रत धारण करने वाली महिलाओं ने दूसरे दिन रविवारकी शाम को गंगा घाट पहुँच कर पूजा के लिए वेदी का निर्माण कर वापस आयी और सोमवार की शाम गाजे बाजे के साथ छठी मइया की गीत काचे बांस क बहंगीआ, बहंगी लचकत जाय गाते हुए बालू घाट, टेकौर , बहरामगंज, टम्मलगंज, रामघाट आदि घाटो पर बने बेदी स्थल पर पहुँच कर पतीत पावनी माँ गंगा के जल में खडी होकर अस्त होते भगवान् भास्कर को अर्ध्य देकर अपने पुत्र व परिवार के दिर्घायु होने व पुत्र प्राप्ति की कामना की।तत्पश्चात जलते हुए दीप को लेकर घर को वापस हुई। नगर पालिका स्थित सभी घाटो तालाबों की साफ सफाई, पर्याप्त प्रकाश की ब्यवस्था, गहरे पानी मे जाने से रोकने के वैरिकेटिंग , महिलाओं को स्नान के बाद वस्त्र बदलने के लिए टेंट की ब्यवस्था नगर पालिका परिषद के अध्यक्ष मंसूर अहमद व अधिशासी अधिकारी विजय कुमार यादव के निर्देशन में पालिका के कर्मचारी गौरव पाण्डेय के देख रेख मे किया गया।शान्ति व सुरक्षा के मद्देनजर अपर पुलिस अधीक्षक मनीष कुमार मिश्रा,सीओ मंजरी राव व कोतवाल विजय शंकर सिंह के निगरानी में बड़ी वाहनों को स्टेंड में खड़ा करना पुलिस प्रशासन की ब्यवस्था चाक चौबंद रही।

डीएम,एसपी द्वारा छठ पर्व को सकुशल सम्पन्न कराये जाने के दृष्टिगत रामपुर घाट, ज्ञान सरोवर सहित छठ व्रतियों के अन्य पूजा स्थलों/पोखरो का किया गया स्थलीय निरीक्षण

● छठ का व्रत देता संतान को दीर्घायु का वरदान,ये छठ आपके जीवन में भी लाए उमंग,उल्लास और खुशियां अपार,मुबारक हो आपको छठ का त्योंहार

अस्ताचल सूर्य को छठी व्रत महिलाओं ने अर्घ्य देकर जनपदवासियों के सुख,समृद्धि की कामना

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

भदोही जिलाधिकारी शैलेष कुमार व पुलिस अधीक्षक अभिमन्यु मांगलिक द्वारा भक्ति एवं आस्था का पर्व छठ पूजा के अवसर पर छठ व्रतियों व श्रद्धालुओं को अपेक्षित सुविधा व सुरक्षा प्रदान करने हेतु राम घाट, हरिहरनाथ मंदिर स्थित ज्ञान सरोवर सहित छठ व्रतियों के अन्य पूजा स्थलों/पोखरो का स्थलीय निरीक्षण किया। जनपद में धूमधाम और हर्षौल्लास के साथ आयोजित हो रहा है छठ पूजा। जिलाधिकारी व पुलिस अधीक्षक ने छठ पूजा में प्रॉपर व्यवस्था व सुरक्षा के दृष्टिगत रामपुर घाट, हरिहरनाथ मंदिर स्थित ज्ञान सरोवर सहित अन्य घाटों का निरीक्षण किया। अस्ताचल सूर्य को छठी व्रत महिलाओं ने अर्घ्य देकर जनपदवासियों के सुख,समृद्धि की कामना किया। रामपुर घाट ,सीतामढ़ी घाट, सेमराध नाथ धाम घाट,हरिहरनाथ मंदिर स्थित ज्ञान सरोवर पर छठ पूजा के दृष्टिगत मेला जैसा उत्सव का माहौल है।

निरीक्षण के दौरान राम घाट, ज्ञान सरोवर पर छठ के दौरान आने वाले छठ व्रतियों व श्रद्धालुओं की संख्या आदि के बारे में अधिशाषी अधिकारी नगर पालिका गोपीगंज व भदोही से जानकारी प्राप्त करते हुये जिलाधिकारी ने घाट की साफ-सफाई, प्रकाश व्यवस्था, वैरिकेडिंग, कानून व्यवस्था, यातायात व्यवस्था सुदृढ करने के लिए कई आवश्यक निर्देश दिए। निरीक्षण के क्रम में बताया गया कि जिन घाटों पर पानी अधिक है वहां पर मजबूत बैरिकेटिंग करा दिया जाए व नाव, गोताखोर आदि की भी व्यवस्था सुनिश्चित की जाए ताकि कोई दुर्घटना न हो सके, साथ ही सभी घाटों पर प्रकाश की उचित व्यवस्था करने के साथ साथ सभी आवश्यक जगहों पर पुलिस बल की ड्यूटी लगाए जाने हेतु जिलाधिकारी द्वारा निर्देशित किया गया।

निरीक्षण के दौरान छठ व्रतियों व श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की परेशानी या दिक्कत न हो, साथ ही सभी छठ घाटों पर आधारभूत सुविधा उपलब्ध कराने के सम्बन्ध में जिलाधिकारी द्वारा उप जिलाधिकारी ज्ञानपुर भान सिंह व अधिशाषी अधिकारी नगर पालिका गोपीगंज आर बी यादव को निर्देशित किया गया कि सी.सी.टी.वी. कैमरे से निगरानी की जाये। जिलाधिकारी व पुलिस अधीक्षक ने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि विभिन्न स्थानों पर आवश्यकतानुसार पुलिस/प्रशासन के अधिकारी/कर्मचारियों की ड्यूटी लगायी जाये। यह भी निर्देशित किया गया कि आवारा पशु घूमते हुये न दिखायी पड़े यह सुनिश्चित कर लिया जाये।

छठ का व्रत देता संतान को दीर्घायु का वरदान,ये छठ आपके जीवन में भी लाए उमंग,उल्लास और खुशियां अपार,मुबारक हो आपको छठ का त्योहार। छठ का पर्व विशेष रूप से सूर्य उपासना का संदेश देता है।इसमें हर भक्त चाहता है कि उन्हें छठी मैया का आशीर्वाद मिले और जीवन में नव प्रकाश हो। निरीक्षण के दौरान पुलिस क्षेत्राधिकारी चमन सिंह चावड़ा, एएमए अनिल त्यागी,अधिशाषी अधिकारी नगर पालिका आर बी यादव सहित अन्य संबंधित अधिकारी/कर्मचारी आदि उपस्थित रहे।

पंचायत भवन में महीने महीने तक बंद रहता है ताला

पंचायत भवन में नहीं बैठते हैं पंचायत सहायक कागज पर लगता है हाजिरी।

हलिया मिर्जापुर। हलिया स्थानीय विकासखंड के ग्राम पंचायत कोठी धौकल सिंह के पंचायत भवन में महीने महीने तक लटकता रहता है ताला पंचायत भवन में नहीं बैठते हैं पंचायत सहायक स्थानीय ग्रामीणों ने बताया कि लगातार कई महीनो से बंद चल रहा पंचायत भवन पंचायत भवन में पंचायत सहायक या कोई कर्मचारी नहीं बैठते हैं ग्रामीणों को किसी भी काम का आवश्यकता होता है तो कागज लेकर महीने तक टहलते रहते हैं ग्रामीण नहीं होता ग्रामीणों का कार्य जिससे ग्रामीणों ने जिला प्रशासन का ध्यान आकृष करना चाहते हैं कि पंचायत भवन में पंचायत सहायक की नियुक्ति किया गया है तो बराबर पंचायत भवन में पंचायत सहायक मिले जिससे होगा ग्रामीणों का कार्य।

मिशन शक्ति फेज 5.0 कार्यक्रम के तहत फेयर एंड केयर इंटर कॉलेज कावल थाना ज्ञानपुर में छात्राओं को किया गया जागरूक

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

भदोही। जनपद भदोही में मिशन शक्ति 5.0 के तहत महिलाओं एवं बालिकाओं को उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा संचालित "मिशन शक्ति फेज-5.0" के अंतर्गत महिलाओं एवं बालिकाओं की सुरक्षा, सम्मान एवं आत्मनिर्भरता को सुनिश्चित करने हेतु पुलिस अधीक्षक भदोही अभिमन्यु मांगलिक के निर्देशन में एवं अपर पुलिस अधीक्षक शुभम अग्रवालजनपद भदोही के पर्यवेक्षण में पुलिस द्वारा व्यापक जन-जागरूकता अभियान चलाया गया। अभियान के अंतर्गत आज दिनांक 27.10.2025 को फेयर एंड केयर इंटर कॉलेज कावल थाना ज्ञानपुर जनपद भदोही में उ0नि0 ओम प्रकाश यादव द्वारा एंटी रोमियो टीम के साथ छात्राओं को अधिकारों, सुरक्षा संसाधनों व कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी दी गई।

छात्राओं को कम्युनिटी पुलिसिंग एवं महिला सशक्तिकरण के तहत महिला सुरक्षा व बचाव संबंधी जानकारी दी गई और शासन द्वारा जारी हेल्प लाइन नम्बर, जैसे-1090, 112, 1076, 1098, 108 की विस्तृत जानकारी देते हुए संकट के समय इनके प्रयोग हेतु बताया गया। साथ ही साइबर अपराधों के संबंध में अवगत कराते हुए इससे बचने और सतर्क रहने हेतु 1930 हेल्प लाइन नंबर का उपयोग करने के संबंध में जानकारी दी गई। सरकार द्वारा महिलाओं से संबंधित संचालित विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं के संबंध में जानकारी देकर व पम्पलेट वितरित उन्हें जागरूक किया गया।

'छठ' आराधना का तीसरा दिन, डूबते "सूर्य" को अर्घ्य - आस्था का सूरज और भक्ति का उत्सव!

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

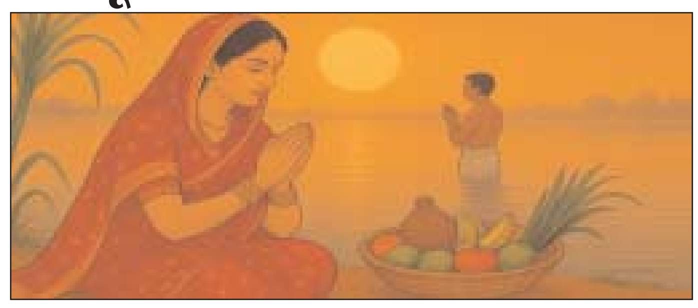

भारत। छठ पूजा, भारतीय संस्कृति का एक ऐसा अनमोल रत्न है, जो न केवल आध्यात्मिकता की गहराई को दर्शाता है, बल्कि प्रकृति और मानव जीवन के बीच अटूट रिश्ते को भी उजागर करता है। यह चार दिवसीय पर्व, जो मुख्य रूप से बिहार, झारखंड, पूर्वी उत्तर प्रदेश और नेपाल के कुछ हिस्सों में हर्षोल्लास के साथ मनाया जाता है, सूर्य देव और छठी मैया के प्रति अगाध श्रद्धा का प्रतीक है। इस पर्व का तीसरा दिन, जिसे ÷संध्या अर्घ्य÷ या ÷डूबते सूर्य को अर्घ्य÷ के नाम से जाना जाता है, भक्ति, तप और सामूहिकता का एक अनुपम संगम है। यह दिन हर श्रद्धालु के दिल में आस्था की लौ जलाता है और प्रकृति के प्रति कृतज्ञता का भाव जगाता है। छठ पूजा का तीसरा दिन, जो कार्तिक मास के शुक्ल पक्ष की षष्ठी तिथि को आता है, इस पर्व का सबसे महत्वपूर्ण और भावपूर्ण दिन माना जाता है। इस दिन डूबते सूर्य को अर्घ्य अर्पित किया जाता है, जो जीवन की ऊर्जा, शक्ति और समृद्धि का प्रतीक हैं। सूर्यास्त के समय, जब आकाश लालिमा से सराबोर होता है और जलाशय उसकी छवि को अपने आंचल में समेट लेता है, तब श्रद्धालु सूर्य देव को अर्घ्य देकर अपने परिवार की सुख-शांति और दीर्घायु की कामना करते हैं। यह पल न केवल आध्यात्मिक होता है, बल्कि यह प्रकृति और मानव के बीच एक गहरे रिश्ते को भी दर्शाता है। मान्यता है कि सूर्य की उपासना से शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य में सुधार होता है, वहीं छठी मैया बच्चों की रक्षा और परिवार की खुशहाली का आशीर्वाद देती हैं। यह दिन श्रद्धालुओं को सिखाता है कि जीवन की हर चुनौती को संयम और विश्वास के साथ पार किया जा सकता है। संध्या अर्घ्य का दिन व्रतियों के लिए कठिन तप का दिन होता है। व्रती पूरे दिन बिना पानी और भोजन के उपवास रखते हैं। यह तपस्या न केवल उनकी भक्ति को दर्शाती है, बल्कि आत्मिक शुद्धि और संयम का प्रतीक भी है। इस दिन नदी, तालाब या जलाशय के किनारे घाटों को साफ-सुथरा कर सजाया जाता है। बांस की टोकरियों, जिन्हें "दउरा" या "सूप" कहा जाता है, में केला, गन्ना, नारियल, ठेकुआ और अन्य मौसमी फल सजाए जाते हैं। ये प्रसाद प्रकृति के प्रति आभार और सादगी का प्रतीक हैं। सूर्यास्त के समय, व्रती और उनके परिवारजन जलाशय में खड़े होकर डूबते सूर्य को दूध और जल से अर्घ्य अर्पित करते हैं। इस दौरान भक्ति भजनों और छठ के लोकगीतों की मधुर धुनें वातावरण को और पवित्र बनाती हैं। सूर्य की लालिमा और जल का शांत प्रवाह एक ऐसा दृश्य रचता है, जो हर किसी के मन को भाव-विभोर कर देता है।

सूर्य को अर्घ्य देने के बाद, छठी मैया की पूजा की जाती है। प्रसाद में शामिल ठेकुआ और अन्य व्यंजन छठी मैया को अर्पित किए जाते हैं, जो परिवार की समृद्धि और सुख की कामना के साथ प्रस्तुत किए जाते हैं। यह दिन समुदाय के एकजुट होने का भी प्रतीक है। लोग एक-दूसरे की मदद करते हैं, घाटों को सजाते हैं और छठ मैया के गीतों के साथ उत्सव को और जीवंत बनाते हैं। ये गीत, जो पीढ़ियों से चले आ रहे हैं, भक्ति और संस्कृति का अनमोल खजाना हैं। संध्या अर्घ्य का दिन केवल धार्मिक अनुष्ठान तक सीमित नहीं है; यह प्रकृति के प्रति हमारी जिम्मेदारी को भी याद दिलाता है। सूर्य और जल, जो जीवन के आधार हैं, उनकी पूजा के माध्यम से हम प्रकृति के प्रति अपनी कृतज्ञता व्यक्त करते हैं। इस पर्व में स्वच्छता और अनुशासन का विशेष महत्व है। घाटों और जलाशयों की साफ-सफाई पर ध्यान देना इस बात का प्रतीक है कि हमारा आध्यात्मिक जीवन प्रकृति के संरक्षण के बिना अधूरा है। छठ पूजा का तीसरा दिन, संध्या अर्घ्य, आस्था, तप और प्रेम का एक अनुपम उत्सव है। जब श्रद्धालु डूबते सूर्य को अर्घ्य अर्पित करते हैं, तो उनकी आंखों में विश्वास की चमक और मन में छठी मैया के प्रति अगाध श्रद्धा साफ झलकती है। यह पर्व हमें सिखाता है कि सादगी, संयम और भक्ति के साथ किया गया हर कार्य जीवन को सार्थक बना सकता है। यह न केवल सूर्य और छठी मैया की आराधना का अवसर है, बल्कि परिवार, समुदाय और प्रकृति के साथ एक गहरे रिश्ते को मजबूत करने का पर्व भी है। आइए, इस पवित्र पर्व में डूबकर हम भी प्रकृति और आस्था के इस अनमोल संगम का हिस्सा बनें।

राज्यमार्ग 74 पर सड़क से झाड़ियों को साफ कराया जा रहा

सीखड़, मीरजापुर। डीपीआरओ संतोष कुमार के निर्देश पर राज्यमार्ग संख्या 74 पर मौजूद झाड़ियों की साफ सफाई सफाईकर्मियों को लगाकर कराया जा रहा है। उक्त मार्ग पर मंगरहां से मेडियां के बीच सड़क के दोनों किनारों पर मौजूद बड़ी बड़ी झाड़ियां इस मार्ग पर दुर्घटनाओं का कारण बन रही थी। रविवार को डीपीआरओ सीखड़ क्षेत्र में छठ पूजा के लिए साफ सफाई की निगरानी कर रहे थे इसी दौरान राज्यमार्ग 74 पर मौजूद बड़ी बड़ी झाड़ियों पर उनकी नजर पहुंची तो उन्होंने तत्काल सीखड़ विकासखण्ड पर तैनात एडीओ पंचायत को इसे साफ कराने का निर्देश दिया गया था। सोमवार सुबह से करीब डेढ़ दर्जन सफाईकर्मियों की टीम राज्यमार्ग 74 पर मंगरहां से खानपुर के बीच पटरियों पर मौजूद झाड़ियों को काटते दिखाई दिए। पटरियों पर मौजूद बड़ी बड़ी झाड़ियों की वजह से उक्त राज्यमार्ग पर आए दिन दुर्घटनाएं हो रही थी। सड़क के दोनों छोर पर सफाई होता देख ग्रामीणों ने भी प्रसन्नता व्यक्त किया और डीपीआरओ संतोष कुमार की सजगता के लिए उन्हें धन्यवाद देते हुए दिखाई दिए।

प्रतिबंधित पशुओं के कटान के मामलें में ग्यारह पर मुकदमा दर्ज

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

भदोही। कोतवाली क्षेत्र के जमुन्द कसाई मोहल्ले में प्रतिबंधित पशुओं के कटान की सूचना पर भदोही पुलिस ने रविवार को बड़ी कार्रवाई करते हुए इलाके में छापेमारी की। पुलिस को मौके से 36 राशि पड़वा, करीब 4 कुंतल 65 किलो मीट बरामद हुआ है। इस मामलें में भदोही पुलिस ने ग्यारह लोगों पर सम्बंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज किया हैं। छापेमारी की अगुवाई प्रभारी निरीक्षक सच्चिदानंद पांडेय ने की। पुलिस टीम के साथ फॉरेंसिक यूनिट और पशु चिकित्सा विभाग की टीम भी मौजूद रही। अवैध बूचड़खानों में पुलिस की दबिश के बाद स्थानीय स्तर पर अफरा-तफरी का माहौल देखने को मिला।

प्रभारी निरीक्षक सच्चिदानंद पांडेय की तहरीर पर पुलिस ने फिरोज पुत्र करमतुल्ला कुरैशी, फैजान पुत्र फिरोज, सलमान पुत्र फिरोज, तौफीक पुत्र अजीमुल्ला, मोहम्मद अली पुत्र मुनव्वर, रियाज पुत्र छोटकू, खुर्शीद पुत्र मकबूल, झिंगुरी पुत्र इसहॉक, शकील पुत्र कमरुद्दीन, सरिक पुत्र पुद्दन, तामिर पुत्र पुद्दन के खिलाफ संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज किया है।

पुलिस अधिकारियों के अनुसार, सभी आरोपियों पर गौवध निवारण अधिनियम और पशु क्रूरता निवारण अधिनियम के तहत कार्रवाई की गई है।सोमवार को भी पुलिस टीम कसाई टोले में डटी रही और अवैध कटान से जुड़ी गतिविधियों की निगरानी करती रही। उधर, पुलिस का कहना है कि इलाके में इस तरह की गतिविधियों को किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

सूर्य उपासना के महापर्व पर सीखड़ घाट पर महिलाओं का उमड़ा जनसैलाब

● अस्ताचलगामी सूर्य को दिया अर्घ्य

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

सीखड़, मीरजापुर। सूर्य उपासना के महापर्व के तीसरे दिन सोमवार को सीखड़ घाट पर हजारों महिला पुरूषों ने सीखड़ गंगा घाट पर अस्ताचलगामी सूर्य को अर्घ्य दिया।चार बजे शाम से ही व्रती महिलाओं का जमघट अर्घ्य देने के लिए लगना शुरू हो गया था। सीखड़ घाट पर क्षेत्र के गोरईयां,सीखड़,लरछुट,बटौवां,पचराव सहित दर्जनों गांवों की महिला पुरूषों घाट पर पहुंच कर भगवान भास्कर सूर्य देवता के अस्ताचलगामी स्वरूप का विधि-विधान पूर्वक पूजन अर्चन करते हुए अर्घ्य दिया और मन्नतें मांगी।छठ मैय्या के जयकारे से पूरा घाट गूंजायमान हों रहा था।छठ पूजा पर सीखड़ घाट पर भारी भीड़ को देखते हुए पुलिस प्रशासन भी सक्रिय रहा और श्रद्धालुओं के सुरक्षा की दृष्टि से पुलिस कर्मियों की जगह जगह ड्यूटी लगाई गई थी। सीखड़ गंगा घाट पर हल्का प्रभारी वशिष्ठ नारायण यादवहम राही कानेस्टेबल भानुप्रताप सिंह दीपक यादव के साथ मौजूद रहे। थाना प्रभारी विजय शंकर सिंह पल पल की जानकारी लेते रहे।घाट पर आयें हुए श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की असुविधा न हो इसके लिए स्वास्थ्य विभाग विनीता सिंह,एनम प्रियदर्शिनी सिंह,एनम सरवेन्द सिंह सीएच ओ घाट पर तैनात रहे वही राजस्व व पंचायत विभाग से कर्मचारियों अधिकारियों की ड्यूटी लगाई गई थी। सीखड़ घाट पर छठ पूजा का सारा प्रबंध ग्रामीणों के सहयोग से समाजसेवी व पत्रकार बंधुओं द्वारा किया गया था, जिसमें रतन पाण्डेय,अभय राज मिश्र, कौशल पति त्रिपाठी,राजन दूबे कृष्णा, अंकूर अंकित दूबे,भोलू तिवारी,विरेश मिश्रा,जेपी सिंह मास्टर, राजेश सिंह गज्जर, कलराज,मोनू, हिमांशु तिवारी सहित सभी कार्यकर्ताओं ने भी अपना सराहनीय योगदान दिया। उक्त अवसर पर हजारों पूजन करने वाली महिलाएं और धरनार्थिय उपस्थित रहे।

संक्षिप्त खबरें

युवा सम्मेलन में गूंजी आत्मनिर्भर भारत की गूंज

युवा ही विकसित भारत का सपना साकार करेंगे : राजेश शुक्ल

नैनी प्रयागराज। नैनी स्थित अभिनंदन गेस्ट हाउस में आत्मनिर्भर भारत संकल्प अभियान के तहत भव्य युवा सम्मेलन का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता यमुनापार जिलाध्यक्ष राजेश शुक्ल ने की तथा संयोजन भाजपा युवा मोर्चा जिलाध्यक्ष सुधाकर पाण्डेय ने सफलतापूर्वक किया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में भाजपा के वरिष्ठ नेता एवं विधान परिषद सदस्य विद्यासागर सोनकर, विशिष्ट अतिथि के रूप में इलाहाबाद लोकसभा के पूर्व प्रत्याशी नीरज त्रिपाठी, क्षेत्रीय मंत्री सत्यम मिश्रा सहित कई प्रमुख पदाधिकारी उपस्थित रहे।सम्मेलन में वक्ताओं ने कहा कि राष्ट्र के युवा ही प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विकसित भारत के संकल्प को साकार कर सकते हैं। इसके लिए प्रत्येक युवा को स्वर्गीय पंडित दीनदयाल उपाध्याय के सूत्र ÷पहले देशी, फिर स्वदेशी, मजबूरी में विदेशी÷ को जीवन में उतारना होगा।

40 बेरोजगार युवक- युवतियों को मिलेगा माली का प्रशिक्षण अवसर

खुसरोबाग प्रयागराज में दो माह का औद्यानिक प्रशिक्षण, आवेदन 15 नवंबर तक

ब्यूरो प्रयागराज। एकीकृत बागवानी विकास मिशन योजना के अंतर्गत वर्ष 2025-26 में 40 बेरोजगार युवक एवं युवतियों को माली (गार्डनिंग) का प्रशिक्षण दिया जाएगा। यह प्रशिक्षण कार्यक्रम औद्यानिक प्रयोग एवं प्रशिक्षण केंद्र, खुसरोबाग प्रयागराज में आयोजित किया जाएगा, जिसकी अवधि लगभग दो माह (390 घंटे) की होगी।औद्यानिक प्रयोग एवं प्रशिक्षण केंद्र खुसरोबाग प्रयागराज के मुख्य उद्यान विशेषज्ञ डॉ. वीरेंद्र सिंह ने बताया कि इस प्रशिक्षण में प्रयागराज, मिर्जापुर एवं चित्रकूट धाम मंडल बांदा के सभी जनपदों के प्रतिभागी आवेदन कर सकते हैं। आवेदन की अंतिम तिथि 15 नवंबर 2025, शाम 5 बजे तक निर्धारित की गई है। पात्रता के लिए अभ्यर्थी की आयु 18 से 40 वर्ष के बीच होनी चाहिए तथा शैक्षिक योग्यता कम से कम कक्षा 8 उत्तीर्ण होना आवश्यक है। अधिक जानकारी एवं आवेदन से संबंधित विवरण के लिए इच्छुक अभ्यर्थी प्रशिक्षण प्रभारी वी.के. सिंह से व्यक्तिगत रूप से अथवा दूरभाष 9415128818 पर संपर्क कर सकते हैं।

मुट्ठीगंज में सड़क धंसी, तीन दिन से ठप यातायात - थोक बाजार का कारोबार बुरी तरह प्रभावित

ब्यूरो प्रयागराज– मुट्ठीगंज में जिले का प्रमुख थोक गल्ला बाजार पूरी तरह ठप पड़ गया है। रामभवन चौराहा के पास सड़क अचानक धंस जाने से पिछले तीन दिनों से यातायात पूरी तरह बंद है। गड्ढा इतना बड़ा और गहरा हो गया है कि किसी भी वाहन का इस रास्ते से निकलना नामुमकिन हो गया है। इसके चलते व्यापारियों को भारी नुकसान झेलना पड़ रहा है और आम लोगों की दिनचर्या भी प्रभावित हो गई है। नगर निगम की लापरवाही उजागर दशहरा से पहले ही इस जगह पर सड़क में दरारें पड़नी शुरू हो गई थीं, लेकिन नगर निगम ने समय रहते ध्यान नहीं दिया। तीन दिन पहले जब सड़क पूरी तरह धंस गई तो निगम के अधिकारी मौके पर पहुंचे और जेसीबी मशीन से खुदाई कराई, जिससे गड्ढा और गहरा हो गया। गिरने और चोटिल होने के खतरे को देखते हुए नगर निगम ने बैरिकेडिंग तो कर दी, लेकिन अब तक गड्ढे को भरा नहीं जा सका है। स्थानीयों को पैदल निकलना पड़ रहा गड्ढे के कारण मुट्ठीगंज बड़ा चौराहा की तरफ जाने वाला मार्ग पूरी तरह बंद है। आसपास की दुकानों तक ग्राहक नहीं पहुंच पा रहे हैं, जिससे कारोबार ठप है। वहीं स्थानीय लोगों को अपने घरों से पैदल निकलना पड़ रहा है। बच्चों को स्कूल भेजने के लिए वाहन दूर ही रोक दिए जाते हैं। स्कूल वैनें गलियों में प्रवेश नहीं कर पा रही हैं। स्थानीय व्यापारियों और निवासियों ने नगर निगम से जल्द से जल्द सड़क की मरम्मत कर रास्ता चालू कराने की मांग की है, ताकि लोगों को राहत मिल सके और बाजार की रौनक फिर लौट सके।

सुप्रीम कोर्ट से फिर नहीं मिली उमर खालिद-शरजील इमाम समेत चार को राहत, जमानत याचिकाओं पर सुनवाई टली

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

ब्यूरो प्रयागराज। सुप्रीम कोर्ट ने आज (27 अक्टूबर) दिल्ली दंगों की व्यापक साजिश के मामले में उमर खालिद, शरजील इमाम, मीरान हैदर, गुलफिशा फातिमा और शिफा उर रहमान की जमानत याचिकाओं पर जवाबी हलफनामा दाखिल करने के लिए दिल्ली पुलिस के दो हफ्ते के समय के अनुरोध को अस्वीकार कर दिया। यह कहते हुए कि पर्याप्त समय पहले ही दिया जा चुका है, न्यायमूर्ति अरविंद कुमार और न्यायमूर्ति एनवी अंजारिया की पीठ ने मामले की सुनवाई शुक्रवार 31 अक्तूबर के लिए स्थगित कर दी और दिल्ली पुलिस से इस बीच जवाबी हलफनामा दाखिल करने को कहा। दरअसल, जस्टिस अरविंद कुमार और जस्टिस एनवी अंजारिया की बेंच के सामने अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल (एएसजी) एसवी राजू ने जवाब दाखिल करने के लिए कुछ और समय देने की मांग की थी। इसके बाद कोर्ट ने सुनवाई की तारीख आगे बढ़ा दी। पीठ ने अपनी टिप्पणी में कहा, "साफ तौर पर कहें तो, जमानत मामलों में जवाब दाखिल करने की आवश्यकता नहीं होती।" उमर खालिद की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता कपिल सिब्बल ने इस बात पर ज़ोर दिया कि याचिकाकर्ता 5 साल से ज़्यादा समय से जेल में हैं। वरिष्ठ अधिवक्ता एएम सिंघवी ने कहा कि पूरा मामला मुकदमे में देरी का है और सुनवाई में और देरी नहीं होनी चाहिए। अंततः, पीठ मामले की अगली सुनवाई शुक्रवार को तय करने पर सहमत हो गई। न्यायमूर्ति कुमार ने परोक्ष रूप से यह सुझाव देते हुए पूछा, "श्री राजू, यह भी देखिए कि क्या आप कुछ निष्कर्ष निकालने के बारे में सोच सकते हैं...।" उन्होंने इस पर विचार करने का सुझाव दिया कि क्या देरी के आधार पर रियायत के आधार पर ज़मानत दी जा सकती है। एएसजी ने जवाब दिया, "मुझे इस पर एक नज़र डालने दीजिए, लेकिन कभी-कभी दिखावा भ्रामक हो सकता है।" न्यायमूर्ति कुमार ने कहा, "हम यह नहीं कह रहे हैं कि हमने पूरी बात पढ़ ली है, आखिरकार, यह ज़मानत का मामला है... उन्होंने 5 साल पूरे कर लिए हैं।" याचिकाकर्ताओं ने 2 सितंबर को दिल्ली उच्च न्यायालय के उस आदेश को चुनौती दी है, जिसमें उनकी जमानत याचिका खारिज कर दी गई थी। इस मामले में सुप्रीम कोर्ट में 22 सितंबर को भी सुनवाई हुई थी, तब दिल्ली पुलिस को नोटिस जारी कर जवाब मांगा था। इससे पहले दिल्ली हाईकोर्ट ने कहा था कि नागरिकों की तरफ से प्रदर्शनों या विरोध के नाम पर साजिशन हिंसा स्वीकार नहीं की जा सकती। मामले में उमर खालिद और शरजील इमाम के अलावा गुलफिशा फातिमा, मीरान हैदर, मोहम्मद सलीम खान, शिफा-उर-रहमान, अतर खान, अब्दुल खालिद सैफी और शादाब अहमद की भी याचिकाएं खारिज कर दी गई थीं। एक अन्य आरोपी तसलीम अहमद की याचिका भी 2 सितंबर को अलग पीठ ने खारिज की थी। अदालत ने अपने आदेश में कहा था कि संविधान नागरिकों को शांतिपूर्ण, व्यवस्थित और कानूनसम्मत विरोध का अधिकार देता है, परंतु यह अधिकार पूर्ण नहीं है और उस पर उचित प्रतिबंध लगाए जा सकते हैं। निर्णय में यह भी कहा गया था कि अगर विरोध का असीमित अधिकार दिया जाए तो वह सांविधानिक ढांचे और कानून-व्यवस्था के लिए खतरा बन सकता है। उमर खालिद, शरजील इमाम और अन्य आरोपियों पर फरवरी 2020 के उत्तर-पूर्वी दिल्ली दंगों की "साजिश रचने" का आरोप है। यह हिंसा नागरिकता (संशोधन) अधिनियम और राष्ट्रीय नागरिक रजिस्टर के विरोध प्रदर्शनों के दौरान भड़की थी, जिसमें 53 लोगों की मौत हुई थी और 700 से अधिक घायल हुए थे। सभी आरोपी इन आरोपों से इनकार करते रहे हैं और 2020 से जेल में बंद हैं। ट्रायल कोर्ट से जमानत खारिज होने के बाद उन्होंने हाईकोर्ट और अब सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया है।

अनुसूचित जाति के लड़के को महज घर छूने पर महिला ने बंधक बनाकर पीटा, हाईकोर्ट ने अग्रिम जमानत देने से किया इनकार

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

ब्यूरो प्रयागराज। हिमाचल प्रदेश हाईकोर्ट ने एक महिला को अग्रिम ज़मानत देने से इनकार किया, जिस पर मृतक बच्चे को बंधक बनाकर पीटने का आरोप है, क्योंकि वह अनुसूचित जाति का है और उसने उसके घर को छुआ था। उसने कथित तौर पर अपने घर के शुद्धिकरण के लिए बलि का बकरा भी मांगा था। न्यायालय ने कहा कि आरोपी का ऐसा आचरण स्पष्ट रूप से जाति-आधारित भेदभाव से प्रेरित है। जस्टिस राकेश कैंथला ने टिप्पणी की: "स्टेटस रिपोर्ट और FIR को प्रथम दृष्टया पढ़ने से पता चलता है कि आरोपी ने मृतक (अनुसूचित जाति के एक सदस्य) को इसलिए पीटा, क्योंकि मृतक ने आरोपी के घर को छू लिया था और वह शुद्धिकरण के लिए बलि का बकरा चाहती थी। इसलिए मृतक की जाति के कारण अपराध किया गया।" याचिकाकर्ता पुष्पा देवी ने भारतीय न्याय संहिता, 2023 (BNS) की धारा 107 (अपराध के लिए उकसाना), 127(2) (आत्महत्या के लिए उकसाना), और 115(2) (अपराध न होने पर उकसाने के लिए दंड) के साथ धारा 3(5) (दुष्प्रेरक का दायित्व) के तहत अपराधों के लिए गिरफ्तारी-पूर्व जमानत की मांग करते हुए एक याचिका दायर की। अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति (अत्याचार निवारण) अधिनियम, 1989 की धारा 3(2)(1) (पीड़ित के अनुसूचित जाति या अनुसूचित जनजाति से संबंधित होने के आधार पर किसी भी कानून के तहत दंडनीय अपराध करना) और 3(2)(1a) (किसी व्यक्ति के खिलाफ उसकी जाति या जनजाति के आधार पर भारतीय दंड संहिता या अन्य कानून के तहत कोई अपराध करना) के तहत भी आरोप लगाए गए। जैसा कि पुलिस ने आरोप लगाया, आरोपी ने अनुसूचित जाति से संबंधित पीड़ित को अपनी गौशाला के अंदर बंद कर दिया और कहा कि वह जब तक बकरी उसे नहीं दे दी जाती, तब तक उसे रिहा न किया जाए। अदालत ने पाया कि आरोपी ने पीड़ित को इसलिए पीटा, क्योंकि उसने उसके घर को छुआ था और इसके बाद उसने अपने घर की शुद्धि के लिए एक बकरी की मांग की। उसने दो-तीन महिलाओं के साथ मिलकर पीड़ित को पीटा और गौशाला में बंद कर दिया। अदालत ने टिप्पणी की कि आरोपी और पीड़ित दोनों एक ही गांव के हैं और अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति अधिनियम की धारा 8(सी) के अनुसार, यह माना जाता है कि आरोपी को आरोपी की जाति का पता था। इस प्रकार, अदालत ने निष्कर्ष निकाला कि यह याचिका SC/ST Act की धारा 18 के तहत अग्रिम ज़मानत के लिए सुनवाई योग्य नहीं है।

सीजेआई गवई ने अपने उत्तराधिकारी के रूप में की जस्टिस सूर्यकांत के नाम की सिफारिश

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

ब्यूरो प्रयागराज। देश के मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई) जस्टिस बीआर गवई ने अपने उत्तराधिकारी के रूप में जस्टिस सूर्यकांत के नाम की सिफारिश की है। उन्होंने जस्टिस सूर्यकांत के नाम को कानून मंत्रालय को भेजा है। उन्होंने इस संबंध में औपचारिक चिट्ठी लिखी है। यह कदम उस समय आया, जब पिछले दिनों कानून मंत्रालय ने जस्टिस गवई से उनके उत्तराधिकारी का नाम पेश करने की अपील की थी। न्यायमूर्ति सूर्यकांत, जो सुप्रीम कोर्ट के मौजूदा सबसे वरिष्ठ न्यायाधीश हैं और वरिष्ठता क्रम में पहले स्थान पर हैं, न्यायमूर्ति गवई के सेवानिवृत्त होने पर पदभार ग्रहण करेंगे। जस्टिस बीआर गवई 23 नवंबर को रिटायर हो रहे हैं। उनके रिटायर होने के अगले दिन यानी 24 नवंबर को जस्टिस सूर्यकांत भारत के 53वें मुख्य न्यायाधीश के रूप में शपथ लेंगे। उनके कार्यकाल की अवधि लगभग 14 महीने होगी और वे 9 फरवरी 2027 को रिटायर होंगे। न्यायमूर्ति गवई ने मई 2025 में भारत के 52वें मुख्य न्यायाधीश के रूप में कार्यभार संभाला था। जस्टिस सूर्यकांत का जन्म 10 फरवरी 1962 को हरियाणा के एक मध्यमवर्गीय परिवार में हुआ।

उन्होंने 1981 में हिसार के गवर्नमेंट पोस्ट ग्रेजुएट कॉलेज से स्नातक की डिग्री और 1984 में रोहतक के महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय से कानून की डिग्री प्राप्त की। जस्टिस सूर्यकांत के बारे में सुप्रीम कोर्ट की आधिकारिक वेबसाइट पर उपलब्ध जानकारी के अनुसार, उन्होंने हिसार जिला न्यायालय से वकालत शुरू की और बाद में पंजाब-हरियाणा हाईकोर्ट में वकालत करने के लिए चंडीगढ़ चले गए। जस्टिस सूर्यकांत 7 जुलाई 2000 को हरियाणा के सबसे कम उम्र के एडवोकेट जनरल बने। मार्च 2001 में उन्हें सीनियर एडवोकेट के रूप में नामित किया गया। 9 जनवरी 2004 को उन्हें पंजाब-हरियाणा हाईकोर्ट का स्थायी न्यायाधीश नियुक्त किया गया।उन्होंने 5 अक्टूबर 2018 को हिमाचल प्रदेश हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश का पद संभाला और 24 मई 2019 को सुप्रीम कोर्ट में न्यायाधीश के रूप में पदोन्नत हुए। 12 नवंबर 2024 से वे सुप्रीम कोर्ट लीगल सर्विसेस कमिटी के अध्यक्ष भी हैं।

भागवत की कथा श्री कृष्ण भगवान की लीला और उनके महात्म के जाने बगैर अधूरी होती है

● इकृष्ण का जन्म धर्म की स्थापना के लिए ही हुआ था।

रीवा में भागवत कथा का भव्य आयोजन।

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

नेहा त्रिपाठी की रिपोर्ट।

जगदुरु वल्लभाचार्य जी ने भागवत कथा के चौथे दिन आज श्री कृष्ण जन्मोत्सव की बहुत ही सुंदर कथा का वर्णन किया और कहा की भागवत सप्ताह में अगर कृष्ण जन्मोत्सव को हटा दिया जाए तो भागवत कथा का महत्व अधूरा हो जाता है। उन्होंने बताया कि सुखदेव महाराज ने राजा परीक्षित से कहा की है राजन जब-जब धर्म की हानि पहुंचने वाला कोई भी कार्य समाज में होता है तो भगवान श्री कृष्णा किसी ने किसी रूप में अवतार लेते हैं और अहंकार रूपी अंधकार का नाश करते हैं और धर्म रूपी प्रकाश को फैलाते हैं। जगदुरु ने बताया की सुखदेव महाराज ने राजा परीक्षित से कहा की है राजन जिस राज गद्दी पर आप बैठे हो यह आपके पूर्वजों द्वारा महाभारत युद्ध के बाद प्राप्त हुआ। जिसमें अशंख्य लोगों का नरसंहार हुआ था ।जबकि कृष्णा शांति के देवता है उनके हाथ में कोई हथियार नहीं था बल्कि सदैव बांसुरी रहती है जो प्रेम और शांति का प्रतीक है। उन्होंने शांति का प्रस्ताव पर अमल करने के लिए हस्तिनापुर के राजा से बहुत निवेदन किया लेकिन वह लोग अधर्म के रास्ते पर थे और उन्होंने आपके पूर्वजों का अधिकार नहीं देना चाहे और अंत में महाभारत का युद्ध अनिवार्य हो गया। जिसमें भीष्म पितामह द्रोणाचार्य कृपाचार्य कर्ण जैसे अनेक योद्धा मारे गए और यह राज गद्दी आपके पूर्वजों को मिली ।क्योंकि इस राजगद्दी पर बैठने वाले धृतराष्ट्र पुत्र मोह में अधर्म पर उतारू थे। इसके बावजूद भी कृष्ण ने कोई भी हथियार नहीं उठाया और पांडवों की तरफ से सारथी बने जिससे विजय श्री उनको मिली। यदि कृष्ण न होते तो आप उत्तराधिकारी आज न होते।और उस पर अधर्मियों का राज होता । उनके बाल लीला से लेकर जरासंध वध तक की कथा का वर्णन करते हुए जगतगुरु ने कहा की गीता बे श्री कृष्ण ने कहा है कि जब-जब धर्म की हानि होगी तब तक मनुष्य के रूप में पृथ्वी पर अवतरित होता रहूंगा और धर्म की रक्षा करूंगा। इसलिए मनुष्य को सदैव धर्म के साथ खड़ा रहना चाहिए।अधर्म करने वाले चाहे जितने ताकतवर हो उनका नास अनिवार्य है। आज की भागवत कथा में श्री कृष्ण के जन्म से लेकर उनके संपूर्ण लीलाओं का वर्णन किया गया जिसमें भक्तगण भाव बीरबल हो गए और पूरा कथा मडप कृष्ण मैं हो गया था यह कथा 1 नवंबर को समाप्त होगी और उसी दिन पूर्ण आहुति का भव्य आयोजन होगा। भागवत कथा के आयोजन भारत गुप्ता के परिवार द्वारा किया गया है । मानक भवन में आयोजित भागवत सप्ताह में भारी संख्या में भक्त गण कथा का श्रवण कर रहे हैं जिसमें महिलाओं की भागीदारी महत्वपूर्ण है।

इफको में छठ पूजा पर अस्ताचलगामी सूर्य को अर्घ्य अर्पित कर मांगी सुख-समृद्धि की कामना

● इफको में ऐसे आयोजन हमारी एकता, पारिवारिक भावना और सामाजिक मूल्यों को सशक्त बनाते हैं- पी के सिंह।

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

ब्यूरो प्रयागराज। आज सायंकाल इफको टाउनशिप फूलपुर घीयानगर के कावेरी सेक्टर में विशेष रूप से बनाए गए कृत्रिम तालाब में छठ पूजा का आयोजन श्रद्धा और उत्साह के साथ किया गया जिसमे पारंपरिक विधि-विधान के अनुसार अस्ताचलगामी सूर्य को अर्घ्य अर्पित किया।कल उगते सूर्य को अर्घ्य देकर पर्व का समापन होगा । इस अवसर पर इफको फूलपुर यूनिट हेड श्री पी. के. सिंह ने सभी को छठ पर्व की हार्दिक शुभकामनाएं दीं और कहा कि "इफको परिवार में ऐसे सांस्कृतिक एवं धार्मिक आयोजन हमारी एकता, पारिवारिक भावना और सामाजिक मूल्यों को और सशक्त बनाते हैं।" छठ पर्व की विशेषता यह है कि यह एकमात्र ऐसा त्योहार है जिसमें अस्त होते सूर्य की उपासना की जाती है। यह पूजा सूर्य भगवान के प्रति आभार प्रकट करने का प्रतीक है, जो जीवन, ऊर्जा और समृद्धि के दाता हैं। छठ की शाम का अर्घ्य मानव और प्रकृति के गहरे संबंध का प्रतीक माना जाता है, जिसमें व्रती महिलाएँ परिवार के सुख, स्वास्थ्य और समृद्धि की कामना करती हैं। इफको एम्प्लॉईज़ यूनियन फूलपुर के अध्यक्ष श्री पंकज पांडेय और महामंत्री श्री विजय कुमार यादव, तथा इफको ऑफिसर्स एसोसिएशन फूलपुर के अध्यक्ष श्री अनुराग तिवारी और महामंत्री श्री स्वयम प्रकाश ने भी समस्त इफको परिवार को छठ पर्व की हार्दिक शुभकामनाएं प्रेषित कीं और कहा कि यह पर्व प्रकृति, परिवार और समाज के प्रति हमारी आस्था और निष्ठा का जीवंत उदाहरण है। इस अवसर पर उप अरुण कुमार (संयुक्त महाप्रबंधक - नैनो), शंभु शेखर (प्रमुख - कार्मिक एवं प्रशासन), सी. बी. सिंह, कपिल देव, सुनील कुमार यादव, वी. के. वर्मा, धर्मेंद्र सिंह, रामकांत सिंह, सी. एस. सेंगर, तथा जयशंकर यादव शामिल रहे। आयोजन की व्यवस्था इफको प्रबंधन द्वारा की गई, जिसमें प्रकाश, सुरक्षा, स्वच्छता और श्रद्धालुओं की सुविधाओं का विशेष ध्यान रखा गया।

गुना में थार से कुचलकर किसान की हत्या, बेटियों के कपड़े फाड़े, दबंग बीजेपी नेता पर एफआईआर

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

ब्यूरो प्रयागराज। मध्य प्रदेश के गुना जिले में दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है। आरोप है कि रविवार को एक बीजेपी नेता ने एक किसान को अपनी थार गाड़ी से कुचलकर बेरहमी से हत्या कर दी। यह घटना फतेहगढ़ थाना क्षेत्र के गणेशपुरा गांव में हुई। पुलिस के अनुसार, किसान रामस्वरूप धाकड़ अपनी पत्नी के साथ अपने खेत में थे, तभी बीजेपी नेता महेंद्र नागर और उनके साथियों ने उन्हें घेर लिया और हमला कर दिया। इस घटना ने यूपी के लखीमपुर खीरी में निहत्थे किसानों पर गाड़ी चढ़ाकर मार डालने की घटना की याद ताज़ा हो गई है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, आरोपी महेंद्र नागर ने पहले रामस्वरूप धाकड़ को बुरी तरह पीटा और फिर घायल किसान को अपनी थार गाड़ी से कुचल दिया। इस हमले में रामस्वरूप की मौके पर ही हालत गंभीर हो गई। जब किसान की बेटियां अपने पिता को बचाने के लिए मौके पर पहुंचीं, तो उनके साथ भी अमानवीय व्यवहार किया गया। आरोपी महेंद्र नगर ने बेटियों पर हमला किया, उनके कपड़े फाड़े और हवा में गोली चलाकर दहशत फैलाई। पीड़िता के भाई रामकुमार ने बताया कि आरोपियों ने करीब एक घंटे तक मारपीट जारी रखी। उन्होंने कहा, "उन्होंने दोनों लड़कियों के कपड़े फाड़ दिए और करीब 20 लोग हवा में गोलियां चला रहे थे, जिससे हम डर गए। वे करीब एक घंटे तक मारपीट करते रहे। इसके बाद आरोपियों ने उन पर ट्रैक्टर चढ़ा दिया और बाद में एक कार (थार) भी।" पुलिस अधिकारियों ने बताया कि घायल किसान को करीब एक घंटे तक अस्पताल नहीं ले जाने दिया गया, क्योंकि आरोपियों ने बंदूक की नोक पर उसे अपने कब्जे में रखा। आखिरकार जब धाकड़ को जिला अस्पताल ले जाया गया, तो इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। गांव में मौत की खबर पहुंचने के बाद तनाव है। पुलिस ने आरोपी महेंद्र नागर, उनकी तीन महिला रिश्तेदारों सहित 14 लोगों के खिलाफ हत्या का मामला दर्ज किया है।

संभल में गरजा बुलडोजर; 28 करोड़ की 27 बीघा सरकारी जमीन कब्जा मुक्त

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

ब्यूरो प्रयागराज। संभल जिले में एक बार फिर अवैध कब्जे पर प्रशासन का बुलडोजर गरजा है. सदर कोतवाली क्षेत्र के ग्राम शेर खा सराय में करीब 27 बीघा सरकारी भूमि पर वर्षो से हो रहे अवैध कब्जे को सोमवार को बुलडोजर की मदद से हटाया गया. तहसीलदार धीरेन्द्र प्रताप सिंह की निगरानी में हुई कार्रवाई के समय पुलिस फोर्स भी मौजूद रही. जमीन पर खेती करने वाले किसान अपनी फसल को बर्बाद होते देख रो पड़े. तहसीलदार धीरेन्द्र प्रताप सिंह ने बताया कि ग्राम शेर खा सराय में 27 बीघे भूमि श्रेणी 6 की सरकारी भूमि है, जो कि राजस्व अभिलेखों में आज भी सरकार के नाम दर्ज है. जांच में पाया गया कि पिछले 20 से 25 वर्षो से स्थानीय लोगों ने इस पर अवैध कब्जा कर रखा था और खेती की जा रही थी। भूमि का कोई वैध दावा अब तक किसी ने प्रस्तुत किया है. जिसके बाद इस जमीन को कब्जामुक्त कराया गया, इसकी रिपोर्ट डीएम को भेजी जाएगी और आगे की कार्रवाई निर्देशानुसार होगी. तहसीलदार के अनुसार, इस जमीन का सर्किल रेट करीब 28 करोड़ रुपये है. प्रशासन ने बुलडोजर चलवाकर फसल को नष्ट करते हुए जमीन खाली कराई।

छठ पर्व पर कोरांव में यातायात व्यवस्था दुरुस्त — डीसीपीसी वॉलिंटियर्स और पुलिस बल की संयुक्त मुस्तैदी

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

कोरांव प्रयागराज। नगर पंचायत कोरांव में आज 27 अक्टूबर 2025 को डाला छठ के पावन पर्व पर श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए पुलिस और डीसीपीसी (जिला अपराध निरोधक कमेटी) के वॉलिंटियर्स ने मिलकर शानदार व्यवस्था बनाई। प्रदेश सचिव संतोष कुमार श्रीवास्तव के मार्गदर्शन में और थाना प्रभारी निरीक्षक राकेश कुमार वर्मा के निर्देशानुसार थाना कमेटी प्रभारी नरेंद्र देव मिश्र के नेतृत्व में पुलिस बल और डीसीपीसी वॉलिंटियर्स शाम से ही यातायात व्यवस्था को सुचारु बनाए रखने में जुटे रहे।गांधी चौराहा और थाना के पास स्थित तालाब क्षेत्र में भारी भीड़ के बावजूद यातायात व्यवस्थित और नियंत्रित रहा। ड्यूटी पर सह थाना प्रभारी सफात अली शाह, मीडिया प्रभारी मोहम्मद असलम, दिनेश कुमार, संतोष कुमार जायसवाल, सुदीप कुमार, चंद्र प्रकाश सिंह, रमाकांत सिंह, अवनीश नारायण, चंद्रमा प्रसाद, अजय कुमार, रागिनी मिश्रा, एसआई गिरीश चंद्र राय, कांस्टेबल बृजेश कुमार समेत पूरी टीम तैनात रही। सभी अधिकारी और वॉलिंटियर्स की सक्रियता से श्रद्धालुओं को न केवल सुरक्षा का भरोसा मिला बल्कि यातायात भी सुचारु रूप से चलता रहा। स्थानीय नागरिकों ने इस मुस्तैदी की सराहना करते हुए कहा कि इस बार छठ पर्व पर प्रशासन और वॉलिंटियर्स की तैयारी काबिले तारीफ रही।

श्रीमद्भागवत कथा में उमड़ा श्रद्धा का सागर- भगवान श्रीकृष्ण की बाल लीलाओं का हुआ भावपूर्ण वर्णन

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

जसरा प्रयागराज। यमुनानगर क्षेत्र के बारा तहसील अंतर्गत विकासखंड जसरा के ग्राम सारीपुर में समाजसेवी मुकेश द्विवेदी के पैतृक आवास पर चल रही श्रीमद्भागवत कथा ज्ञान यज्ञ के पांचवें दिन श्रद्धा और भक्ति का अनूठा संगम देखने को मिला। कथा व्यास आचार्य जी ने कथा व्याख्यान करते हुए कहा कि श्रीमद्भागवत महापुराण ऐसा दिव्य ग्रंथ है, जिसमें वक्ता, श्रोता और प्रश्नकर्ता – तीनों ही पवित्र हो जाते हैं। भगवान की कथा सुनने मात्र से भक्ति महारानी स्वयं हमारे हृदय में स्थायी रूप से विराजमान हो जाती हैं। आचार्य जी ने भगवान श्रीकृष्ण के जन्म और वासुदेव-देवकी प्रसंग का भावपूर्ण वर्णन किया। उन्होंने कहा कि जब वासुदेव जी नवजात श्रीकृष्ण को लेकर मथुरा की कारागार से निकल रहे थे, तब यमुना जी अपने उफान पर थीं, लेकिन भगवान के चरण स्पर्श से उनका रौद्र रूप शांत हो गया और वे वासुदेव जी के घुटनों तक सिमट गईं, जिससे वासुदेव जी सुरक्षित रूप से यशोदा माता के आंगन तक पहुँच सके। इस प्रसंग का वर्णन होते ही पंडाल में उपस्थित भक्तजन भावविभोर हो उठे और "जय श्रीकृष्ण" के जयघोष से पूरा वातावरण गूंज उठा। कथा स्थल को भव्य रूप से सजाया गया है। मंच के चारों ओर रंग-बिरंगे पुष्पों की सजावट, रोशनी की झिलमिल और भक्तों की भीड़ से पूरा परिसर भक्तिरस से सराबोर नजर आया। कथा के अंत में मिश्र बंधु द्वारा प्रस्तुत भजन–"राधे तेरे बिना श्याम अधूरा है"–ने वातावरण को और अधिक आध्यात्मिक बना दिया।मुख्य यजमान श्रीमती कल्याणी देवी एवं समाजसेवी मुकेश द्विवेदी, योगेश द्विवेदी, विवेक द्विवेदी, भजन गायक मिश्र बंधु, मामू द्विवेदी सहित सैकड़ों ग्रामीण श्रद्धालु उपस्थित रहे।अंत में कथा के उपरांत आरती एवं प्रसाद वितरण किया गया, जिसमें श्रद्धालुओं ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। पूरे क्षेत्र में इस धार्मिक आयोजन की चर्चा बनी हुई है, और श्रद्धालु बड़ी संख्या में कथा श्रवण हेतु प्रतिदिन पहुंच रहे हैं।

संक्षिप्त खबरें

नेपाल में 120 करोड़ की भारतीय सड़क को भी भंसार सीमा वृद्धि की उम्मीद

बलरामपुर। सीमावर्ती क्षेत्रों में व्यापारिक गतिविधियों को बढ़ाने के लिए बड़े स्तर पर पहल तो हुई, लेकिन जमीन पर नहीं उतर सकी। इसी कड़ी में नेपाल के भीतर भारत सरकार ने 120 करोड़ की लागत से 34 किलोमीटर लंबी सड़क बनवाई। इसके माध्यम से लमही सीधे कोयलाबास से जुड़ गया। भंसार सीमा न बढ़ने से सड़क का व्यापारिक उपयोग नहीं हो पा रहा है। नेपाल के कोयलाबास के प्रधान अब्दुल खालिक सिद्दीकी ने बताया कि वर्ष 2004-05 में ही नेपाल में भारत सरकार ने सर्वे कराया था। उस समय ही तय हुआ था कि लमही को सीधे कोयलाबास से जोड़ा जाए तो व्यापार को बढ़ावा मिलेगा। इसके लिए सड़क निर्माण का प्रयास शुरू हुआ। वर्ष 2020-21 में सड़क का निर्माण भी पूरा हो गया। अब तो लमही से कोयलाबास तक आवाजाही भी हो रही है। इस सब के बीच जरवा सीमा शुल्क चौकी पर भंसार की सीमा न बढ़ने से व्यापारिक गतिविधियां नहीं बढ़ पा रही हैं। इससे सड़क के निर्माण का उद्देश्य पूरा नहीं हो पा रहा है। लमही व्यापार संघ के अध्यक्ष कमल सिंह ठकुरी कहते हैं कि भारत सरकार से मांग की गई है। सड़क बनने के बाद भंसार सीमा बढ़ने से ही बड़े वाहन सीधे तुलसीपुर तक जा सकेंगे। इससे व्यापार को बढ़ावा मिलेगा। अभी भंसार की सीमा 25 हजार तक ही होने से व्यापार सीमित है। गढ़वा व्यापार संघ के अध्यक्ष ऊं प्रकाश बस्याल कहते हैं कि सड़क से नेपाल के व्यापारियों में काफी उम्मीद जगी थी। अब भंसार बढ़ाने के लिए चल रहे अभियान से एक बार फिर उम्मीदों को पंख लगे हैं। उन्होंने कहा कि भारत सरकार का बजट यहां खर्च हुआ है, इसका लाभ भारत के व्यापारियों को मिलना चाहिए। इसके लिए नेपाल के व्यापारी भी प्रयास कर रहे हैं।

एड्स मरीज मिलने वाले 68 हॉटस्पॉट चिह्नित

बलरामपुर। जिला क्षय रोग अधिकारी कार्यालय में एचआईवी एड्स कार्यक्रम की समीक्षा बैठक हुई। बैठक में एड्स से बचाव के लिए होने वाली गतिविधियों पर चर्चा की गई। एड्स के प्रति जागरूकता फैलाने के लिए नियमित अभियान चलाने की रणनीति बनाई गई। समीक्षा बैठक में सामुदायिक सलाहकार समिति के सदस्यों ने प्रतिभाग किया। जिला क्षय रोग अधिकारी डॉ. अजय कुमार शुक्ल ने विभागीय कार्यक्रमों की प्रगति का फीडबैक लिया। उन्होंने उच्च जोखिम समुदाय के लोगों की अनुमानित जनसंख्या का आकलन कर सटीक आंकड़े उपलब्ध कराने का निर्देश समिति के सदस्यों को दिया। कार्यक्रम प्रबंधक जगदीश चौधरी ने बताया कि जिले में एचआईवी एड्स मरीज मिलने वाले 68 हॉटस्पॉट चिह्नित किए गए हैं, इनमें से 36 हॉटस्पॉट का सर्वे वात्सल्य टीम के सदस्यों ने कर लिया है। इन क्षेत्रों में एचआईपी पॉजिटिव मरीज व उनके संपर्क में आने वाले लोगों की अनुमानित संख्या का आकलन कर रिपोर्ट प्रस्तुत की गई। कार्यक्रम अधिकारी जितेंद्र चौहान ने एड्स से प्रभावित मरीजों से मिलने व उनका ब्योरा जुटाने में आने वाली समस्याओं पर चर्चा की। विजय कांत शुक्ल ने समुदाय, सेवा प्रदाताओं एवं अधिकारियों के बीच समन्वय और संवाद की महत्ता पर प्रकाश डाला। इस अवसर पर अविनाश सिंह, महेंद्र शुक्ल, राकेश तिवारी, पूनम कुमारी, विकास पांडेय, संदीप सिंह व सत्य प्रकाश आदि मौजूद रहे।

घाटशिला उपचुनाव में कौन किस पर भारी? चलेगा 'तीर' या खिलेगा 'कमल'

रांची। घाटशिला विधानसभा उपचुनाव में दोनों प्रमुख घटक दलों की प्रतिष्ठा दांव पर लगी है। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के लिए भी यह सीट चुनौती से कम नहीं है और भाजपा गठबंधन हर हाल इस सीट पर जीत दर्ज करना चाह रही है। दोनों कुनबों के नेता यहां कैंप कर रहे हैं। पर, असल सवाल सबके जेहन में यही है कि तीर निशाने पर लगेगा या खिलेगा कमल? चूंकि घाटशिला सीट पर मतदाताओं का गणित उलझन में डालने वाला है। यहां करीब 45 प्रतिशत आदिवासी और 45 प्रतिशत ओबीसी मतदाता हैं। इनमें बंगाली भाषी और कुड़मी समुदाय की संख्या विशेष रूप से प्रभावशाली है, जबकि शेष मतदाता सामान्य और अल्पसंख्यक वर्ग से आते हैं।

पांच जिलों में तोड़े जाएंगे आवास बोर्ड के 5200 फ्लैट, आठ मंजिल वाले भवनों का होगा निर्माण

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

रांची। रांची सहित जमशेदपुर, धनबाद, हजारीबाग और पलामू जिले में आवास बोर्ड के करीब 5200 फ्लैट तोड़े जाएंगे। इन फ्लैट को ध्वस्त करने के बाद इनकी जगह आठ मंजिला भवन बनाए जाएंगे। यह जानकारी आवास बोर्ड के अध्यक्ष संजय लाल पासवान ने विशेष बातचीत में दी। उन्होंने बताया कि आठ मंजिला भवन की डिटेल प्रोजेक्ट रिपोर्ट (डीपीआर) शीघ्र तैयार करने के लिए इंजीनियरों को निर्देश दिए जा चुके हैं। छठ पूजा के बाद इसपर तेजी से काम शुरू कर दिया जाएगा। मालूम हो कि रांची शहर के बरियातू, हरमू और अरगोड़ा स्थित हाउसिंग बोर्ड की कई बिल्डिंग जर्जर अवस्था में हैं। इन जर्जर भवनों में लोग वैध और अवैध तरीके से रह रहे हैं। नए सिरे से डिटेल प्रोजेक्ट रिपोर्ट बनाने के दिए हैं निर्देशः हाउसिंग बोर्ड के भवनों को तोड़कर रांची शहर की तीनों साइट पर आठ मंजिले भवनों का निर्माण किया जाएगा। कुछ माह पूर्व ही इंजीनियर ने बोर्ड को तीन मंजिला भवन का डीपीआर समर्पित किया था, लेकिन बोर्ड अध्यक्ष संजय लाल पासवान ने इस डीपीआर को खारिज करते हुए आठ मंजिला भवन निर्माण का डीपीआर तैयार करने का निर्देश दिया है ताकि कम जगह पर अधिक से अधिक निर्माण कार्य कर लोगों को सही तरीके से बसाया जा सके। यही नहीं, पुरानी विधानसभा के पास बोर्ड की साढ़े पांच एकड़ जमीन की भी प्लाटिंग कर ली गई है। यहां भी निर्माण कार्य के साथ-साथ प्लाट बेचने की योजना है। इन प्रक्रियाओं में छठ पूजा के बाद गति लाई जाएगी।

पुरानी विधानसभा के पास भी साइट डेवलप करने की योजना

तीनों साइट बरियातू में एक, हरमू में दो और अरगोड़ा स्थित एक साइट को डेवलप करने के साथ- साथ पुरानी विधानसभा के पास भी साइट को डेवलप किया जाएगा। साथ ही अतिक्रमणकारियों को हटाने और नई पालिसी तैयार करने की भी योजना है। सारी प्रक्रिया इस वर्ष के अंत तक पूरी कर ली जाएंगी। बता दें कि पिछले कुछ माह से बोर्ड, स्टेकहोल्डर और आवंटी के साथ ड्राफ्ट कमेटी की बैठक लंबित है। आवास बोर्ड सचिव ने बताया कि नए सिरे से तैयार की जा रही डीपीआर में इस बात का विशेष ध्यान रखा जा रहा है कि रांची जिले की विभिन्न साइट को विकसित कर इसे पूरे राज्य में एक माडल के तौर पर प्रदर्शित किया जाएगा। वर्तमान में बरियातू स्थित एलएफबी बिल्डिंग की स्थिति अत्यधिक खराब हो चुकी है। इस बिल्डिंग में रहने वाले अधिकतर लोग अवैध तरीके से निवास कर रहे हैं। हाउसिंग बोर्ड की और से बार-बार नोटिस दिए जाने के बावजूद स्थिति पूर्ववत बनी हुई है। ड्राफ्ट कमेटी की बैठक में इसके बारे में निर्णय लिया जाएगा।

आवास वोर्ड के अध्यक्ष संजय लाल पासवान से सीधी बातचीत

हाउसिंग बोर्ड की अधिकतर बिल्डिंग जर्जर हैं। क्या है आगामी योजना?

शहर की उक्त तीनों साइट के भवन अब रहने लायक नहीं रह गए हैं। ऐसे में हरवक्त दुर्घटना की आशंका बनी रहती है। भविष्य में ऐसी कोई घटना न हो, इसको ध्यान में रखकर फ्लैट खाली कराए जाने का निर्देश दिए गए हैं। इन जर्जर भवनों को तोड़कर नए सिरे से बिल्डिंग का निर्माण किया जाएगा।

बार-बार नोटिस देने के बाद अतिक्रमणकारी नहीं हट रहे हैं, क्या कहेंगे?

कई बिल्डिंग में अवैध रूप से लोग रह रहे हैं। नोटिस देने के बाद भी जो लोग भवन खाली नहीं करेंगे, उन पर कार्रवाई की जाएगी। कई जगहों पर तो जर्जर हो चुके फ्लैट और बिल्डिंग को तोड़ने की दिशा में प्रक्रिया शुरू भी कर दी गई है। रांची सहित जमशेदपुर, धनबाद, हजारीबाग और पलामू जिलों में स्थित करीब 5200 फ्लैट तोड़े जाएंगे।

किस तरह से करेंगे बिल्डिंग का निर्माण, क्या है कार्ययोजना?

कुछ दिनों पूर्व तीन मंजिला भवन निर्माण की डिटेल प्रोजेक्ट रिपोर्ट (डीपीआर) दी गई थी। उक्त रिपोर्ट को निरस्त कर दिया गया है। अब आठ मंजिला भवन निर्माण के लिए नए सिरे से डीपीआर तैयार करने के निर्देश दिए गए हैं।

कार्तिक पूर्णिमा स्नान और ददरी मेला को लेकर छिड़ी जंग

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

● नगर पालिका और जिला प्रशासन के बीच छिड़ी जंग फिलहाल थमता नजर नहीं आ रहा ,नपा की बैठक में नहीं पहुंचे ईओ, चेयरमैन ने जारी की नोटिस

बलिया। कार्तिक पूर्णिमा स्नान और ददरी मेला को लेकर नगर पालिका और जिला प्रशासन के बीच छिड़ी जंग फिलहाल थमता नजर नहीं आ रहा है। रविवार को कथित रुप से नगर पालिका परिषद कार्यालय में आयोजित बोर्ड की आपात बैठक में ईओ के नहीं पहुंचने पर चेयमरैन और सभासदों ने नाराजगी व्यक्त किया है। नपा अध्यक्ष ने ईओ को कारण बताओ नोटिस जारी करते हुए दो दिनों में जबाब मांगा है, जबकि सभासदों ने निंदा प्रस्ताव पारित किया है। ईओ को जारी नोटिस में चेयरमैन संत कुमार गुप्त उर्फ मिठाई लाल ने लिखा है कि रविवार को बोर्ड की बैठक आहूत की गयी थी। इसमें बोर्ड के अध्यक्ष और सभी सदस्य तय समय पर पहुंच गये, लेकिन ईओ बोर्ड की बैठक में नहीं पहुंचे। यह वैधानिक दृष्टि से बोर्ड की गरिमा को ठेस पहुंचाना तथा कत्वर्यहीनता के श्रेणी में आता है। उनका कहना है कि पूर्व में पत्राचार के बावजूद पहले भी कई बार आयोजित बोर्ड बैठक की में ईओं बिना किसी सूचना के गायब रहे हैं। उन्होंने लिखा है कि सर्वसम्मिति से बोर्ड का मानना है कि आप (ईओ) कर्तव्यों के प्रति उदासीन हैं तथा कार्यालय में प्रतिदिन कार्य अवधि पर अपने कक्ष में उपस्थित नहीं रहते है तथा आपके कार्यशैली से आम जनता परेशान रहती है। कार्यालय से अनुपस्थित होने के चलते विभागीय और विकास कार्य तय सीमा पर नहीं हो पा रहा है। उन्होंने दो दिन के अंदर बोर्ड के समक्ष लिखित पक्ष प्रस्तुत करने का निर्देश दिया है। इसी प्रकार सभासदों का कहना है कि ददरी मेला तथा अन्य समस्याओं के निस्तारण के लिए बोर्ड की आपात बैठक बुलायी गयी थी। इसकी सूचना व्हाटसएप के जरिये ईओ को दी गयी थी। हालांकि वैधानिक बोर्ड की बैठक में ईओ के द्वारा सचिव के दायित्वों का निर्वहन नहीं किया गया जो लापरवाही एवं जनप्रतिनिधि अधिनियम का उल्लंघन है। बैठक में पहुंचे सभासदों ने फोन से सम्पर्क किया गया तो ईओ ने अस्वस्थ होने का हवाला दिया। इससे नाराज सभासदों ने निंदा प्रस्ताव पारित किया। उन्होंने बैठक में मौजूद ददरी मेला के नोडल अफसर सीआरओ त्रिभुवन से ददरी मेला आयोजन के लिए जिला प्रशासन की ओर से बनायी गयी आयोजन समिति को भंग करते हुए उसका अध्यक्ष नपा चेयरमैन को बनाने, जिला प्रशासन को मेला की सुरक्षा व्यवस्था करने तथा निविदा का लाइव प्रसारण कराने की मांग किया।

छठ की खुशियां मातम में बदली, हजारीबाग में तालाब में नहाने गई दो बच्चियों की डूबने से मौत

बड़कागांव (हजारीबाग)। जिले के केरेडारी थाना क्षेत्र के बेला गांव में छठ पूजा की पूर्व संध्या पर तालाब में नहाने गई दो बच्चियों की डूबने से मौत हो गई। इस हादसे ने पूरे गांव को शोक में डुबो दिया। बताया जाता है कि रविवार को छठ पर्व की तैयारियों के दौरान रूपा तिवारी (12) और गुनगुन कुमारी (11) गांव के तालाब में नहाने गई थीं। नहाते समय पैर फिसल जाने से वे गहरे पानी में चली गई और डूबने लगीं। ग्रामीणों की मदद से बच्चियों को तालाब से बाहर निकाल कर केरेडारी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया, लेकिन वहां डॉक्टर नहीं होने के कारण तुरंत इलाज संभव नहीं हो सका। बाद में दोनों बच्चियों को बड़कागांव सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लाया गया, जहां चिकित्सा प्रभारी डॉ. अविनाश कुमार ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। मृतक बच्चियों के परिजनों ने अस्पताल में डॉक्टर की अनुपस्थिति पर गहरी नाराजगी जताई और कहा कि समय पर इलाज मिलने पर उनकी बच्चियों की जान बचाई जा सकती थी। इस हृदयविदारक घटना के बाद पूरा बेला गांव शोक में डूब गया, और छठ की खुशियां मातम में बदल गई।

लखीमपुर खीरी में अखिल राष्ट्रीय पत्रकार संघ की बैठक सम्पन्न

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लखीमपुर खीरी। आज अखिल राष्ट्रीय पत्रकार संघ की प्रथम महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई, जिसमें जिले के वरिष्ठ पदाधिकारियों एवं पत्रकार साथियों ने बड़ी संख्या में सहभागिता की। बैठक में संगठन को मजबूत बनाने, पत्रकारों की सुरक्षा और सुविधाओं को सुनिश्चित करने जैसे अहम मुद्दों पर विस्तारपूर्वक चर्चा हुई।बैठक की अध्यक्षता जिला अध्यक्ष अब्दुल कवी ने की। उन्होंने कहा कि "पत्रकार समाज का आईना होते हैं और उनके हितों की रक्षा संगठन की सर्वोच्च प्राथमिकता है।" उन्होंने संगठन विस्तार एवं सभी पत्रकारों को एक मंच पर लाने की आवश्यकता पर बल दिया।इस अवसर पर जिला प्रभारी राहुल सिंह ने कहा कि वर्तमान समय में पत्रकारिता के सामने कई चुनौतियाँ हैं, ऐसे में पत्रकारों को निष्पक्ष रहकर अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन करना होगा। उन्होंने प्रशासन एवं शासन तक पत्रकारों की समस्याएँ नियमित रूप से पहुँचाने का आश्वासन दिया।मार्गदर्शक नित्यानंद बाजपेयी ने कहा कि फील्ड में कार्यरत पत्रकारों को अक्सर सुरक्षा संबंधी कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है, जिनका समाधान संगठन प्राथमिकता से करेगा। वहीं मार्गदर्शक कमल मिश्रा और देवेश कुमार मिश्रा ने पत्रकारों को संगठित और जागरूक रहने पर बल दिया।जिला महासचिव बलबीर सिंह, जिला उपाध्यक्ष मोहम्मद तलहा और मोहम्मद यूनुस ने कहा कि पत्रकार लोकतंत्र का चौथा स्तंभ हैं, और संगठन उनके मनोबल को सशक्त बनाने हेतु निरंतर सक्रिय रहेगा। जिला सचिव अनुज गुप्ता ने बताया कि संगठन ग्रामीण क्षेत्र के पत्रकारों को जोड़ने के लिए विशेष अभियान चला रहा है, ताकि उनकी समस्याओं का समाधान किया जा सके।जिला संयोजक प्रशांत तिवारी व प्रभारी ओयल प्रशांत तिवारी ने बताया कि निकट भविष्य में तहसील स्तर पर पत्रकारों के लिए कार्यशाला एवं प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे, जिससे पत्रकारिता की गुणवत्ता और अधिक सुदृढ़ हो सके।बैठक में सईद अंसारी, जावेद अंसारी, विशाल भारद्वाज, मुनेंद्र वर्मा, शैलेन्द्र सिंह, शिवम वर्मा सहित कई पत्रकार साथी उपस्थित रहे।

सभी ने संगठन को आगे बढ़ाने और पत्रकारों की समस्याओं के समाधान के लिए एकजुट होकर कार्य करने का संकल्प लिया। बैठक का संचालन शालीन एवं सकारात्मक वातावरण में सम्पन्न हुआ।

शादी में गए परिवार के घर में चोरों का धावा, ताला तोड़कर 12 लाख के जेवरात-नकदी उड़ाए

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

हजारीबाग। शहर के पगमिल स्थित अल्फलाह कॉलोनी रोड नंबर-2 में चोरी की बड़ी वारदात सामने आई है। चोरों ने एक घर का ताला तोड़कर लाखों रुपये के जेवरात और नकदी पर हाथ साफ कर दिया। घटना के बाद इलाके में दहशत और आक्रोश का माहौल है। स्थानीय निवासी शाहनवाज खान ने बताया कि वह दो दिन पहले अपने परिवार के साथ गांव में एक शादी समारोह में शामिल होने गए थे। रविवार को जब वे घर लौटे तो देखा कि मुख्य दरवाजे का ताला टूटा हुआ है और अंदर का पूरा सामान बिखरा पड़ा है। जांच करने पर पता चला कि घर के गोदरेज लॉकर से कीमती जेवरात और नकदी गायब हैं। पीड़ित के अनुसार, चोरी की कुल राशि करीब 12 से 14 लाख रुपये आंकी गई है। उन्होंने बताया कि सभी आभूषणों के बिल उनके पास सुरक्षित हैं। तीन दिन पहले हनीफ कॉलोनी में भी हुई थी चोरी गौरतलब है कि इससे तीन दिन पहले पगमिल की हनीफ कॉलोनी में भी चोरी की घटना हुई थी, जिसकी सीसीटीवी फुटेज सोशल मीडिया पर वायरल हुई थी। उस समय स्थानीय लोगों ने पुलिस से रात्रि गश्त बढ़ाने और सुरक्षा व्यवस्था मजबूत करने की मांग की थी।इलाके में दहशत, पुलिस ने जांच शुरू की इस ताजा वारदात के बाद पूरे इलाके में दहशत का माहौल है। शाहनवाज खान ने लोहसिंघना थाना में लिखित शिकायत दर्ज कराई है और चोरों की जल्द गिरफ्तारी की मांग की है। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। अधिकारियों के अनुसार, आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली जा रही है, ताकि चोरों की पहचान की जा सके।

नाबालिग के नाम पर मनरेगा जॉब कार्ड बनाकर घोटाला, 38,598 रुपये की अवैध निकासी

लातेहार। गारू प्रखंड के कोटाम पंचायत अंतर्गत कोटाम साल्वे गांव में मनरेगा योजना के अंतर्गत एक नाबालिग छत्र के नाम पर फर्जी जॉब कार्ड बनाकर अवैध तरीके से 38,598 रुपये की मजदूरी की निकासी करने का मामला सामने आया है। आजसू जिलाध्यक्ष अमित पांडेय ने इस गंभीर मामले में बीपीओ,पंचायत सचिव तथा रोजगार सेवक की भूमिका प्रतीत हो रही है। उन्होंने बताया कि 12 वर्षीय छात्र अर्श हुसैन, जो कि मध्य विद्यालय कोटाम में कक्षा 6 का विद्यार्थी है, उसके आधार कार्ड संख्याः 8568 1353 6525 पर आधारित जॉब कार्ड संख्या 8568 से निम्नलिखित योजनाओं के तहत मजदूरी की राशि निकाल ली गई।उन्होंने बताया कि बैगटोली, सहजादा सलीम का बिरसा मुंडा आम बागवानी (वर्क कोडः 9926) 10,434 रुपये बैगटोली, कमरुद्दीन मियां का बिरसा मुंडा आम बागवानी (वर्क कोडः 9916) 10,152 रुपये, बैगटोली, सहजादा सलीम का बिरसा मुंडा आम बागवानी (सत्र 2024) 16,320 रुपये इस प्रकार, कुल 38,598 रुपये की अवैध निकासी की गई, जो कि मनरेगा अधिनियम एवं किशोर न्याय अधिनियम दोनों का स्पष्ट उल्लंघन है।

चलती बाइक बनी आग का गोला, चालक की सूझबूझ से बची जान

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लातेहार। सदर थाना क्षेत्र के करकट ग्राम स्थित एनएच-39 (डालटनगंज-रांची मुख्य मार्ग) पर मंगलवार सुबह एक बड़ा हादसा उस समय टल गया, जब एक चलती बाइक में अचानक आग लग गई। बाइक सवार की सूझबूझ से उसकी जान बच गई, लेकिन बाइक पूरी तरह जलकर राख हो गई। घटना भारुका पेट्रोल पंप के समीप हुई, जहां टीवीएस राइडर (संख्या JH19D-4835) में अचानक धुआं निकलने लगा। बाइक चालक अविनाश कुमार यादव, जो मनिका प्रखंड निवासी हैं और लातेहार कोर्ट में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग ऑपरेटर के पद पर कार्यरत हैं, उस समय मनिका से लातेहार जिला मुख्यालय जा रहे थे। अविनाश ने बताया कि जैसे ही उन्होंने बाइक से धुआं निकलते देखा, तुरंत सतर्कता दिखाते हुए उसे सड़क किनारे रोक दिया और निरीक्षण करने लगे। तभी चंद मिनटों में बाइक में आग भड़क गई और देखते ही देखते बाइक पूरी तरह जलकर नष्ट हो गई।

शॉर्ट सर्किट से आग लगने की आशंका

स्थानीय लोगों ने अनुमान जताया है कि बाइक में आग शॉर्ट सर्किट के कारण लगी होगी। आग लगने के बाद वहां मौजूद लोगों ने फौरन अपने मोबाइल कैमरे से वीडियो बनाना शुरू कर दिया, जो अब सोशल मीडिया पर वायरल हो चुका है।

चर्चा का विषय बनी घटना

चलती बाइक में आग लगने की यह घटना इलाके में चर्चा का विषय बन गई है। लोग इसे बाइक की तकनीकी खराबी या वायरिंग फॉल्ट का नतीजा मान रहे हैं। गनीमत यह रही कि समय रहते चालक ने उतरकर अपनी जान बचाई।

ग्रामीणों ने युवक को बिजली खंभे में बांधकर पीटा, एक दुकानदार को ठगने का आरोप

● सदर थाना क्षेत्र के कुलगड़ा गांव में शुक्रवार को एक ठगी करने वालों को ग्रामीणों ने पकड़कर जमकर पिटाई कर दी।तीन की संख्या में साइबर अपराधी एक दुकानदार के यहां पहुंचे और अपने मोबाइल एप्प से पैसे निकासी के लिए बोला। दुकानदार को थोड़ा शक हुआ। आधार कार्ड की मांग भी की गई। तब तक दो ठगी करने वाले चकमा देकर फरार हो गए।

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लातेहार । सदर थाना क्षेत्र के कुलगड़ा गांव में शुक्रवार को एक ठगी करने वालों को ग्रामीणों ने पकड़कर जमकर पिटाई कर दी। बताया जा रहा है कि तीन की संख्या में साइबर अपराधी एक दुकानदार के यहां पहुंचे और अपने मोबाइल एप्प से पैसे निकासी के लिए बोला। इसमें दुकानदार को थोड़ा शक हुआ। आधार कार्ड की मांग भी की गई। तब तक दो ठगी करने वाले चकमा देकर फरार हो गए। इसी दौरान स्थानीय लोगों ने सतर्कता दिखाते हुए ठगों को पकड़ने का प्रयास किया। इस दौरान तीन में से दो लोग मौके से फरार हो गए, जबकि एक युवक को ग्रामीणों ने धर दबोचा। ग्रामीणों ने पकड़े गए युवक को पोल में रस्सी से बांधकर जमकर पिटाई की और इसकी सूचना लातेहार थाना पुलिस को दी। सूचना मिलते ही पुलिस घटना स्थल पर पहुंची। पुलिस एक युवक को हिरासत में लेकर पूछताछ कर रही है। ग्रामीणों ने बताया कि ठगी करने वाला गांव में भोले-भाले लोगों को मोबाइल और बैंक से

जुड़े झूठे झांसे देकर ठगने की कोशिश कर रहे थे। लगातार बढ़ते साइबर अपराधों को देखते हुए ग्रामीणों ने पुलिस से मांग की है कि ऐसे मामलों में ठगों पर सख्त कार्रवाई की जाए। इस संबंध में लातेहार थाना प्रभारी रामाकांत गुप्ता ने कहा कि युवक से पूछताछ की जा रही है। आम लोगों को सतर्क रहने तथा अन्य लोगों को अपने बैंक या मोबाइल संबंधी कोई भी जानकारी साझा नहीं करने की अपील की गई है।

हजारीबाग में नशे के खिलाफ पुलिस का एक्शन, ब्राउन शुगर के साथ तस्कर गिरफ्तार

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

हजारीबाग। कोर्रा थाना पुलिस ने नशीले पदार्थों की तस्करी के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए एक युवक को ब्राउन शुगर के साथ गिरफ्तार किया है। पुलिस ने यह कार्रवाई जिले में चलाए जा रहे नशा विरोधी विशेष अभियान के तहत की है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, कोर्रा थाना कांड संख्या 192/25 के तहत धारा 21(b)/22(b)/29 एनडीपीएस एक्ट में मामला दर्ज किया गया है। पुलिस ने मिथलेश कुमार, पिता राम सेवक प्रसाद को गिरफ्तार किया है। तलाशी के दौरान उसके पास से 8.5 ग्राम ब्राउन शुगर बरामद की गई। पूछताछ में कई अहम खुलासे किए। गिरफ्तारी के बाद पुलिस ने अभियुक्त से प्रारंभिक पूछताछ की, जिसमें उसने नशे के कारोबार और खरीद-बिक्री नेटवर्क से संबंधित कई अहम जानकारियां दी हैं। पुलिस अब इस गिरोह से जुड़े अन्य लोगों की पहचान में जुटी है। थाना प्रभारी ने बताया कि आरोपित को आवश्यक विधिक प्रक्रिया पूरी करने के बाद पुलिस ने आरोपी को न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया है।

नशा तस्करों पर कड़ी नजर

थाना प्रभारी अजित कुमार ने बताया कि नशे के कारोबार पर रोक लगाने के लिए लगातार छापेमारी और निगरानी की जा रही है।

उन्होंने कहा कि "समाज को नशे की कुप्रवृत्ति से मुक्त करने के लिए पुलिस सख्त कार्रवाई कर रही है। कोई भी व्यक्ति बख्शा नहीं जाएगा।"

कश्मीर की पर्यटन आधारित अर्थव्यवस्था सुदृढ़ करने में झारखंड अग्रणी भूमिका निभाए, वित्त मंत्री राधाकृष्ण ने पर्यटन मंत्री को लिखा पत्र

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

रांची। वित्त मंत्री राधाकृष्ण किशोर ने सुझाव दिया है कि कश्मीर के पर्यटन आधारित अर्थव्यवस्था को सुदृढ़ करने में झारखंड को अग्रणी भूमिका निभानी चाहिए। जम्मू एवं कश्मीर की सरकार से समन्वय स्थापित कर हमें अपने राज्य के विद्यार्थियों, युवा वर्ग, उद्यमियों, कला-संस्कृति से जुड़े प्रमुख लोगों आदि की टीम को कश्मीर भेजना चाहिए ताकि वे वहां की सामाजिक-आर्थिक प्रक्षेत्रों की वास्तविक स्थिति की जानकारी प्राप्त कर सकें। प्रमुख कश्मीरियों को भी झारखंड आमंत्रित किया जाए ताकि देश भर में यह संदेश जा सके कि निर्भीकता के साथ कश्मीर की यात्रा कर वहां के पर्यटन आधारित अर्थव्यवस्था को मजबूत करने की दिशा में झारखंड कश्मीरियों के साथ खड़ा है। राधा कृष्ण किशोर ने लिखा है कि पिछले दिनों उन्हें कश्मीर के गुलमर्ग, सोनमर्ग, श्रीनगर और पहलगाम जाने का अवसर प्राप्त हुआ था। कश्मीर यात्रा के क्रम में वहां के प्राकृतिक संपदाओं, संस्कृति, रहन-सहन, आजीविका के स्रोत तथा पर्यटन और कृषि पर आधारित अर्थव्यवस्था की जानकारी प्राप्त की। सचमुच प्रकृति और संस्कृति का अदभुत संगम है कश्मीर। यात्रा में श्रीनगर के टैक्सी संघ, होटल संघ, हाउस बोट संघ, पर्यटन संघ तथा कश्मीरी शाल संघ के कई पदाधिकारियों ने मुझसे मिलकर पर्यटन आधारित हो रहे आर्थिक नुकसान के संदर्भ में कश्मीर की व्यथा मुझे सुनाई। भारतीय

नागरिक होने के नाते मेरा दायित्व है कि कश्मीरियों की व्यथा आप तक पहुंचाऊं।

आतंकी कार्रवाई से दहशत में है कश्मीर

विगत चार दशकों से पाकिस्तान प्रायोजित आतंकी कार्रवाई से न सिर्फ मानव जीवन को बल्कि कश्मीर की संस्कृति, रहन-सहन, जीवनशैली, कृषि, व्यापार, पर्यटन तथा अन्य आर्थिक विकास प्रक्षेत्रों पर भारी प्रतिकूल प्रभाव पड़ा है। 22 अप्रैल 2025 को पहलगाम के बैसरन घाटी में पाकिस्तान प्रायोजित आतंकवादी कार्रवाई ने तो बर्बरता की सारी हदें पार कर दी।

पहलगाम की आतंकी घटना से चरमरा गई है कश्मीर की अर्थव्यवस्था

कश्मीर में पर्यटन, बागवानी, सेव का उत्पादन, पशुपालन, हस्तशिल्प, मत्स्य पालन, मधुमक्खी पालन, लकड़ी आधारित उत्पाद आदि व्यवसाय कश्मीर के आजीविका के मुख्य साधन हैं। पहलगाम की घटना से कश्मीर के पर्यटन व्यवसाय से जुड़ी हुई सभी प्रक्षेत्र बुरी तरह से प्रभावित हुए हैं। इसका असर पर्यटन से संबंधित व्यवसाय पर जबर्दस्त रूप से पड़ा है। जम्मू कश्मीर के आर्थिक सर्वे के अनुसार वर्ष 2024 में जनवरी से दिसंबर तक कश्मीर में घरेलू, विदेशी तथा स्थानीय पर्यटकों की कुल संख्या करीब 35 लाख थी, परन्तु आतंकी भय के कारण पर्यटकों की संख्या में भारी गिरावट आयी है। यदि कश्मीर का पर्यटन आतंक के कारण बाधित हुआ तो अनुमान है कि लगभग 10 लाख लोगों के सामने रोजी-रोटी की समस्या उत्पन्न हो जाएगी। पर्यटकों के अभाव में डल झील, सोनमर्ग, गुलमर्ग, पहलगाम, चंदनबाड़ी, पंचतरणी आदि अन्य प्रमुख दर्शनीय स्थलों पर सन्नाटा पसरा हुआ है। हजारों की संख्या में मोटर गाड़ियां टैक्सी स्टैंडों पर खड़ी हैं। शिकारा वाले, बोट हाउस वाले, पहाड़ी घोड़ों पर सवारी कराने वाले मजदूरों, केसर और सेव की खेती करने वाले किसानों, कश्मीरी शाल के निर्माता कारीगर, लकडियों से बनने वाले हस्तशिल्प के कारीगरों के समक्ष जीविका की गंभीर समस्याएं उत्पन्न हो गई है। केंद्र व राज्य सरकार कश्मीर में समुचित सुरक्षा उपलब्ध कराकर पर्यटकों को कश्मीर की यात्रा करने के लिए प्रेरित करें ताकि पर्यटन आधारित अर्थव्यवस्था पुनः बहाल हो।

संक्षिप्त खबरें

15 तक करें आवेदन

स्वतंत्र प्रभात ब्रेकिंग न्यूज़

चित्रकूट: अपर जिलाधिकारी (वित्त एवं राजस्व) व नागरिक सुरक्षा कोर के नोडल उमेश चन्द्र निगम ने बताया कि जनपद के नगरीय क्षेत्रों में नागरिक सुरक्षा कोर के अवैतनिक स्वयंसेवकों-सदस्यों की नियुक्ति-तैनाती की जानी है। जिसके लिए आगामी 15 नवंबर तक आवेदन किए जाएंगे। एडीएम ने बताया कि नागरिक सुरक्षा विनियम 1968 के अन्तर्गत नागरिक सुरक्षा संगठन के कार्यों को परिभाषित किया गया है। बताया कि इसमें प्रशिक्षण, अभ्यास-प्रदर्शन एवं हवाई हमले से जन-धन की सुरक्षा, शान्ति काल में नागरिक सुरक्षा नगर की नागरिक आबादी को भावी युद्ध तथा उससे उत्पन्न परिस्थितियों से निपटने के लिए प्रशिक्षित करना, आपातकालीन परिस्थितियों में नागरिक सुरक्षा उपायों के त्वरित कार्यान्वयन के लिए प्रत्येक नगर स्तर पर नागरिक सुरक्षा योजना तथा औद्योगिक प्रतिष्ठानों की सुरक्षा योजना बनाना इत्यादि शामिल है। बताया कि नागरिक सुरक्षा कोर के अवैतनिक स्वयंसेवकों-सदस्यों की नियुक्ति-तैनाती के लिए आवेदक की उम्र 18 से 60 वर्ष के मध्य होनी चाहिए। इसके साथ ही न्यूनतम शैक्षणिक योग्यता हाईस्कूल उत्तीर्ण व भारतीय नागरिक होना आवश्यक है। इसके अलावा नागरिक सुरक्षा कोर में स्वयं सेवक-सदस्य का अराजनैतिक व उत्तम चरित्र का होना अनिवार्य है। बताया कि सदस्यता के लिए आपदा प्रबन्धन, प्राथमिक उपचार, अग्निशमन या सुरक्षा कार्यों के अनुभवी अभ्यर्थियों को वरीयता दी जायेगी। इसमें आवेदन करने के लिए अभ्यर्थी नियंत्रक जिलाधिकारी नागरिक सुरक्षा कोर कार्यालय से किसी भी कार्य दिवस में आवेदन प्रपत्र तक प्राप्त कर आगामी 15 नवम्बर तक जमा कर सकते है।

22 पेंशनर्स ने कोषागार को लौटाएं 1,11,76,661 रुपये

चित्रकूट: कोषागार घोटाले में जिन पेंशनर्स के खाते में पैसा गया है, उनमें से 22 पेंशनर्स ने अब तक एक करोड़ से अधिक की धनराशि जमा कर दी है। जिलाधिकारी शिवशरणप्पा जीएन ने बताया कि कोषागार से अनियमित भुगतान के मामले में अभी जांच जारी है। उन्होंने विश्वास दिलाया कि पूरी जांच प्रक्रिया निष्पक्षता और पारदर्शिता के साथ होगी। साथ ही कहा कि जो पेंशनर कोषागार का पैसा जमा करना चाहते है, वह तत्काल कोषागार में संपर्क कर धनराशि जमा कर दें। उन्होंने कहा कि कोषागार का पूरा पैसा वसूल किया जाएगा। इस मामले में किसी भी दोषी को बख्शा नहीं जाएगा। इसी क्रम में वरिष्ठ कोषाधिकारी रमेश सिंह ने बताया कि नौ अक्टूबर से कोषागार में अनियमित भुगतान के मामले में आरोपियों से पैसा जमा कराया जा रहा है। जिसमें 27 अक्टूबर सोमवार तक कुल 1,11,76,661 रुपये जमा कराए जा चुके है। गौरतलब है कि इस घोटाले में चार कोषागार कर्मियों, जिनमें एक अधिकारी सेवानिवृत्त हो चुका है, के अलावा 93 पेंशनरों के खिलाफरिपोर्ट दर्ज की गई है। इनमें 52 बेसिक शिक्षा, 22 माध्यमिक शिक्षा और 19 सिविल पेंशनर हैं। कोषाधिकारी ने बताया कि अब तक पेंशनर्स मोहनलाल, ब्रजनंदन, जीवनलाल, लल्लू प्रसाद, कैलाश नाथ, कामता प्रसाद, महिपाल, अवधेश कुमार, जयश्री, घनश्याम दत्त, हीरालाल मिश्रा, रूक्मणी देवी, नीलकण्ठ मिश्रा, प्रहलाद शुक्ला, त्रियुगी देवी, अवधेश नारायण, काशीनाथ त्रिपाठी, युगुल किशोर, इन्द्रपाल, बिट्टी देवी व गोविन्दी देवी ने धनराशि जमा की है।

डीएम ने सुनी जनसमस्याएं

चित्रकूट: जनपदवासियों की समस्याओ के निस्तारण के दृष्टिगत सोमवार को जिलाधिकारी शिवशरणप्पा जीएन ने कलेक्टरेट स्थित अपने चैंबर में जनसुनवाई का आयोजन किया। इस दौरान उन्होंने फरियादियों की समस्याओं को सुनकर निस्तारण के लिए सम्बन्धितों को निर्देशित किया। जनसुनवाई के दौरान जिलाधिकारी ने आए हुए फरियादियों की समस्याओं को एक-एक कर सुना तथा सम्बन्धित अधिकारियों को शासन की मंशानुरुप गुणवत्तापूर्ण निस्तारण कराने के निर्देश दिए। डीएम ने कहा कि जमीन से सम्बन्धित मामलों में पुलिस व राजस्व विभाग की संयुक्त टीम को मौके पर भेजकर निस्तारण कराएं। निर्देशित किया कि जनसुनवाई के दौरान प्राप्त होने वाली सभी समस्याओं का निस्तारण ससमय गुणवत्तापूर्ण होना चाहिए तथा निस्तारण से सम्बन्धित फरियादी को संतुष्टि भी मिलनी चाहिए। इस मौके पर अपर जिलाधिकारी नमामि गंगे स्वप्निल कुमार यादव, अपर उपजिलाधिकारी अजय यादव, बंदोबस्त अधिकारी चकबंदी मनोहर लाल धर्मन आदि मौजूद रहे।

जिला विद्यालय परिवहन यान समिति की बैठक सम्पन्न

● दो दिवस में शपथ पत्र सहित अनुपालन आख्या प्रस्तुत करने के निर्देश

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

अमेठी। कार्यालय सहायक सम्भागीय परिवहन अधिकारी, अमेठी के सभागार में जिला विद्यालय परिवहन यान समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक में जिला विद्यालय निरीक्षक डॉ. राजेश द्विवेदी, सहायक सम्भागीय परिवहन अधिकारी महेन्द्र बाबू गुप्ता, यात्री सुरक्षा अधिकारी दिनेश कुमार सहित जनपद के 50 से अधिक विद्यालयों के संचालक, प्रबन्धक एवं प्रधानाचार्य उपस्थित रहे। बैठक में सड़क सुरक्षा समिति की जनपदीय बैठक (दिनांक 06.10.2025) में दिये गये निर्देशों से विद्यालयों को अवगत कराते हुए दो दिवस के भीतर शपथ पत्र सहित अनुपालन आख्या प्रस्तुत करने के निर्देश दिए गए। जिला विद्यालय निरीक्षक ने निर्देशित किया कि विद्यालय वाहन निर्धारित संख्या से अधिक छात्रों का परिवहन न करें, चालकों का चरित्र सत्यापन एवं मेडिकल परीक्षण अनिवार्य रूप से कराया जाए, प्रत्येक वाहन में महिला कार्मिक की तैनाती हो तथा केवल फिटनेस प्राप्त और पंजीकृत वाहनों का ही प्रयोग किया जाए। साथ ही, वाहनों की जानकारी निर्धारित प्रारूप पर उपलब्ध कराने, संबंधित रजिस्टर संधारित करने तथा निरीक्षण हेतु प्रस्तुत करने के भी निर्देश दिए गए। सभी वाहन चालकों के नाम, पते और मोबाइल नंबर भी विद्यालयों से मांगे गए। सहायक सम्भागीय परिवहन अधिकारी ने उपस्थित विद्यालय संचालकों को उत्तर प्रदेश मोटर यान (26वां संशोधन) नियमावली 2019 की प्रति प्रदान करते हुए इसके प्रावधानों की जानकारी दी। उन्होंने ठंड के मौसम से पूर्व सभी वाहनों में रिफ्लेक्टर प्लेट लगाने, चालकों का चरित्र सत्यापन पूर्ण कराने तथा अपंजीकृत वाहनों के प्रयोग से बचने की अपील की। यात्री सुरक्षा अधिकारी ने छात्र-छात्राओं की सुरक्षा से जुड़ी आवश्यक जानकारियाँ साझा कीं। बैठक के दौरान विद्यालय प्रबन्धकों ने विभिन्न प्रश्न उठाए जिनका समाधान मौके पर किया गया। साथ ही, विद्यालय संचालकों ने वाहन चालकों के चरित्र सत्यापन की प्रक्रिया को सरल बनाए जाने की मांग की।

कानपुर में छठपूजा के दूसरे दिन धूमधाम से किया खरना

● यातायात परिवर्तन के साथ पुलिस बल की भी तैनाती

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

कानपुर। छठ महापर्व के दूसरे दिन आज धूमधाम से खरना मनाया गया। इसके तहत खीर खाने के बाद निर्जला वृत रहकर जमीन पर सोया जाता है। इसके लिए नए चावल, नये गुड़, गन्ने के रस आदि सामग्री से मिट्टी के चूल्हा पर आम की लकड़ी से अन्य सामग्री मिलाकर खीर बनाकर सूर्य भगवान एवं षष्ठी भैया को चढ़ाने के बाद लोगों को प्रसाद रूप में वितरित किया। आज सूर्य देव की बहन छठ देवी को प्रसन्न करने के लिए भगवान सूर्य की आराधना और उनका धन्यवाद किया गया। खरना पर मां गंगा-यमुना यापवित्र नदी या पोखर (तालाब) के किनारे पूजा की गई। वहीं आर्मापुर नहर, बर्रा नहर और पनकी आदि में नहरों के किनारे जहां भी छठ पूजा के घाट हैं, वहां लोगों ने पहुंच कर पूजा वेदियों को साफ कर उन्हें रंगा और फिर आकर्षक ढंग से सजा घाटों पर बिजली की झालरों से भी सजावट करवाई है। इस दौरान छठ पूजा वाले क्षेत्रों में यातायात परिवर्तन भी किया गया साथ ही पुलिस बल भी तैनात रहा। आज धूमधाम से खन्ना मनाने वाले श्रद्धालुओं को यकीन है कि षष्ठी मां यानी कि छठ माता बच्चों की रक्षा करने वाली देवी हैं। इस व्रत को करने से संतान को लंबी आयु का वरदान मिलता है और इसलिए छठ पूजा की जाती है।छठी मैया का पूजा करने से निःसंतान दंपत्तियों को संतान सुख की प्राप्ति होती है। छठी मैया संतान की रक्षा करती हैं और उनके जीवन को खुशहाल रखती हैं। छठी मैया की पूजा से सैकड़ों यज्ञों के फल की प्राप्ति होती है।

मंडलीय खेलकूद प्रतियोगिताओं में दूसरे दिन रहा चित्रकूट के खिलाड़ियों का दबदबा

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

चित्रकूट: चित्रकूट इंटर कॉलेज कर्वी में चल रही तीन दिवसीय मंडलीय खेलकूद प्रतियोगिता के दूसरे दिन सोमवार को एथलेटिक्स व सांस्कृतिक प्रतियोगिताओं में जनपद चित्रकूट के खिलाड़ियों का दबदबा रहा। सहसंयोजक डॉ रणवीर सिंह चौहान ने बताया कि दूसरे दिन सुबह बरसात हो जाने से खेलकूद की गतिविधियां कुछ बाधित रहीं, लेकिन दोपहर बाद प्रतियोगिताओं के आयोजन में तेजी आई और काफी प्रतियोगिताएं सफलतापूर्वक संपादित कराई गई। दूसरे दिन हुई प्रतियोगिताओं में सीनियर बालक वर्ग में 3000 मीटर की दौड़ चित्रकूट के सुनील कुमार ने जीती जबकि 400 मीटर की दौड़ में बांदा के राहुल गिरि ने बाजी मारी। 1500 मीटर दौड़ में फिर चित्रकूट के सुनील कुमार ने बाजी मारी, महोबा के श्रवण कुमार को दूसरा और चित्रकूट के राम प्रकाश को तीसरा स्थान मिला। लंबी कूद में चित्रकूट के राहुल व रोहित प्रथम व द्वितीय और बांदा के रामबाबू तृतीय रहे। ऊंची कूद में चित्रकूट के सचिन सोनकर ने बाजी मारी तो हमीरपुर के राज यादव को दूसरा और महोबा के दीपक राजपूत को तीसरा स्थान मिला। डिस्कस थ्रो में बांदा के ज्ञानेंद्र ने बाजी मारी, चित्रकूट के रवि कुमार व महोबा के धर्मेंद्र कुमार क्रमशः द्वितीय व तृतीय रहे।

जूनियर बालक वर्ग में 3000 मीटर की दौड़ बांदा के भोलाराम ने जीती तो लंबी कूद में महोबा के हर गोविंद ने बाजी मारी, वहीं ऊंची कूद में चित्रकूट के अतुल कुमार को पहला स्थान मिला और गोला फेंक में शिवम मिश्रा ने बाजी मारी। भाला फेंक में चित्रकूट के अतुल कुमार को पहला स्थान मिला, बांदा के अरुण को दूसरा व हमीरपुर के रेशू को तीसरा मिला।

इसी प्रकार जूनियर बालिका वर्ग की प्रतियोगिताओं में लंबी कूद प्रतियोगिता चित्रकूट की राखी देवी ने जीती, रेशमा को दूसरा व बांदा की रक्षा को तीसरा स्थान मिला। गोला फेंक में काजल को पहला, साक्षी को दूसरा व अर्चना को तीसरा स्थान मिला। 1500 मीटर की दौड़ चित्रकूट की अनामिका देवी ने जीती, बांदा की कंचन पटेल को दूसरा व चित्रकूट की जया को तीसरा स्थान मिला। हैमर में बांदा की साक्षी गुप्ता को पहला स्थान मिला। भाला फेंक में चित्रकूट की अर्चना देवी सबसे आगे रही।

सीनियर बालिका 1500 मीटर की दौड़ में चित्रकूट की सीमा को पहला स्थान, हैमर थ्रो में बांदा की मोनिका विश्वकर्मा को पहला स्थान, गोला फेंक में चित्रकूट की मोना को पहला स्थान, लंबी कूद में बांदा की रक्षा देवी को पहला स्थान, 200 मीटर दौड़ में महोबा की सिमरन को पहला, 3000 मीटर दौड़ में बांदा की स्वाति को पहला स्थान मिला।

सब जूनियर बालिका वर्ग डिस्कस थ्रो प्रतियोगिता में बांदा की आराध्या को पहला, चित्रकूट की माही को दूसरा व बांदा की काजल ने तीसरा स्थान पाया। लंबी कूद में हमीरपुर की रिया को पहला, चित्रकूट की साधना को दूसरा व हमीरपुर की आरती सिंह को तीसरा स्थान मिला। 200 मीटर की रेस में हमीरपुर की आरूसी सिंह को पहला, हमीरपुर की रिया को दूसरा व चित्रकूट की साधना को तीसरा स्थान मिला। जबकि 100 मीटर की फर्राटा दौड़ हमीरपुर की आरुषि सिंह ने जीती। फील्ड में एथलेटिक्स प्रतियोगिताओं का सफल संचालन व्यायाम प्रभारी अवधेश कुमार सिंह श्रीकेशन नवल किशोर, विनोद कुमार सिंह श्याम सुंदर यादव जय सिंह रामस्वरूप सिंह डॉक्टर रमेश सिंह चंदेल भारत सिंह तोमर का योगदान रहा।

साहित्यिक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम की प्रतियोगिताएं भी हनुमान प्रसाद शुक्ला के कुशल निर्देशन में संपादित कराई गई दो दिन चली प्रतियोगिताओं में चित्रकूट जनपद सर्वाधिक अंक लेकर पहले स्थान पर है बांदा दूसरे और महोबा तीसरे स्थान पर है । सहसंयोजक डॉक्टर रणवीर सिंह चौहान और मुख्यमंत्री द्वारा पुरस्कृत प्रधानाचार्य जेपी मिश्रा ,राष्ट्रपति पुरस्कार विजेता मैयादीन पटेल राज्यपाल द्वारा पुरस्कृत लालमन प्रजापति और प्रभारी हनुमान प्रसाद शुक्ल द्वारा सभी विजेता टीमों को प्रशस्ति पत्र और स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया।

इन प्रतियोगिताओं के आयोजन में शिक्षक विजय कुमार पांडेय लालमन डॉक्टर आलोक शुक्ला रामगोपाल गौरीश कुमार महेंद्र कुमार डॉक्टर प्रदीप सिंह रजनीश कुमार मिश्रा रंजना सिंह लक्ष्मी देवी रामेश्वर प्रजापति भानु प्रसाद विश्वकर्मा आदि का सराहनीय योगदान रहा । निर्णायक की भूमिका में शिक्षक रामस्वरूप सिंह जेपी मिश्रा शंकर यादव पुरुषोत्तम प्रजापति आदि का सराहनीय योगदान है।

रास्ते के विवाद को लेकर दो पक्षों में चली लाठी-डंडे और जमकर चले ईंट-पत्थर, 8 लोग घायल तीन की हालत गंभीर

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

सीतापुर जनपद सीतापुर के कोतवाली देहात क्षेत्र के दोसपुर गांव में शनिवार शाम को रास्ते के विवाद को लेकर दो पक्षों में जमकर लाठी-डंडे और ईट-पत्थर चले देखते ही देखते दोनों ओर से लोग आमने-सामने आ गए और माहौल तनावपूर्ण हो गया। इस घटना का वीडियो किसी ने मोबाइल में कैद कर लिया, जो रविवार को सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो गया जानकारी के अनुसार, दोसपुर गांव के निवासी गुड्डू और जोधन के बीच काफी समय से एक रास्ते को लेकर विवाद चल रहा था शनिवार को उसी विवाद को लेकर दोनों पक्षों में कहासुनी के बाद मामला इतना बढ़ गया कि देखते ही देखते दोनों ओर से लाठी-डंडे चलने लगे इस झगड़े में दोनों पक्षों के करीब आठ लोग घायल हो गए। घायलों में गुड्डू के पुत्र सोनू और संजय सहित लक्ष्मी, उर्मिला और रेखा गंभीर रूप से घायल बताए जा रहे हैं। वहीं, आरोपी पक्ष में जोधन, छोटकाऊ, रामू, अंकुश सहित अन्य लोग घायल बताए जा रहे हैं सूचना पर पहुंची पुलिस ने सभी घायलों को उपचार के लिए जिला अस्पताल भिजवाया, जहां तीन की हालत गंभीर बताई जा रही है। दोनों पक्षों ने घटना के बाद थाने में एक-दूसरे के खिलाफ तहरीर दी है पुलिस ने प्रकरण की जांच शुरू कर दी है और वायरल वीडियो के आधार पर आरोपियों की पहचान की जा रही है। प्रभारी निरीक्षक अमर सिंह का कहना है कि मामले की जांच पड़ताल की जा रही है और तहरीर के आधार पर केस दर्ज कर दोनों पक्षों के खिलाफ कार्रवाई की जा रही है!!

कोचिंग केन्द्र के लिए होगी शिक्षकों की भर्ती

चित्रकूटः जिला समाज कल्याण अधिकारी डॉ वैभव त्रिपाठी ने बताया कि जेईई, नीट एवं एक दिवसीय अन्य प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के लिए समाज कल्याण विभाग द्वारा जनपद में मुख्यमंत्री अभ्युदय योजना के तहत संचालित कोचिंग केन्द्र में शिक्षकों की भर्ती की जानी है। जिनका चयन साक्षात्कार व ट्रायल लेक्चर के माध्यम से किया जाएगा। बताया कि आवेदन 27 अक्टूबर से आगामी 10 नवंबर तक किए जाएंगे। बताया कि इच्छुक शिक्षक व शिक्षिका अपने बायोडाटा सहित समस्त अभिलेखों कि स्व प्रमाणित छायाप्रति निर्धारित तिथि तक मुख्य विकास अधिकारी, गोस्वामी तुलसीदास राजकीय महाविद्यालय, जिला विद्यालय निरीक्षक अथवा जिला समाज कल्याण अधिकारी के कार्यालय में उपलब्ध करा सकते है। बताया कि नीट व जेईई की कोचिंग में रसायन विज्ञान, जंतु विज्ञान व गणित विषय के लिए संबंधित विषय में एमएससी प्रथम श्रेणी अथवा एमबीबीएस, बीएएमएस, बीडीएस, एमटेक, बीटेक डिग्री वाले अभ्यर्थियों को चयनित किया जाएगा। इसमें अनुभवी अभ्यर्थियों को वरीयता दी जाएगी। इसके अलावा एक दिवसीय परीक्षा एसएससी, बैंकिंग व रेलवे की कोचिंग के लिए भारतीय अर्थव्यवस्था सहित अन्य विषयों में मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से स्नातक की डिग्री और दो वर्ष का शिक्षण अनुभव के अभ्यर्थियों को चयनित किया जाएगा।

डीएवी एनयूपीपीएल पब्लिक स्कूल में पद्मश्री सम्मानित प्रो. एच.सी. वर्मा की विज्ञान कार्यशाला का भव्य आयोजन

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

घाटमपुर, कानपुर। डीएवी एनयूपीपीएल पब्लिक स्कूल, प्रधानाचार्या प्रियंका गौर के प्रेरणादायी नेतृत्व में, एस.जी.एम.-आईएपीटी अन्वेषिका (भारतीय भौतिकी शिक्षक परिषद) के सहयोग से एक विशेष विज्ञान कार्यशाला का भव्य आयोजन किया गया। इसके मुख्य अतिथि एवं संसाधन व्यक्ति थे प्रख्यात भौतिक विज्ञानी प्रो. एच.सी. वर्मा (आई.आई.टी. कानपुर), जिन्हें पद्मश्री सम्मान (2021) तथा मौलाना अबुल कलाम आज़ाद शिक्षा पुरस्कार (2017) से सम्मानित किया जा चुका है।

कार्यक्रम का संयोजन अमित कुमार बाजपेयी (कोऑर्डिनेटर, शिक्षा सोपान) एवं हिमांशु भारद्वाज (कोऑर्डिनेटर, स्टूडेंट रिसर्च एक्सपोज़र लैब) ने किया। इस अवसर पर डीएवी एनयूपीपीएल एलएमसी मेंबर एवं अभिभावक प्रतिनिधियों में रामबाबू तिवारी एवं मनिमोझी ए. तथा स्कूल कोआर्डिनेटर,एनयूपीपीएल एचआर, सौम्या श्रीवास्तव उपस्थित थे। कक्षा 8 से 12 तक के विद्यार्थियों तथा शिक्षकों ने इस कार्यशाला में अत्यंत उत्साह और जिज्ञासा के साथ भाग लिया।

प्रो. वर्मा ने सरल प्रयोगों के माध्यम से भौतिकी के सिद्धांतों को अत्यंत रोचक और व्यावहारिक ढंग से समझाया तथा विज्ञान के प्रति जिज्ञासा और खोज की भावना को प्रोत्साहित किया। प्रश्नोत्तर सत्र में विद्यार्थियों ने विज्ञान एवं जीवन से जुड़े अनेक प्रश्न पूछे, जिनका प्रो. वर्मा ने सरल, प्रेरणादायक और व्यावहारिक उत्तर दिया। पूरा सभागार उनके ज्ञान, विनम्रता और प्रेरक व्यक्तित्व से अभिभूत रहा। कार्यक्रम के अंतर्गत एक शिक्षक कार्यशाला भी आयोजित की गई, जिसमें प्रो. वर्मा ने शिक्षकों को भौतिकी शिक्षण के प्रयोगात्मक एवं अनुभवात्मक तरीकों पर मार्गदर्शन दिया। उन्होंने कहा कि प्रयोग आधारित शिक्षा से ही विज्ञान छात्रों के जीवन से जुड़ पाता है। कार्यक्रम के समापन पर प्रधानाचार्या प्रियंका गौर ने प्रो. एच.सी. वर्मा, एस.जी.एम.-आईएपीटी अन्वेषिका टीम, अमित कुमार बाजपेयी तथा हिमांशु भारद्वाज के प्रति हार्दिक आभार व्यक्त किया। उन्होंने विद्यार्थियों और शिक्षकों को प्रेरित करते हुए कहा कि वे विज्ञान को प्रयोगात्मक रूप से समझें और उसे अपने दैनिक जीवन में अपनाएँ। यह कार्यशाला विद्यालय परिवार के लिए ज्ञान, प्रेरणा और वैज्ञानिक दृष्टिकोण से परिपूर्ण एक अविस्मरणीय अनुभव बन गई।

गाजे- बाजे के साथ निकाली गई भव्य कलश शोभायात्रा

● विधायक सुरेश पासी सहित शामिल हुए हजारों श्रद्धालु

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बाजार शुकुल अमेठी। विकास खंड क्षेत्र अंतर्गत ग्राम पंचायत हुसैनपुर में होने वाली सामुहिक संगीतमई श्रीमद्भागवत सप्ताह ज्ञानयज्ञ के शुभ अवसर पर आयोजित श्रीमद्भागवत कथा से पूर्व भव्य कलश शोभायात्रा निकाली गई। सिर पर कलश धारण किए महिलाएं आकर्षण का केंद्र बनीं। कलश यात्रा क्षेत्र की परिक्रमा कर भागवत कथा स्थल पहुंचकर संपन्न हुई। भागवत कथा व्यास आचार्य गरूणेश जी महाराज (अयोध्या धाम) ने पूजा अर्चना के बाद भव्य कलश शोभायात्रा का शुभारंभ किया। कलश यात्रा ने पूरे क्षेत्र में भ्रमण किया। भक्तों के जयकारे से माहौल भक्तिमय हो गया। पीले वस्त्रों और चुनरी धारण किए महिलाओं ने कलश को सिर पर रखकर प्रभु का स्मरण किया। आपको बताते चलें कि प्रधान संघ अध्यक्ष बाजार शुकुल सतीश मिश्रा प्रधान ग्राम पंचायत हुसैनपुर की अगुवाई में इस भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है।

जहां सोमवार को श्रीमद भागवत कथा के पूर्व भव्य कलश शोभायात्रा निकाली गई जिसमें डीजे,रथ सहित काफी संख्या में चार पहिया व दो पहिया बाइक व कार एक लंबी कतार में दिखाई दिए। विशाल कलश यात्रा में भव्य झांकी प्रस्तुत हुई और विभिन्न धार्मिक संगीतों पर नृत्य भी हुआ। भव्य कलश शोभायात्रा रेछ घाट गोमती नदी के तट पर पहुंची जहां प्रखंड विद्वान पंडित द्वारा विधि विधान से पूजा अर्चना कर कलश में जल भराया गया। जल भरने के बाद सभी भक्त कथा स्थल पर पहुंचे। कथा आयोजक सतीश मिश्रा ने बताया कि 27 अक्टूबर से 2 नवंबर तक कथा का समय शाम 7 से 10 बजे तक संगीतमय श्रीमद् भागवत कथा का शुभारम्भ कथा व्यास आचार्य गरूणेश जी महाराज अयोध्या धाम के मुखारबिंद से कथा का रसपान कराया जाएगा। कलशयात्रा में प्रमुख रूप से क्षेत्रीय सपत्नी विधायक सुरेश पासी ,समर बहादुर सिंह, प्रधान किस्तीनगर विक्रम सिंह, रविंद्र सिंह, संतराम मौर्य, पत्रकार सुशील कुमार मिश्रा, विकास शुक्ला, प्रधान दारानगर मनोराज यादव,मनोज होटल वाले, सहित हजारों की संख्या में श्रद्धालु शामिल हुए।

निर्माण श्रमिक के रूप में मजदूरों का पंजीयन और नवीनीकरण होने पर मिलता है सरकारी योजनाओं का लाभ- गुप्ता

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

चित्रकूट: सहायक श्रमायुक्त आरके गुप्ता ने बताया कि उत्तर प्रदेश भवन एवं अन्य सन्निर्माण कर्मकार कल्याण बोर्ड द्वारा संचालित कन्या विवाह सहायता योजना का लाभ लेने के लिये श्रमिकों का निर्माण श्रमिकों के रूप में पंजीयन होना एवं पूर्व से पंजीकृत श्रमिकों का प्रत्येक वर्ष नवीनीकरण कराना अनिवार्य है। कहा कि योजना का लाभ लेने के लिए सभी श्रमिक जनसेवा केन्द्र के माध्यम से या स्वयं से बोर्ड के पोर्टल पर पंजीकरण व नवीनीकरण करा सकते है।

बताया कि बोर्ड की गाइडलाइन के अनुसार पूर्व से पंजीकृत निर्माण श्रमिक जिन्होंने विगत चार वर्षो से नवीनीकरण नहीं कराया है, उनका पंजीयन 15 नवंबर के बाद से निरस्त कर दिया जाएगा। इसलिए सभी पूर्व पंजीकृक श्रमिक 15 नवंबर से पहले नवीनीकरण करा लें तथा नवीन श्रमिक बोर्ड के पोर्टल पर पंजीकरण करा लें। बताया कि बोर्ड द्वारा निर्माण श्रमिकों के हितार्थ संचालित कन्या विवाह सहायता योजना में आवेदन के लिए पंजीकृत निर्माण श्रमिक का पंजीयन कम से कम एक वर्ष पुराना होना चाहिए तथा आवेदन करते समय उसका नवीनीकरण भी होना चाहिए। साथ ही आवेदक अपनी पुत्री के विवाह सम्पन्न होने के छः माह के अन्दर समस्त आवश्यक अभिलेखों सहित बोर्ड की वेबसाईट में आवेदन कराएं। जिसमें सभी सम्बन्धित अभिलेखों का संलग्न होना आवश्यक है। आवेदन के बाद श्रमिक के पुत्री अथवा पंजीकृत महिला निर्माण श्रमिक के स्वंय के विवाह के लिए 65000 रु की धनराशि आर्थिक सहायता के रूप में तथा अन्तर्जातीय विवाह के लिए 75000 रु की धनराशि एवं सामूहिक विवाह की स्थिति में न्यूनतम 11 जोडो का विवाह एक साथ एक स्थल पर आयोजित होने की दशा में पुत्री विवाह के लिए 85000 रु की धनराशि बोर्ड द्वारा आर्थिक सहायता के रूप प्रदान किये जान का प्रावधान हैं। बताया कि फर्जी तरीके से योजना का लाभ लेने वालों से धनराशि की वसूली भू-राजस्व के बकाये की भॉति वसूली प्रमाण पत्र जारी करके की जा जायेगी। बताया कि योजना का लाभ पंजीकृत निर्माण श्रमिक की मात्र दो पुत्रियों के लिए ही अनुमन्य होगा।

बिसवां चौराहे से देर रात सौंदर्यीकरण के नाम पर हटाई गई जगन बाबू की मूर्ति

● अफजाल कौसर ने उपजिलाधिकारी को दिया ज्ञापन

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बिसवां सीतापुर काफी दिनों से बिसवां बड़े चौराहे का सौंदर्यीकरण चल रहा है और इसी चौराहे के बीचोबीच में स्वतंत्रता संग्राम सेनानी और पूर्व सांसद जगन्नाथ प्रसाद अग्रवाल ÷जगन बाबू÷ की मूर्ति लगी थी। लेकिन कल रात सौंदर्यीकरण के नाम पर जगन बाबू की मूर्ति गायब कर दी गई। वैसे समय और सत्ता के हिसाब से इसमें गलत कुछ नहीं हुआ है, अब आप पूछेंगे कैसे ? तो समझिए! पहली बात तो जगन बाबू कांग्रेसी थे और जीवन पर्यन्त इसी पार्टी में रहे। अगर उन्होंने भी 2- 3 पार्टियां बदली होती तो शायद उनकी मूर्ति न हटती। दूसरी कमी यह थी कि वह ऐसी बिरादरी से आते हैं जो जातिवादी नहीं है। अगर जगन बाबू भी किसी घोर जातिवादी समुदाय से होते तो वोट कटने के डर से उनकी मूर्ति हटाने की शायद कोई हिमाकत न करता। तीसरी कमी यह थी कि जगन बाबू सुन्दर नहीं थे। अब जब सौंदर्यीकरण हो रहा है फिर उसमें बदसूरत मूर्ति पूरा मजा नहीं किरकिरा देती। इसलिए उसको हटाना तो जरूरी था ही। और जो सबसे बड़ी जगन बाबू में कमी थी वह यह कि वह स्वतंत्रता संग्राम सेनानी थे, उन्होंने देश के लिए इतनी मार खाई थी कि वह बहरे हो गए थे और आजादी के आंदोलन में बीसो बार वह जेल भी गए। इसकी जगह अगर उन्होंने देश को लुटा होता, जनता को ठगा होता और लोगों को सत्ता की हनक में जेल भेजा होता तो शायद आज उनकी मूर्ति न हटती। अरे भाई कुछ तो शर्म करो, कुछ तो सोचो कि किसकी मूर्ति हटा रहे हो। उस आदमी की जिसने आजादी के आंदोलन में तब हिस्सा लिया था, तब जेल गया, तब पीटा गया था जब उनको यह भी नहीं पता था कि देश कब आजाद होगा, या होगा भी की नहीं।

लोकतंत्र से लूटतंत्र के परिवर्तनकाल में पनपे नेताओं कुछ तो सोचो कि आपने उस व्यक्ति की मूर्ति हटाई है जिसने उस उम्र में अपने देश को आजाद कराने का जिम्मा उठाया था जब उनकी उम्र घर की जिम्मेदारियां उठाने की थी। याद रखिए साहब सरकारें आती जाती रहती है आज आपने जगन बाबू की मूर्ति हटाई है कल जब जनता आपको हटाएगी तब आपकी भी निशानियां इसी तरह से हटाई जाएंगी। हम अफजाल कौसर को धन्यवाद देंगे कि उन्होंने इस बड़े मुद्दे का संज्ञान लिया और पुनः वहीं पर जगन बाबू की मूर्ति लगाने की मांग की। हम भी यही चाहते हैं कि आपने मूर्ति हटा दी है कोई बात नहीं लेकिन पुनः उसी जगह पर फिरसे मूर्ति स्थापित कर दें क्योंकि नया घर बनाने पर घर के बड़े बुजुर्गों की पुरानी मूर्तियां हटाते थोड़ी न हैं।

संक्षिप्त खबरें

हमीरपुर रोड रेलवे स्टेशन में लगे तिरंगे के नीचे की टाइल्स टूटी

घाटमपुर/कानपुर। सेंट्रल रेलवे स्टेशन और बांदा रेलवे स्टेशन के मध्य हमीरपुर रोड रेलवे स्टेशन हैं जो कि जनपद मुख्यालय हमीरपुर और निवेली उत्तर प्रदेश पावर लिमिटेड का एक मात्र रेलवे स्टेशन हैं, दैनिक स्वतंत्र प्रभात ने आज देखा कि रेलवे स्टेशन हमीरपुर रोड पर लगा तिरंगा के नीचे फर्स में लगे टाइल्स उखड़े पड़े हुए हैं लेकिन जिम्मेदारों की अभी नजर नहीं पड़ रहीं, आपको बताते चलें कि हमीरपुर रोड रेलवे स्टेशन पर यात्रियों के बैठने के लिए अभी उचित व्यवस्था नहीं है,और न ही अभी तक टीन शेड नहीं बन सका, यात्रियों को भारी असुविधा का सामना करना पड़ रहा है, क्षेत्र के ग्रामीणों, और ग्राम प्रधानों में आक्रोश है जिला पंचायत सदस्य सभुई सोमवती निषाद,रामकरण निषाद,अजीत सचान प्रधान,सिधौल,आनन्दी विश्व कर्मा प्रधान सिरसा, ग्राम प्रधान बांध, ग्राम प्रधान पडरी गंगा दीन, मोहित सचान,विशाल शुक्ला, प्रधान बरीपाल, प्रधान मैधरी, प्रधान धरछुआ,उदय नारायण एडवोकेट हमीरपुर, क्षेत्रीय प्रधानो द्वारा अवगत कराया गया कि रेलवे स्टेशन के परिसर में लगें झंडे के नीचे के सभी टाइल्स टूटी हुई है, तिरंगा के आसपास साफ सफाई और एक वाटिका का निर्माण फव्वारा,पानी,,की व्यवस्था अति आवश्यक है, रेलवे स्टेशन हमीरपुर की सौंदर्य करणकी जाए।

छठ महापर्व पर सुरक्षा एवं व्यवस्था का जायजा

कानपुर। आज दिनांक 27.10.2025 को छठ महापर्व के अवसर पर पुलिस उपायुक्त पश्चिम दिनेश त्रिपाठी द्वारा थाना पनकी-अरमापुर नहर पर पहुंचकर मौके पर व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया गया। महोदय द्वारा घाट पर की गई सुरक्षा, यातायात एवं पार्किंग व्यवस्थाओं का जायजा लिया गया तथा सम्बन्धित अधिकारियों को श्रद्धालुओं की सुविधा एवं सुरक्षा सुनिश्चित करने हेतु आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। सार्वजनिक एवं भीड़भाड़ वाले स्थानों पर मोबाइल पेट्रोलिंग की जा रही है। बालिकाओं एवं महिलाओं की सुरक्षा हेतु सादे वस्त्रों में महिला/पुरुष पुलिसकर्मियों के साथ-साथ मिशन शक्ति एवं एंटी रोमियो टीमों को भी तैनात किया गया है। पूजा स्थलों (नदियों/तालाबों/जलाशयों) पर पर्याप्त प्रकाश एवं गोताखोरों की व्यवस्था सुनिश्चित की गई है। श्रद्धालुओं की भीड़ के मद्देनज़र सुदृढ़ सुरक्षा, पुलिस प्रबंध, यातायात एवं पब्लिक एड्रेस सिस्टम की समुचित व्यवस्था की गई है। स्थानीय अभिसूचना इकाई एवं अन्य अभिसूचना तंत्र द्वारा कानून व्यवस्था को प्रभावित करने वाले असामाजिक तत्वों की गतिविधियों पर कड़ी निगरानी रखी जा रही है। साथ ही, पुलिस सोशल मीडिया सेल द्वारा भी विभिन्न प्लेटफॉर्मों पर लगातार निगरानी की जा रही है ताकि किसी भी अफवाह या भ्रामक सूचना का त्वरित संज्ञान लेकर कार्रवाई की जा सके। वर्तमान में छठ महापर्व शांतिपूर्ण एवं सकुशल रूप से संपन्न हो रहा है तथा सुरक्षा एवं आवागमन व्यवस्था पूर्णतः सुचारु है।

पुलिस कर्मियों द्वारा मारने पीटने से घायल युवकः नेता प्रतिपक्ष ने पीड़ित परिवार से मिले

सिद्धार्थनगर। सिद्धार्थनगर जिले के मोहाना थाना क्षेत्र में 22 अक्टूबर के रात्रि में मां लक्ष्मी की प्रतिमा विसर्जन के दौरान पुलिस द्वारा मारने पीटने से घायल युवक रजनीश पटेल के घर नगर पंचायत कपिलवस्तु के वार्ड नंबर 4 गांधीनगर चंपापुर पहुंचकर नेता प्रतिपक्ष माता प्रसाद पाण्डेय ने पीड़ित परिवार से मिलकर पीड़ित परिवार को हर संभव मदद दिलाने की बात कहीं और इस घटना की घोर निंदा की तथा आरोपी पुलिसकर्मियों पर कठोरत्मक कार्रवाई के लिए उच्चस्तरीय जांच कराने के लिए आश्वासन दिया। इस दौरान पूर्व विधायक विजय पासवान, नगर पंचायत अध्यक्ष प्रतिनिधि जावेद आलम उर्फ चुनने आदि उपस्थित रहे।

घाटमपुर पुलिस ने मासूम से रेप करने वाले का किया हाफ एनकाउंटर

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

घाटमपुर, कानपुर नगर। कमिश्नरेट अंतर्गत थाना घाटमपुर पुलिस ने पांच साल की मासूम से हैवानियत करने वाले आरोपी अनुराग को मुठभेड़ के दौरान दबोच लिया, घाटमपुर पुलिस ने मुखबिर की सटीक सूचना पर आरोपी की घेराबंदी की,तो उसने पुलिस पर फायर झोंक दिया, इसके बाद पुलिस ने उसके दाहिने पैर में गोली मारकर दबोच लिया। शातिर के पास से तमंचा और कारतूस बरामद हुआ है, पुलिस ने उसे प्राथमिक उपचार के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र घाटमपुर में भर्ती कराया है, घाटमपुर थाना क्षेत्र में रहने वाले एक युवक की बच्ची को पड़ोसी युवक ने दबोच कर दुष्कर्म किया, और हालत बिगड़ने पर बाथरूम में बंद करके भाग निकला, था।

सुबह परिवार वालों को बच्ची बदहवास हालत में मिली,तब परिजनों को बारदात की जानकारी हुई थी, इसके बाद से पुलिस ने मौके पर पहुंचकर जांच पड़ताल शुरू की,तब सामने आया कि पड़ोस में रहने वाला पारिवारिक चाचा अनुराग के खिलाफ रेप और पाक्सो एक्ट समेत अन्य गंभीर धाराओं में एफआईआर दर्ज की थी। इसके बाद से पुलिस की टीमें आरोपी अनुराग की तलाश में जुटी थी, घाटमपुर थाना प्रभारी निरीक्षक धनंजय कुमार पाण्डेय ने बताया कि बीतीं देर रात को मुखबिर की सटीक सूचना पर पुलिस रतनपुर,बलहापारा, गांव के जंगलों में आरोपी अनुराग की तलाश में जुटी थी पुलिस, पुलिस ने आरोपी की घेराबंदी की तो उसने सीधे पुलिस पर फायर झोंक दिया,, इसके बाद पुलिस ने घेराबंदी की और आरोपी अनुराग के दाहिने पैर में गोली मारकर दबोच लिया, इसके बाद पुलिस ने घायल आरोपी को प्राथमिक उपचार के लिए घाटमपुर सीएचसी में भर्ती कराया है,आज सोमवार को कोर्ट में पेश करने के बाद जेल भेजा जाएगा, एसीपी क्रष्ण कान्त यादव ने बताया कि आरोपी की तलाश लगातार जारी थी, सूचना मिली कि वह जंगल में छिपा है,

पुलिस टीम ने घेराबंदी की तो आरोपी ने पुलिस पर सीधे फायर झोंक दिया,आत्म रक्षा मे की गई जवाबी फायरिंग में उसके दाहिने पैर में गोली लगी है, उसे गिरफ्तार कर लिया गया है , पुलिस ने बताया कि बच्ची का इलाज कानपुर कानपुर के अस्पताल में ज़ारी है आरोपी के खिलाफ पाक्सो एक्ट समेत कई गंभीर धाराओं में मामला दर्ज किया गया है वरिष्ठ पुलिस अधिकारी घटना की मानिटरिग कर रहे हैं, स्थानीय लोगों में घटना को लेकर आक्रोश है, और आरोपी को कड़ी सजा देने की मांग उठ रही है।

जातिगत आरक्षण खत्म करने की मांग को लेकर सवर्ण आर्मी ने सौंपा ज्ञापन

चित्रकूटः जातिगत आरक्षण खत्म करने, एससी-एसटी एक्ट का दुरुपयोग बंद करने व सवर्ण आयोग की मांग को लेकर सोमवार को सवर्ण आर्मी के पदाधिकारियों ने प्रदेश महासचिव विजय कुमार शुक्ला महामहिम के नेतृत्व में राष्ट्रपति को संबोधित ज्ञापन अपरजिलाधिकारी को सौंपा। इस मौके पर सवर्ण आर्मी के जिलाध्यक्ष विनय मिश्रा, मातृशक्ति जिलाध्यक्ष विनीता द्विवेदी, राखी चौबे, जिला महासचिव दिलीप सिंह ठाकुर, जिला उपाध्यक्ष संदीप मिश्रा, अविनाश शुक्ला, जिला सचिव राहुल मिश्रा, जिला महामंत्री अवनीश पांडेय, जिला उपाध्यक्ष अमन मिश्रा, जिला महामंत्री मुन्नू गौतम, ब्लॉक अध्यक्ष लवकुश त्रिपाठी, आईटी सेल प्रभारी नीरज पांडेय, कार्यकारिणी सदस्य रमाशंकर शुक्ल, इंद्र कुमार मिश्रा, कुलदीप मिश्रा, राजेंद्र, हर्षित सिंह ठाकुर, मानवेंद्र सिंह आदि मौजूद रहे।

जनपद में धान की फसल का उत्पादन जानने को लेकर डीएम ने धान के खेत में करायी क्राप कटिंग

- किसान खेतों में पराली न जलाएं- डीएम

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

प्रतापगढ़। जिलाधिकारी शिव सहाय अवस्थी ने सोमवार को तहसील सदर के अन्तर्गत ग्राम पंचायत खजोहरी में धान की फसल के उत्पादन व उत्पादकता को जानने को लेकर क्रॉप कटिंग करायी। इस दौरान जिलाधिकारी ने राजस्व व कृषि विभाग की टीम के साथ किसान छेदीलाल के खेत पर पहुंचकर स्वयं धान की कटाई भी की। रैंडम नंबर के आधार पर 10 मीटर भुजा वाले समबाहु त्रिभुज (जिसका क्षेत्रफल 43.3 वर्ग मीटर है) की फसल कटाई प्रयोग सफलतापूर्वक जिलाधिकारी के समक्ष संपन्न की गई, इस प्रयोग में 17.380 किलोग्राम उपज प्राप्त हुआ, जिसके आधार पर 40 कुंतल प्रति हेक्टेयर औसत उपज अनुमानित की गई। उन्होंने किसानों से अपील की कि वे अपनी धान की फसल सरकारी क्रय केंद्र पर ही बेचें

ताकि उन्हें उचित मूल्य मिल सके। उन्होने कहा कि किसान पराली न जलाएं और अपने नजदीक की गौशाला पर पराली को ले जाय और वहां से गोबर की खाद लाकर अपने खेतों में डाले जिससे खेतों की उर्वरक क्षमता भी बढ़े और उत्पादन में गुणात्मक सुधार हो सके। क्रॉप कटिंग प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के तहत किसानों को फसल क्षतिपूर्ति का भुगतान करने के लिए महत्वपूर्ण है। इस अवसर पर उप जिलाधिकारी सदर नैन्सी सिंह, जिला कृषि अधिकारी अशोक कुमार, अपर सांख्यिकी अधिकारी मयंक बाजपेई, कानूनगो सुरेश चंद्र, लेखपाल सुधीर पाण्डेय एवं बीमा कंपनी से जिला प्रबंधक अभिज्ञान सिंह, योगेश वर्मा एवं गांव के अन्य लोग भी उपस्थित रहे।

नगरीय क्षेत्रों में नागरिक सुरक्षा कोर में स्वयं सेवक सदस्य हेतु 15 नवम्बर तक करें आवेदन

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

प्रतापगढ़। प्रभारी उप नियंत्रक नागरिक सुरक्षा कोर ने बताया है कि जनपद प्रतापगढ़ के नगरीय क्षेत्रों में नागरिक सुरक्षा कोर के अवैतनिक स्वयं सेवकों,सदस्यों की नियुक्ति तैनाती की जानी है। नागरिक सुरक्षा विनियम-1968 के अंतर्गत प्रशिक्षण, अभ्यास/प्रदर्शन एवं हवाई हमले से जन-धन की सुरक्षा, शान्ति काल नागरिक सुरक्षा नगर की नागरिक आबादी को भावी युद्ध तथा उससे उत्पन्न परिस्थितियों से निपटने के लिये प्रशिक्षित करना, आपात कालीन परिस्थितियों में नागरिक सुरक्षा उपायों के त्वरित कार्यान्वयन हेतु प्रत्येक नगर स्तर पर नागरिक सुरक्षा योजना तथा औद्योगिक प्रतिष्ठानों की सुरक्षा योजना बनाना इत्यादि शामिल है।

उन्होने नागरिक सुरक्षा कोर के अवैतनिक स्वयं सेवकों,सदस्यों की नियुक्ति/तैनाती हेतु अर्हताओं के सम्बन्ध में बताया है कि नागरिक सुरक्षा कोर में स्वस्थ्य एवं सक्रिय सदस्यों की आवश्यकता के दृष्टिगत आवेदक की उम्र 18 वर्ष से 60 वर्ष के मध्य हो, नागरिक सुरक्षा कोर में स्वयं सेवक/सदस्य हेतु महिला एवं पुरूष दोनो आवेदन कर सकते है। न्यूनतम शैक्षणिक योग्यता हाईस्कूल उत्तीर्ण, नागरिक सुरक्षा कोर में सदस्यता हेतु अभ्यर्थी का भारतीय नागरिक होना आवश्यक है। नागरिक सुरक्षा कोर में स्वयं सेवक/सदस्य का अराजनैतिक व उत्तम चरित्र का होना अनिवार्य है। नागरिक सुरक्षा कोर में स्वयं सेवकों/सदस्यों की सदस्यता हेतु आपदा प्रबन्धन, प्राथमिक उपचार, अग्निशमन या सुरक्षा कार्यो के अनुभवी अभ्यर्थियों को वरीयता दी जायेगी। आवेदन हेतु आवेदन प्रपत्र नियंत्रक जिलाधिकारी/नागरिक सुरक्षा कोर कार्यालय कलेक्ट्रेट प्रतापगढ़ (एनआईसी के पास) से किसी भी कार्य दिवस में पूर्वान्ह 10 बजे से अपरान्ह 12.30 बजे तक प्राप्त किये जा सकते है। आवेदन पत्र कार्यालय में 15 नवम्बर को अपरान्ह 4.30 बजे तक जमा किये जायेगें।

अधिवक्ता सौरभ सिंह उच्च न्यायालय में करेंगे प्राधिकरण के वादों की पैरवी

चित्रकूटः मऊ तहसील क्षेत्र के पूरब पताई गांव निवासी सौरभ सिंह पुत्र कुंवर बृजेश सिंह को प्रयागराज विकास प्राधिकरण के विभिन्न वादों की पैरवी के लिए उच्च न्यायालय, इलाहाबाद में अधिवक्ता नियुक्त किया गया है। उनकी इस नियुक्ति से क्षेत्रवासियों में हर्ष की लहर है।

रंगीन झालरों व रोशनी से जगमग हुआ छठ पूजा घाट

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

कानपुर नगर। कानपुर में छठ पूजा को लेकर शहर के घाटों को सजा दिया गया है, वहीं रंग बिरंगी रोशनी से परिसर सराबोर किया गया है,तो कहीं रंगीन झालर के साथ माहौल को आकर्षक बनाने के साथ साथ भक्ति मय बना दिया गया है।

आपको बताते चलें कि पनकी नहर स्थित छठ पूजा घाट का खूबसूरत नजारा दिख रहा है,पनकी नहर स्थित छठ पूजा घाट को पुल से लेकर नहर के दोनों ओर रंगीन व तेज रोशनी वाली झालर से सजाया गया है, इसके अलावा कल्याण पुर पनकी रोड से प्रवेश करते समय रंगीन झालरों के साथ भोले शंकर की दिव्य प्रतिमा आपको बाबा के नमन करने के लिए मजबूर कर देगी,पनकी पूजा कमेटी की ओर से पहले सूर्य देव की रथ व घोड़े के साथ एक विशाल मूर्ति नहर के एक ओर लगाई गई है, सूर्य देव के समान तेज आभा लिए मूर्ति सभी को अपनी ओर आकर्षित करने के लिए काफ़ी है,नहर के घाट दोनों ओर भक्तों ने अपनी अपनी बेटियों को सजाया है, भक्तों द्वारा सजाया गया लाल,पीला,व अन्य रंग घाट की शोभा बढ़ाने का काम कर रहे हैं,हर किसी ने पेंट से अपनी बेदी को सजाने का काम कर रहे हैं, इसके साथ ही नहर के दोनों ओर पानी को पार करते हुए रंगीन झालरों को लगाया गया है, जिसकी रोशनी नहर के पानी में पड़ते ही तस्वीर को और खूबसूरत बना देती है, पूजा

घाट में एक ओर मंच बना है जिसमें आज सोमवार शाम से सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा,घाट को इतना बेहतर सजाया गया है कि पनकी नहर पुल से निकलने वाले एक बार इस सुन्दर नज़ारे को देखने के लिए रूक अवश्य रहें हैं,साथ ही कैमरे में इस नजारे को कैद कर रहे हैं।

प्रदेश सरकार निराश्रित, गरीब पात्र वृद्धों को दे रही है रूपये 12 हजार वार्षिक पेंशन

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

प्रतापगढ़। प्रदेश सरकार का समाज कल्याण विभाग पुरूष व महिला, बुजुर्गों व किसानों के लिए वृद्धावस्था/किसान पेंशन योजना चला रही है। इस योजनान्तर्गत 60 वर्ष से अधिक आयु के ऐसे स्त्री-पुरुष जो असहाय, वृद्ध गरीबी रेखा के नीचे जीवनयापन करने वाले है ऐसे सभी पुरूष व महिला पेंशन पाने के लिए पात्र है।वृद्धावस्था/किसान पेंशन योजनान्तर्गत लाभार्थियों का चयन ग्रामीण स्तर पर ग्राम पंचायत की खुली बैठक में होता है।इस योजनान्तर्गत लाभ पाने के लिए आवेदन ऑनलाइन किया जाता है। ऑनलाइन आवेदन करते समय लाभार्थी का फोटो, जन्म/आयु प्रमाण पत्र, पहचान प्रमाण पत्र (वोटर आई0डी0/आधार कार्ड/राशन कार्ड) बैंक पासबुक की फोटोकापी, निवास व आय प्रमाण पत्र लगाना पड़ता है। पेंशन के प्राप्त प्रस्ताव को जांचोपरान्त मंजूर करते हुए समाज कल्याण विभाग द्वारा सम्बंधित लाभार्थी के बैंक खाते में प्रतिमाह रूपये 1000 की दर से सालाना रूपये 12000 पेंशन दी जा रही है।वृद्धावस्था/किसान पेंशन योजनान्तर्गत 60 वर्ष से 79 वर्ष तक की आयु के पेंशनरों को रूपये 1000 प्रतिमाह की दर से दी जा रही पेंशन में रूपये 800 राज्यांश एवं रूपये 200 केन्द्रांश होता है। इसी प्रकार 80 वर्ष या उससे अधिक आयु के वृद्धजनों को दी जा रही 1000 रूपये की पेंशन का रूपये 500 राज्यांश व रूपये 500 केन्द्र सरकार द्वारा वहन किया जाता है। इस योजना में वर्ष 2017-18 में जहाँ 37.47 लाख लाभार्थी थे वही वर्ष 2024-25 तक 67.50 लाख लाभार्थी हो गये हैं। वर्तमान सरकार के कार्यकाल में पात्र 30.03 लाख नवीन पेंशनरों को लाभान्वित किया जा रहा है। सभी पात्र लाभार्थियों को पेंशन देने के लिए सरकार ने करोड़ों रूपये व्यय किया है।

राजकीय सम्मान के साथ दी गई विदाई

चित्रकूटः जनपद प्रतापगढ़ के महिला थाना में उपनिरीक्षक के पद पर तैनात जनपद के राजापुर तहसील क्षेत्र के सरधुवा निवासी महानंद त्रिपाठी के पार्थिव शरीर को सोमवार को राजकीय सम्मान के साथ अन्तिम विदाई दी गई। राजापुर तहसील क्षेत्र के सरधुवा निवासी स्व महानन्द त्रिपाठी प्रतापगढ़ के महिला थाने में उपनिरीक्षक के पद पर तैनात थे, जिनकी ड्यूटि के दौरान बीते रविवार को सड़क दुर्घटना में मृत्यु हो गई थी। सोमवार को राजकीय वाहन से उनके शव को सरधुवा स्थित आवास लाया गया। यहां पर अपर पुलिस अधीक्षक सत्यपाल सिंह, थानाध्यक्ष सरधुवा राम सिंह सहित अन्य पुलिस अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने उनके शव को गार्द ऑफ आनर देकर शोक सलामी दी। साथ ही पुष्प अर्पित कर अंतिम विदाई दी।

छठ महापर्व पर सुहागिनों ने डूबते सूर्य को दिया अर्घ्य, लंभुआ में गूंजे छठी मइया के गीत

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लंभुआ (सुल्तानपुर)। नगर पंचायत लंभुआ के गांधीनगर स्थित घाट पर सोमवार की शाम छठ महापर्व की छटा देखते ही बन रही थी। सैकड़ों की संख्या में सुहागिन महिलाएं पारंपरिक वेशभूषा में सजधजकर पहुंचीं और डूबते सूर्य को अर्घ्य देकर भगवान सूर्य व छठी मइया से परिवार की सुख-समृद्धि की कामना की। वातावरण ÷जय छठी मइया÷ के जयघोष से गूंज उठा। घाट पर महिलाओं ने टोकरी में ठेकुआ, फल, नारियल, गन्ना आदि पूजन सामग्री सजाई और सूर्यदेव को जल अर्पित किया। कई महिलाएं अपने बच्चों के साथ पूजा में शामिल हुईं। श्रद्धा और भक्ति से ओतप्रोत यह दृश्य देखने वालों को भावविभोर कर गया। सुरक्षा व्यवस्था को लेकर लंभुआ पुलिस पूरी तरह मुस्तैद रही, जिससे कार्यक्रम शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हुआ। नगर पंचायत अध्यक्ष प्रतिनिधि महेंद्र प्रताप सिंह भी घाट पर पहुंचे और श्रद्धालुओं से मुलाकात कर पर्व की शुभकामनाएं दीं। स्थानीय लोगों की मानें तो लंभुआ में हर वर्ष छठ पूजा का आयोजन और भव्य होता जा रहा है। महिलाओं ने बताया कि यह पर्व न केवल

आस्था का प्रतीक है, बल्कि सामाजिक एकता और पवित्रता का भी संदेश देता है। सोमवार की सुबह उगते सूर्य को अर्घ्य देकर चार दिवसीय महापर्व का समापन होगा।

दो अलग-अलग पुलिस मुठभेड़ में पच्चीस-पच्चीस हजार के इनामी दो गिरफ्तार

- एक गोपीगंज तो दूसरा ऊंज क्षेत्र से पकड़ा गया

दोनों के पैर में लगी गोली, तमंचा व कारतूस बरामद

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

भदोही। जनपद पुलिस ने रविवार की रात दो अलग-अलग मुठभेड़ों में पच्चीस-पच्चीस हजार रुपये के इनामी दो अपराधियों को धर दबोचा। दोनों ही आरोपी गौकशी व पशु तस्करी से जुड़े मामलों में वांछित थे। पुलिस की जवाबी फायरिंग में दोनों के पैर में गोली लगी, जिन्हें इलाज के लिए अस्पताल भेजा गया है।

पहली मुठभेड़ थाना गोपीगंज क्षेत्र में रविवार रात लगभग 10:05 बजे हुई। पुलिस टीम गोमती देवी स्कूल, ग्राम अमवा माफी के पास संदिग्ध व्यक्तियों और वाहनों की चेकिंग कर रही थी। इसी दौरान मुखबिर की सूचना पर पहुंचे पुलिसकर्मियों पर वांछित मुनव्वर पुत्र जलील (35 वर्ष) निवासी अमवा माफी ने तमंचे से फायर किया। पुलिस की जवाबी कार्रवाई में मुनव्वर के बाएं पैर में घुटने के नीचे गोली लगी।

मुनव्वर थाना गोपीगंज पर दर्ज मुकदमा संख्या 442/2025, धारा 3/5/8 गौवध निवारण अधिनियम एवं धारा 11 पशु क्रूरता निवारण अधिनियम में पच्चीस हजार रुपये का इनामी अपराधी था। पुलिस ने उसके कब्जे से एक तमंचा 12 बोर, एक जिंदा व एक खोखा कारतूस बरामद किया। घायल आरोपी को अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां उसकी हालत सामान्य बताई जा रही है।

दूसरी मुठभेड़ थाना ऊंज क्षेत्र में रात लगभग 11:35 बजे हुई। थाना पुलिस टीम संदिग्ध वाहनों की चेकिंग कर रही थी, तभी मुखबिर से सूचना मिली कि एक वांछित गैंगस्टर किसी वारदात की फिराक में वहीदा मोड़ की तरफ से आ रहा है। पुलिस ने नहर पुलिया, कालिंजर मोड़ के पास उसे घेर लिया। इस दौरान आरोपी जावेद अहमद पुत्र शाहित अहमद (40 वर्ष) निवासी पुरानी बाजार बिहका, थाना पूरामुफ्ती, जनपद प्रयागराज ने पुलिस पर फायरिंग कर दी। जवाबी कार्रवाई में जावेद के दाएं पैर में गोली लगी और पुलिस ने उसे दबोच लिया।

जावेद थाना ऊंज पर दर्ज मुकदमा संख्या 69/2025 गैंगस्टर एक्ट में पच्चीस हजार रुपये का इनामी अपराधी था। पुलिस ने उसके पास से एक तमंचा 315 बोर, एक जिंदा व एक खोखा कारतूस तथा बिना नंबर प्लेट की स्पलेंडर मोटरसाइकिल बरामद की। दोनों घटनास्थलों का निरीक्षण फॉरेंसिक टीम व उच्चाधिकारियों ने किया। पुलिस अधीक्षक ने दोनों मुठभेड़ों को अपराध पर सख्त कार्रवाई का उदाहरण बताते हुए संबंधित टीमों को सराहना की है।

तीन घरों में गूंजी किलकारी, तीन मासूमों को मिला नया परिवार

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

कानपुर नगर। जिलाधिकारी कार्यालय सोमवार को भावनाओं से भर गया। जिलाधिकारी जितेंद्र प्रताप सिंह ने जैसे ही दत्तक ग्रहण आदेश पर हस्ताक्षर किए और तीन दंपत्तियों को प्रमाणपत्र सौंपे, वहां मौजूद हर व्यक्ति की आंखें नम हो उठीं। जिन घरों में बरसों से इंतजार था, वहां अब बच्चों की किलकारियां गूंजेंगी।

हालात ने नन्हें मासूमों को छोड़ा अकेला, अब मिला सहारा

नवजात परी को जिसे नजीराबाद थाने के अंतर्गत लावारिस पाया गया था। नवजात करन को जो कोतवाली क्षेत्र से निराश्रित अवस्था में मिला और नवजात सोना अनवरगंज रेलवे स्टेशन पर अकेली मिली थी। इन तीनों बच्चों को बाल कल्याण समिति के आदेश से स्वरूप नगर स्थित राजकीय विशेषज्ञ दत्तक ग्रहण इकाई / बालिका गृह में रखा गया। वहीं से इनकी देखरेख हुई और कानूनी प्रक्रिया पूरी कर इन्हें स्वतंत्र घोषित किया गया। आज ये तीनों नए परिवारों की धरोहर बन गए। तीन मासूमों को ममता और स्नेह मिला और तीन दंपत्तियों को जीवन का सबसे बड़ा उपहार।

कौन बने माता-पिता

हैदराबाद के प्रवीण कुमार दीवानजी और लता श्रीवास्तव ने परी को गोद लिया, जिसका नया नाम रखा गया रायिनी। धनबाद (झारखंड) के दिनेश कुमार तिवारी और अनामिका तिवारी ने करन को गोद लिया, जिसका नाम रखा गया आयांस तिवारी। जयपुर के भीमराज और मीना देवी ने सोना को गोद लिया, जिसे अब वान्या नाम मिला है।

भावनाओं से भरे पल

जब लता श्रीवास्तव ने नन्हीं रायिनी को सीने से लगाया, उनकी आंखें छलक पड़ीं। मीना देवी ने वान्या का माथा चूमा, तो दिनेश

तिवारी ने आयांस को गोद में भरकर कहा कि आज हमारा घर पूरा हो गया।

गोद लेने की प्रक्रिया पूर्णतया पारदर्शी

यह पूरी प्रक्रिया महिला एवं बाल विकास मंत्रालय अधिसूचना 2022 और किशोर न्याय अधिनियम 2015 के प्रावधानों के तहत CARA (केन्द्रीय दत्तक ग्रहण संसाधन प्राधिकरण) के पोर्टल (https://cara.wcd.gov.in/) के माध्यम से संपन्न हुई।

हजारों श्रद्धालुओं ने परिवार सहित की पूजा, आस्था का दिखा संगम- छठ का पहला अर्घ्य

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बलिया में छठ महापर्व के पहले अर्घ्य पर सोमवार को गंगा घाटों पर श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ी। शहर, गांव सहित विभिन्न प्रमुख घाटों पर हजारों भक्तों ने परिवार सहित भगवान सूर्य को अर्घ्य दिया, जिससे पूरा वातावरण भक्तिमय हो गया। संध्या बेला में व्रतधारी महिलाएं पारंपरिक वेशभूषा में सूप और डलिया में ठेकुआ, फल और नारियल जैसी पूजन सामग्री लेकर घाटों पर पहुंचीं। इस दौरान ÷कांच ही बांस के बहंगिया..." और "उगऽ हे सूरज देव..." जैसे छठ गीतों से पूरा वातावरण गुंजायमान हो उठा। कई ग्राम सभाओं के ग्राम प्रधानों और समाजसेवियों ने श्रद्धालुओं के लिए पानी, चाय और प्रसाद की व्यवस्था की। उन्होंने घाटों पर साफ-सफाई, रोशनी और बैरिकेडिंग में भी सहयोग किया, जिससे भक्तों को सुविधा मिली। दीपों की रोशनी और श्रद्धा के भाव से आलोकित

घाटों पर श्रद्धालु देर रात तक भक्ति में लीन रहे। छठ महापर्व का समापन मंगलवार सुबह उदयमान सूर्य को अर्घ्य देने के साथ किया जाएगा।

किसानों के भुगतान में कटौती के विरोध में भाकियू ने सौंपा ज्ञापन

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

चित्रकूटः भारतीय किसान यूनियन ने गल्ला मण्डी व्यापारियों द्वारा किसानों से फसल खरीदकर भुगतान के समय किए जाने वाले दो प्रतिशत की कटौती के विरोध में सोमवार को उपजिलाधिकारी सदर को ज्ञापन सौंपा।

भाकियू जिलाध्यक्ष राम सिंह राही ने बताया कि गल्ला मंडी में विगत कई वर्षो से गल्ला व्यापारियों द्वारा किसानों का शोषण किया जा रहा है। बताया कि बताया कि जब किसान मण्डी में अपनी फसल बेचने आते है, तो आढ़तियों द्वारा की फसल खरीद कर दो प्रतिशत टीडीएस कटौती कर भुगतान किया जाता है, जिसका व्यापारियों को कोई अधिकार नहीं है। बताया कि किसानो को नगद या चेक के भुगतान पर दो प्रतिशत की कटौती का कोई प्रावधान नहीं है। मांग की कि किसानों पर हो रहे इस शोषण पर अंकुश

लगाया जाए। भाकियू पदाधिकारियों ने युवा व्यापार गल्ला आढ़ती समिति के अध्यक्ष ज्ञान सिंह एवं गल्ला व्यापारी थोक के अध्यक्ष शिवमंगल सिंह से मुलाकात कर इस सम्बन्ध में ज्ञापन दिया और किसानों के भुगतान पर किए जा रहे दो प्रतिशत कटौती का विरोध जताया।

कहा कि इस बार धान खरीद पर किसानों के साथ शोषण नहीं होने दिया जाएगा। इसी प्रकार भाकियू पदाधिकारियों ने इस सम्बन्ध में सदर उपजिलाधिकारी को भी ज्ञापन सौंपा। कहा कि भुगतान में कटौती समाप्त न किए जाने पर भाकियू आंदोलन के लिए बाध्य होगा।

इस मौके पर भारतीय किसान यूनियन के जिला महामंत्री अरुण कुमार पाण्डेय, मंडल सचिव उदयनारायण सिंह, जिला उपाध्यक्ष शिवदयाल सिंह बघेल, तहसील अध्यक्ष राजकिशोर सिंह, शैलेन्द्र सिंह, ब्लॉक अध्यक्ष अजय सिंह, ज्ञान सिंह, जिला मीडिया प्रभारी देवेन्द्र सिंह सहित अन्य पदाधिकारी व किसान मौजूद रहे।

संक्षिप्त खबरें

कही चिटफंड के शिकार व्यौहारी क्षेत्र की जनता तो नही हो रही

आकाश पथ नामक ग्रुप में तीन साल में डबल मुनाफा का दे रही लालच क्या सही है- जॉच का विषय

शहडोल से इन दिनों समूचे व्यौहारी में यह चर्चा का विषय है कि 1 करोड़ रू. निवेष कर तीन साल में डबल राषि एवं कार व निवास के जमीन आकाश पथ नामक ग्रुप द्वारा दिए जाने का प्रलोभन सुर्खियों में है। क्या भारत सरकार एवं रिजर्व बैंक व म.प्र. सरकार से पंजीकृत मान्यता प्राप्त ऐसी ग्रुप है जो आम जनता को इस तरह का लालच देकर क्षेत्र की भोली भाली जनता को भरोषा दिलाया जा रहा है कि तीन साल में डबल मुनाफा पाकर आकाश पथ ग्रुप का लाभ उठाए स्थानीय नागरिको ने इस पर जिला प्रषासन व स्थानीय प्रषासन से शीध्र संज्ञान में लेकर जॉच कर वास्तविकता को उजागर करने की मांग की है जिससे मेहनत व गाड़ी कमाई का पैसा कहीं गलत किसी चिट फंट कम्पनी के रूप में नही किया जा रहा है।

नोएडा में ऊंची इमारत से गिरने से युवक की मौत

अधिकारी ने पीटीआई-को बताया, वह शनिवार को सोसाइटी में दोस्तों से मिलने गया था जिनसे वह ऑनलाइन ऐप से जुड़ा था। शर्मा ने बताया कि कुमार नोएडा में मेडिकल प्रतिनिधि (एमआर) के तौर पर काम करता था।

नोएडा में 29 वर्षीय एक मेडिकल प्रतिनिधि (एमआर) की कथित तौर पर सेक्टर 74 में स्थित एक आवासीय सोसाइटी की आठवीं मंजिल से गिरने से मौत हो गई। पुलिस ने सोमवार को यह जानकारी दी। अधिकारियों के अनुसार, वह व्यक्ति कुछ दोस्तों से मिलने गया था जिनसे वह हाल में एक ऑनलाइन ऐप के ज़रिए जुड़ा था। सेक्टर 113 पुलिस थाना प्रभारी (एसएचओ) के जी शर्मा ने बताया, मृतक की पहचान अलीगढ़ निवासी शुभम कुमार के रूप में हुई है। वह रविवार सुबह सेक्टर 74 स्थित सुपरटेक नॉर्थ आई सोसाइटी की आठवीं मंजिल से गिर गया। अधिकारी ने पीटीआई-को बताया, वह शनिवार को सोसाइटी में दोस्तों से मिलने गया था जिनसे वह ऑनलाइन ऐप से जुड़ा था। शर्मा ने बताया कि कुमार नोएडा में मेडिकल प्रतिनिधि (एमआर) के तौर पर काम करता था। घटना के बाद कुमार को तुरंत पास के अस्पताल ले जाया गया लेकिन चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। प्रभारी ने बताया, मामले में जांच जारी है। घटनाक्रम का पता लगाने के लिए इमारत के सीसीटीवी फुटेज खंगाले जा रहे हैं।

मेड़ बांधने को लेकर विवाद में चचेरे भाई को कुल्हाड़ी से काट डाला, आजमगढ़ पुलिस के हिरासत में आरोपी

आजमगढ़। सिरही मनोरथपुर दुबौली गांव में खेत में मेड़ बाधने को लेकर दो चचेरे भाइयों में विवाद हो गया। विवाद इतना बढ़ा का की एक भाई ने दूसरे भाई की कुल्हाड़ी मार कर हत्या कर दी। मामले की जानकारी मिलते ही मौके पर पहुंची पुलिस घटना में शामिल चार लोगों को हिरासत में लेकर पूछताछ कर रही है। दुबौली गांव निवासी 40 वर्षीय जितेंद्र चौहान व चचेरा भाई सुग्गन चौहान गांव के बाहर सिवान में स्थित खेत में टीन शेड डाल कर अगल-बगल रहते थे। शनिवार की सुबह सुग्गन चौहान खेत में बंटवारे को लेकर बने मेड़ की छंटाई कर रहा था। जितेंद्र के विरोध करने पर दोनों के बीच विवाद होने लगा, विवाद इतना बढ़ा कि शाम होते होते सुग्गन, उसकी पत्नी पार्वती देवी, पिता इंद्रपाल, मां राबड़ी देवी लाठी, डंडा, कुल्हाड़ी और फावड़ा लेकर जीतेंद्र पर टूट पड़े। बीच बचाव करने पहुंची जितेंद्र की पत्नी आशा देवी भी चोटिल हो गई। जितेंद्र के अधमरा होने पर सभी आरोपित छोडकर अपने घर चले गए। स्थानीय लोगों की मदद से स्वजन गंभीर रूप से घायल जितेंद्र को लेकर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र हरैया पहुंचे। जहां चिकित्सक ने जांच के बाद जितेंद्र को मृत घोषित कर दिया। वहीं पत्नी आशा को प्राथमिक उपचार के बाद छोड़ दिया। ग्रामीणों ने बताया कि दोनों लोगों में अक्सर मेड़बंदी को लेकर विवाद होता रहता था। जीतेंद्र राजमिस्त्री का कार्य कर अपने परिवार की जीविका चलाता था। मौत की खबर मिलते ही पत्नी आशा, मां चनौती देवी, पिता मुसाफिर चौहान, दस वर्षीय बेटा सुमित, आठ वर्षीय सरिता और छह वर्षीय संजू का रो-रोकर बुरा हाल है। वहीं सुग्गन मजदूरी करता है। थाना प्रभारी मंतोष सिंह ने बताया कि शव को कब्जे में लेकर पीएम के लिए भेज दिया गया है।

पंजाब: बठिंडा की अदालत में पेश हुई कंगना रनौत, बुजुर्ग महिला पर टिप्पणी को लेकर मांगी माफी

● हिमाचल प्रदेश के मंडी से सांसद और बॉलीवुड अभिनेत्री कंगना रनौत की पंजाब के बठिंडा की अदालत में आज उनकी पेशी हुई. जहां, उन्होंने किसान आंदोलन के समय दिए गए अपने बयान पर खेद जताया और कहा कि उनका इरादा किसी को ठेस पहुंचाना नहीं था

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

हिमाचल के मंडी से बीजेपी सांसद और एक्ट्रेस कंगना रनौत ने किसान आंदोलन के दौरान बुजुर्ग महिला को लेकर की गई टिप्पणी पर माफी मांग ली है. सोमवार को बठिंडा कोर्ट में पेश हुई कंगना रनौत ने अपने बयान पर खेद जताते हुए कहा है कि हर माता मेरे लिए पूजनीय है चाहे वो पंजाब की हो या हिमाचल की हो. मैंने किसी व्यक्ति विशेष के लिए टिप्पणी नहीं की थी. मैने केवल एक मीम को रिपोस्ट किया था. कोर्ट में कंगना ने पीड़ित पक्ष से कहा कि अगर आपको मेरे बयान से ठेस पहुंची तो मैं खेद जताती हूं।

ये मामला उस समय का है जब किसान आंदोलन के दौरान कंगना रनौत ने सोशल मीडिया पर पंजाब की एक बुजुर्ग महिला को लेकर टिप्पणी की थी. कंगना ने एक 87 साल की बुजुर्ग किसान को 100-100 रुपए लेकर धरने में शामिल होने वाली महिला बताया था. बठिंडा जिले के गांव बहादरगढ़ जंडियां की रहने वाली उस बुजुर्ग महिला ने अपनी छवि को नुकसान पहुंचाने के आरोप में कंगना के खिलाफ मानहानि का मुकदमा दर्ज करवाया था. इसके बाद पंजाब के कई हिस्सों में किसानों और सामाजिक संगठनों ने कंगना के बयान का कड़ा विरोध किया था।

कोर्ट में कुछ सालों से लंबित था केस

ये केस पिछले कुछ सालों से अदालत में लंबित था. हाल ही में सुप्रीम कोर्ट ने कंगना रनौत की वो याचिका खारिज कर दी, जिसमें उन्होंने केस को रद्द करने की मांग की थी. सुप्रीम कोर्ट ने निर्देश दिया था कि कंगना रनौत को बठिंडा की अदालत में पेश होकर कार्यवाही में सहयोग करना होगा. इसी आदेश के तहत आज कंगना अदालत में पेश हुई।

कोर्ट ने मामले को रद्द करने से किया इंकार

पिछले कुछ सालों में ये केस कई कानूनी चरणों से गुजरा है. निचली अदालत ने कंगना को कई समन जारी किए. समन का उन्होंने जवाब नहीं दिया. वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के ज़रिए कार्यवाही में शामिल होने का उनका अनुरोध भी अस्वीकार कर दिया गया. पंजाब और हरियाणा हाई कोर्ट और बाद में सुप्रीम कोर्ट ने मामले को रद्द करने से इनकार कर दिया।

सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि कंगना ने न केवल एक पोस्ट शेयर की थी, बल्कि बुजुर्ग महिला को निशाना बनाते हुए अपनी अलग टिप्पणी भी जोड़ी थी. सुप्रीम कोर्ट के निर्देश का पालन करते हुए निचली अदालत ने कंगना को 27 अक्टूबर को व्यक्तिगत रूप से उपस्थित होने का आदेश दिया।

आरडब्ल्यूए फोन ग्रुप में साइबर हैकिंग का मामला, सामने आया है महासचिव ने साइबर क्राइम सेल से सख्त कार्रवाई करने की मांग

● अमित कुमार सिंह पर आरडब्ल्यूए ग्रुप हैक करने एवं पदाधिकारियों को हटाने और धमकाने के गंभीर आरोप

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

नई दिल्ली। दिल्ली के दिलशाद गार्डन स्थित पॉकेट-डी की रेज़िडेंट वेलफेयर एसोसिएशन (आरडब्ल्यूए) में एक गंभीर साइबर प्रकरण सामने आया है। आरडब्ल्यूए के महासचिव शशांक शर्मा ने नॉर्थ-ईस्ट दिल्ली साइबर क्राइम शाखा को शिकायत दर्ज कराते हुए आरोप लगाया है कि स्थानीय निवासी अमित कुमार सिंह ने बिना अनुमति आरडब्ल्यूए के आधिकारिक व्हाट्सएप ग्रुप को हैक कर खुद को एडमिन बना लिया और सभी पदाधिकारियों को एडमिनशिप से हटा दिया।शिकायत के अनुसार, यह घटना 12 अक्टूबर 2025 की रात करीब 3:30 बजे की है, जब आरोपी अमित कुमार सिंह ने मोबाइल नंबर 7377379123 से यह साइबर अपराध किया गया। शर्मा का कहना है कि अमित ने ग्रुप में अनुचित, भ्रामक और अपमानजनक संदेश भेजकर आरडब्ल्यूए अध्यक्ष और महासचिव सहित अन्य पदाधिकारियों की छवि धूमिल करने का प्रयास किया।अमित कुमार पर धमकी और दुर्व्यवहार के भी आरोप लगाये हैं।शिकायत में आगे कहा गया है कि अमित कुमार सिंह पॉकेट में बिना अनुमति के व्यावसायिक दुकान चलाता है, और अपने व्यवसायिक हितों के लिए समाजहित के कार्यों का विरोध करता है।

हाल ही में जब आरडब्ल्यूए ने स्थानीय निवासियों की सुविधा के लिए फ्री हाउस टैक्स कैंप आयोजित किया, तो आरोपी ने इसका विरोध करते हुए कहा कि "इससे उसकी कमाई पर असर पड़ता है।"आरडब्ल्यूए महासचिव शर्मा का आरोप है कि कैंप के दौरान आरोपी ने स्थानीय इंटरनेट सेवा प्रदाता को फोन कर वाइफाई बंद करवाने की धमकी दी, और ऐसा न करने पर आरडब्ल्यूए सदस्य घनेन्द्र (सोनू) को जान से मारने तथा उनके बच्चे के अपहरण की धमकी तक दे डाली।पूर्व प्रधान पर भी सहयोग करने का आरोप लगाया आरडब्ल्यूए की शिकायत में यह भी उल्लेख है कि आरोपी ने अपने साथ कुछ अन्य लोगों को भी एडमिन बनाया,जिनमें एक पूर्व महिला प्रधान और उनकी बेटी का नाम भी शामिल है। महासचिव के कहे अनुसार, यह वही परिवार है, जिन्होंने पूर्व में भी आरडब्ल्यूए पदाधिकारियों के विरुद्ध झूठे आरोप लगाए थे।आरडब्ल्यूए की मांग है कि कड़ी कार्रवाई और आरोपी को पॉकेट से निष्कासित किया जाए।

घटना से पॉकेट-डी के सभी निवासियों में रोष व्याप्त है। महासचिव शशांक शर्मा और अध्यक्ष मनीष सांखला (सैनी) ने संयुक्त रूप से पुलिस से अपील की है कि इस साइबर अपराध की गहन जांच कर आरोपी के विरुद्ध सख्त से सख्त कार्रवाई की जाए। साथ ही समाज में शांति और सद्भाव बनाए रखने के लिए आरोपी को पॉकेट से निष्कासित करने की मांग भी की जा रही है।

छठ व्रती महिलाओं ने डूबते हुए सूर्य को दिया अर्घ्य

● जिले के विभिन्न छठ घाटों पर उमड़ा आस्था का सैलाब

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

सिद्धार्थनगर। सूर्य उपासना के महापर्व छह के तीसरे दिन सोमवार को आस्था, उल्लास और समर्पण का अनूठा समन्वय छठ घाटों पर नजर आया।उसका बाजार, सूर्य उपासना का महापर्व छठ पूजा के अवसर पर सोमवार को कस्बा के कूड़ा नदी के विभिन्न छठ घाटों पर व्रती महिलाओं द्वारा डूबते हुए सूर्य को अर्घ्य दिया गया है। चार दिन तक चलने वाला यह व्रत में मंगलवार को उगते सूर्य को अर्घ्य देने के बाद पूर्ण होगा। यह महिलाओं द्वारा धारण किये जाने वाला कठोर व्रत है। उसका कस्बा साहित समूचे क्षेत्र में इस त्योहार को लेकर काफी उत्साह है। सांध्य अर्घ्य के अवसर पर नगर पंचायत अध्यक्ष मंजू जायसवाल, चेयरमैन प्रतिनिधि हेमन्त कुमार जायसवाल, प्रभारी निरीक्षक हरे कृष्ण उपाध्याय , समाजसेवी मयंक पाण्डेय , सभासद सूरज मोदनवाल, कल्लू पासवान, विभूति अग्रहरि,राकेश आर्या, विशाल अग्रहरी, मनीष अग्रहरी, आशीष अग्रहरी, सोमनाथ मिश्र, सुरेंद्र पाण्डेय, समीर कश्यप, सुनील जायसवाल आदि रहे।

शोहरतगढ़। सुर्य उपासना का छठु महापर्व पर शिवबाबा घाट पर श्रद्धालुओं का जन सैलाब उमड़ पड़ा। महिलाओं ने अस्ताचलगामी सूर्य को अर्घ्य दे सुख-समृद्धि की कामना की। नगर पंचायत के शिवबाबा छठु घाट पर श्रद्धालुओं की पांच हजार से अधिक भीड़ रही।आस्था के इस संगम में हर कोई डुबकी लगाने के लिए आतुर दिखा। शिवबाबा छठु घाट पर नगर पंचायत अध्यक्ष उमा अग्रवाल व विधायक शोहरतगढ़ विनय वर्मा, पत्नी बबिता वर्मा ने लोक कल्याण के लिए अस्चलगामी सुर्य को अर्घ्य दिया। शिवबाबा सरोवर के घाट पर बिजली की रंग बिरंगे सजावट लोगों को अपनी ओर आकर्षित कर रहे थे।व्रती महिलाओं ने बेदी पर अखण्ड ज्योति जलाकर सूप में नारियल, गन्ना, सिंघाड़ा, ठेकुआ, केला मूंगफली, नींबू आदि रखकर सुर्य को अर्घ्य दिया। शिवबाबा छठु घाट पर एसडीएम विवेकानंद मिश्रा, सीओ मयंक द्विवेदी, थाना प्रभारी नवीन कुमार सिंह, अध्यक्ष प्रतिनिधि रवि अग्रवाल,सभासद राजकुमार मोदनवाल, बब्लू गौड़,वकील खां, सौरभ गुप्ता, शिवशंकर उमर, शिवप्रसाद वर्मा, शिवशक्ति शर्मा, व्यापार संगठन अध्यक्ष शोहरतगढ़ इकाई आनंद कसौधन, रामसेवक गुप्ता आदि उपस्थित रहे।

गोल्हौरा। छठ महापर्व पर गोठवा , टेडिया घाट, डडवा घाट पर सोमवार को व्रती महिलाओं ने डूबते हुए सूर्य को अर्घ्य दिया गया।इस दौरान व्यवस्थापक गौरव कुमार निषाद, हनुमान, विमल चौरसिया, अनिल वर्मा, रामानंद केवट, दिनेश मौर्या, प्रबंधक मोहन कुमार निषाद, थानाध्यक्ष राजेश कुमार गुप्ता मय टीम के साथ उपस्थित रहे।

नगर पंचायत कपिलवस्तु क्षेत्र के छठ घाट बर्डपुर कस्बे के पूरब श्रद्धालुओं की काफी भीड़ रही। व्रती महिलाओं छठ माता की आराधना की। शाम को डूबते हुए सूर्य को अर्घ्य देकर मंगल कामना की। इस दौरान माहौल भक्तिमय रहा। छठ घाट पर मेले जैसा माहौल रहा। इस अवसर पर नगर पंचायत अध्यक्ष प्रतिनिधि जावेद आलम उर्फ चुनने, सभासद प्रतिनिधि राम विलास यादव, विपिन रावत, कमरूद्दीन आदि उपस्थित रहे।

झांसी में ट्रैक्टर-ट्रॉली पलटने से एक महिला की मौत, एक दर्जन से ज़्यादा घायल

झांसी जनपद के थाना समथर इलाके में रतनगढ़ माता मंदिर के लिए जवारे लेकर जा रहे श्रद्धालुओं की ट्रैक्टर ट्रॉली पलटने से एक महिला की मृत्यु हो गई है जबकि एक दर्जन से अधिक महिलाएं और बच्चे घायल हो गए। दुर्घटना के संबंध में पुलिस अधीक्षक ग्रामीण अरविंद कुमार ने बताया कि रविवार देर रात जनपद के ग्राम धौरका, पूंछ से ग्रामीण परिवार सहित ट्रैक्टर से जवारे लेकर मध्य प्रदेश स्थित रतनगढ़ माता मंदिर जा रहे थे। रविवार रात मध्य प्रदेश की सीमा पर समथर के निकट स्थित पहुंच नदी के पास उनका ट्रैक्टर अनियंत्रित होकर सड़क किनारे खाई में पलट गया जिसमें दब जाने के कारण ग्राम धौरका निवासी सीता पत्नी कमलेश राजपूत (32) की मृत्यु हो गई, जबकि एक दर्जन से अधिक महिलाएं-बच्चे घायल हो गए। उन्होंने बताया कि घायलों को उपचार के लिए अस्पताल भेज दिया गया है। अन्य सभी लोग खतरे से बाहर बताए गए है। ट्रैक्टर ट्रॉली में अधिकांश महिलाएं एवं बच्चे बैठे हुए थे बाकी सभी ग्रामीण पीछे पैदल चल रहे थे।

सिद्धार्थनगर में मह?ला की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत, फंदे से लटका मिला शव

सिद्धार्थनगर। ग्राम पंचायत पटखौली में सोमवार सुबह एक विवाहिता का शव संदिग्ध परिस्थितियों में कमरे की छत की कुंडी से लटकता मिला। सूचना पाकर जोगिया थाना पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। मृतका की पहचान 26 वर्षीय शालू पत्नी दुर्गेश के रूप में हुई है।

बताया गया कि शालू की शादी कुछ वर्ष पूर्व हुई थी और हाल के दिनों में पारिवारिक विवाद चल रहा था। घटना के बाद मायके पक्ष में कोहराम मच गया। महनगा निवासी मंझले भाई रूपक ने बहन की हत्या का आरोप लगाते हुए ससुराल पक्ष पर गंभीर आरोप लगाए हैं। पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण कर आवश्यक साक्ष्य जुटाए हैं। मामले की जांच सभी बिंदुओं पर की जा रही है। पुलिस का कहना है कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

सिलापथार में आस्था ओर अमर परंपरा का पर्व छठ पूजा का आयोजन

● जुबिन गर्ग द्वारा गाया कांच ही बांस के बहंगिया, बहंगी लचकत जाय, गाने से गूंज उठा छठ घाट।

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

असम धेमाजी। आस्था ओर अमर परंपरा का पर्व है छठ पूजा हर वर्ष के तरह इस बार भी सिलापथार के राधा कृष्ण मंदिर आंगन, संतोषी माता मंदिर, एम ई एस के छठ पूजा घाट सहित सिलापथार सार्वजनिक छठ घाट में श्रद्धालुओं का बीड़ दिखाई दी।

सिलापथार सार्वजनिक छठ घाट पूजा समिति ने इसबार 69 वर्षीय छठ पूजा जुबिन गर्ग को श्रद्धांजली देते हुए जुबीन गर्ग ने गाया कांच ही बांस के बहंगिया,बहंगी लचकत जाय इस गाने से छठ पूजा का शुभारंभ किया।

असम में निर्धारित समय अनुसार शाम 4.36मिनिटी पर डूबते हुए सूरज को अर्घ देकर व्रती महिलाओं ने पूजा अर्चना किया। महिलाओं ने धूप दीप जलाकर फलों से नैवेद्य चढ़ाकर घर के लिए निकल गई। पूजा समिति ने मीडिया के दिए जानकारी अनुसार कल सुबह उगते हुए सूर्याअर्घ से पूजा सम्पन्न कर प्रसाद वितरण किया जाएगा।

सीतापुर में AIMIM का ऐतिहासिक शक्ति प्रदर्शन, सैकड़ों कार्यकर्ताओं ने सपा छोड़ AIMIM का दामन थामा

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

सीतापुर। आज इतवार को सीतापुर में ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन (AIMIM) का ऐतिहासिक एवं शानदार कार्यक्रम ज़िला अध्यक्ष नियाज़ हुसैन की अगुवाई में बड़ी सफलता के साथ सम्पन्न हुआ।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में पहुंचे प्रदेश अध्यक्ष जनाब हाजी शौकत अली साहब ने घोषणा की कि AIMIM पार्टी सीतापुर की सभी विधानसभा सीटों पर अपने प्रत्याशी उतारेगी। उन्होंने कहा कि सपा मुसलमानों को बीजेपी का डर दिखाकर उनका राजनीतिक दोहन कर रही है, लेकिन अब जनता जाग चुकी है और मुसलमान अपनी सियासी ताक़त खुद पहचानेंगे।

वहीं सेन्ट्रल प्रदेश अध्यक्ष जनाब शेख ताहिर सिद्दीकी साहब ने अपने संबोधन में कहा कि ज़िला अध्यक्ष नियाज़ हुसैन की मेहनत और लगन से सीतापुर में का संगठन दिन-ब-दिन मज़बूत हो रहा है। इंशाअल्लाह वह दिन दूर नहीं जब सीतापुर AIMIM का सबसे मज़बूत ज़िला बनेगा। इस मौके पर प्रोग्राम के आयोजक नियाज़ हुसैन (ज़िला अध्यक्ष, AIMIM सीतापुर) ने कहा कि यह सफलता सभी कार्यकर्ताओं की मेहनत और एकजुटता का नतीजा है। उन्होंने सभी जिम्मेदार साथियों को प्रोग्राम को कामयाब बनाने के लिए दिल से मुबारकबाद दी और शुक्रिया अदा किया। कार्यक्रम में पार्टी संगठन को और मज़बूती देने के लिए

महत्वपूर्ण नियुक्तियाँ भी की गई –

शिशिर पाण्डेय एडवोकेट को ज़िला महासचिव तथा अमरदीप सिंह को ज़िला मुख्य महासचिव नियुक्त किया गया, साथ ही लहरपुर विधानसभा अध्यक्ष की भी घोषणा की गई। प्रोग्राम की सबसे अहम बात यह रही कि सैकड़ों की तादाद में सपा के कार्यकर्ताओं ने AIMIM पार्टी की सदस्यता ग्रहण की, जिससे कार्यकर्ताओं में जबरदस्त जोश और उत्साह देखने को मिला।

कार्यक्रम में मौजूद रहे —

यासीन खान (कोषाध्यक्ष), शब्बू खान (नाती) (ज़िला सचिव), कलाम मिर्ज़ा (ज़िला सचिव), शादाब गाज़ी (उपाध्यक्ष), उलवी खान (ज़िला सचिव), जावेद हाशमी (उपाध्यक्ष), मौलाना साद (यूथ ज़िला अध्यक्ष), तसीन अंसारी (यूथ ज़िला महासचिव), मो. अजमल (विधानसभा अध्यक्ष, सीतापुर), सरताज खान (सचिव), नसीम (ज़िला उपाध्यक्ष), मियां (उपाध्यक्ष), और अतहर अंसारी (ब्लॉक परसेंडी महासचिव) सहित सैकड़ों कार्यकर्ता मौजूद रहे।

यह कार्यक्रम AIMIM पार्टी की बढ़ती लोकप्रियता, संगठन की मजबूती और कार्यकर्ताओं के जोश का बेहतरीन उदाहरण साबित हुआ।

चोटिल श्रेयस अय्यर के लिए क्या-क्या करेगी BCCI? देगी ये सभी सुविधाएं

● टीम इंडिया के स्टार बल्लेबाज श्रेयस अय्यर को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ सिडनी वनडे के दौरान गंभीर चोट का सामना करना पड़ा था. उन्हें कैच पकड़ते समय पसलियों में चोट लग गई थी. ऐसे समय में श्रेयस अय्यर को बीसीसीआई की ओर से खास मदद मिलेगी

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

भारतीय क्रिकेट टीम के स्टार बल्लेबाज श्रेयस अय्यर को हाल ही में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ सिडनी वनडे के दौरान गंभीर चोट का सामना करना पड़ा. मैदान पर एक कैच पकड़ने के चलते उनकी पसलियों में चोट लग गई, जिसके बाद उन्हें मेडिकल जांच के लिए अस्पताल ले जाया गया. रिपोर्ट्स के मुताबिक, अय्यर को इंटरनल ब्लीडिंग की शिकायत के चलते एहतियातन अस्पताल के आईसीयू में भर्ती किया गया है. इस घटना ने क्रिकेट फैंस के बीच चिंता पैदा कर दी है, और सबसे बड़ा सवाल यह उठ रहा है कि इस मुश्किल समय में भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (BCCI) अपने इस सेंट्रल कॉन्ट्रैक्ट प्लेयर को किस तरह की मदद देगी।

श्रेयस अय्यर को ये सुविधाएं देगी BCCI

श्रेयस अय्यर, जो भारतीय वनडे टीम के उपकप्तान हैं, बीसीसीआई के सेंट्रल कॉन्ट्रैक्ट की लिस्ट में भी शामिल हैं. सेंट्रल कॉन्ट्रैक्ट वाले खिलाड़ियों के लिए बीसीसीआई की पॉलिसी काफी साफ और मददगार हैं, खासकर चोट के मामलों में. बोर्ड ने अपने कॉन्ट्रैक्टेड खिलाड़ियों के लिए मेडिकल ट्रीटमेंट की अच्छी व्यवस्था कर रखी है, ताकि वह बिना किसी चिंता के अपनी रिकवरी पर ध्यान दे सकें।

BCCI की मेडिकल इंश्योरेंस स्कीम

बीसीसीआई ने अपने सेंट्रल कॉन्ट्रैक्ट वाले खिलाड़ियों के लिए एक खास मेडिकल इंश्योरेंस स्कीम लागू कर रखी है. इस स्कीम के तहत, देश के लिए खेलते समय लगी चोटों के इलाज का पूरा खर्च कवर करती है. श्रेयस अय्यर के मामले में, उनके अस्पताल में भर्ती होने, आईसीयू में इलाज और बाकी इलाज के से जुड़े सभी खर्चों को इस इंश्योरेंस स्कीम के तहत कवर किया जाएगा।

BCCI सेंटर ऑफ एक्सीलेंस में वर्ल्ड क्लास फैसिलिटी

बीसीसीआई सेंटर ऑफ एक्सीलेंस बेंगलुरु में स्थित है, जो खिलाड़ियों की रिकवरी और रिहैबिलिटेशन के लिए एक वर्ल्ड क्लास सेंटर है. श्रेयस अय्यर को सेंटर ऑफ एक्सीलेंस में विशेषज्ञ डॉक्टरों, फिजियोथेरेपिस्ट, ट्रेनर और स्पोर्ट्स साइंस विशेषज्ञों की देखरेख में इलाज और रिहैबिलिटेशन की सुविधा मिलेगी. सेंटर ऑफ एक्सीलेंस में अत्याधुनिक उपकरण और तकनीकें उपलब्ध हैं, जो खिलाड़ियों को जल्द से जल्द मैदान पर वापसी करने में मदद करती हैं. अय्यर की चोट की गंभीरता को देखते हुए, उनकी रिकवरी प्रोसेस को सेंटर ऑफ एक्सीलेंस के विशेषज्ञों की ओर से मॉनिटर किया जाएगा, ताकि वह पूरी तरह स्वस्थ होकर क्रिकेट में वापसी कर सकें. इस दौरान उन्हें एक भी रुपए खर्च नहीं करना होगा।

IPL 2021 में ना खेलने पर मिले थे 7 करोड़ रुपए

बता दें, बीसीसीआई अपने सेंट्रल कॉन्ट्रैक्ट खिलाड़ियों को फाइनेंशियल सपोर्ट भी करती है. अगर कोई क्रिकेटर देश के लिए खेले गए मैच के दौरान चोटिल हो जाता है और आईपीएल में नहीं खेल पाता है, तब उसे पूरी सैलरी दी जाती है. साल 2021 में श्रेयस अय्यर एक वनडे मैच खेलते समय बाएं कंधे में चोट लगने के कारण आईपीएल के 14वें सीजन में हिस्सा नहीं ले पाए थे. तब दिल्ली कैपिटल्स ने अय्यर को 7 करोड़ रुपए का पूरा वेतन दिया था।